फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 137 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 19 दिसम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Bush Calling!!! That must be one of the most pleasant experiences of mankind, the feel of the cool breeze on hot sweaty skin

Skeletons And Sweet But Nothings? Uncovering the Origins of Common Phrases: 'Skeletons in the Closet' and 'Whispering Sweet Nothings'

'अगर केरल में जीतना है तो वेणुगोपाल को प्रदेशाध्यक्ष बनाकर वहाँ भेजो'

कांग्रेस में यह आवाज जोरों से उठ रही है, पर, सवाल यह है कि यह मांग वेणुगोपाल को गौरवान्वित कर रही है या उनकी खिल्ली उड़ा रही है?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। कांग्रेस पार्टी के भीतर एक जंग का माहौल है, अगर पार्टी को केरल में जीतना है तो के.सी. वेणुगोपाल को केरल भेजो बतौर पीसीसी अध्यक्ष, अन्यथा वाम मोर्चा राज्य में रिकॉर्ड तीसरी बार सत्ता में आ सकता है!!

क्या यह चुटकी ली जा रही है, क्योंकि पार्टी के कई गुट चाहते हैं कि वेणुगोपाल, एआईसीसी से और कांग्रेस की सत्ता से बाहर हो जाएं, क्योंकि उन्होंने खुद को पार्टी का निर्विवाद राजा बना लिया है, उन्हें राहुल गांधी के वीटो के साथ और उनका पूरा विश्वास और समर्थन प्राप्त है।

राहुल गांधी ने अपनी निर्णय लेने की शक्ति का एक बड़ा हिस्सा के.सी. वेणुगोपाल को सौंप दिया है और इससे कांग्रेस के कई नेताओं को भारी नाराज़गी है, जो महसूस करते हैं कि वेणुगोपाल अपनी मर्जी से काम करते हैं और पार्टी के हित को ध्यान में नहीं रखते।

- अधिकतर नेतागण वेणुगोपाल को केरल इसलिए भेजना चाहते हैं, जिससे ए.आई.सी.सी. में घुटन कम हो।
- वेणुगोपाल पर राहुल गांधी को इतना "भरोसा" है, कि जब तक वेणुगोपाल की मोहर नहीं लगती ए.आई.सी.सी. में कोई काम नहीं होता।
- अच्छे-अच्छे नेता भी इस कथन की सत्यता से पूरी तरह वाकिफ हो गए हैं तथा उन्हें वेणुगोपाल के सम्मुख नतमस्तक होना ही पड़ता है। यहाँ तक कि राहुल के नज़दीकी व विश्वासपात्र अजय माकन भी अब वेणुगोपाल के साथ मिलकर काम करने में ही अपनी भलाई देख रहे हैं।
- वेणुगोपाल ने हर राज्य में एक अपना मनपसंद प्रभारी नियुक्त कर रखा है और ये प्रभारी वेणुगोपाल के मन के अनुरुप राज्य में कांग्रेस को चलाते हैं।

कांग्रेस के अधिकांश नेताओं ने के.सी. वेणुगोपाल के आगे समर्पण कर दिया है, और वे उनके आदेशों का पालन करते हैं, क्योंकि वे अच्छी तरह जानते हैं कि राहुल गांधी तक पहुंचने का रास्ता के.सी. वेणुगोपाल के माध्यम से ही है।

यहाँ तक कि राहुल गांधी के एक वफादार और करीबी साथी अजय माकन, जो एआईसीसी के कोषाध्यक्ष हैं, को भी किसी निर्णय पर अंतिम मुहर लगाने से पहले वेणुगोपाल से मिलना पड़ता है।

क्योंकि राहुल ने माकन को कह दिया है कि उन्हें वेणुगोपाल से बात करनी चाहिए।

के.सी. वेणुगोपाल और अजय माकन ने इंदिरा भवन से काम करने का निर्णय लिया है, बजाय 24 अकबर रोड के।

क्यों, जबकि कोई कार्यकर्ता इंदिरा भवन तक पहुंच ही सकता और किसी नेता से मिल भी नहीं सकता?

इसका उत्तर एक पुराने कांग्रेस विश्लेषक से मिला, जो कहते हैं कि माकन व वेणुगोपाल चाहते हैं कि सार्वजनिक संपर्क, जितना संभव हो सके, कम रखा जाए।

और बाकी महासचिव और राज्य प्रभारी का क्या, वे पार्टी कार्यालय क्यों नहीं आते और वहाँ से काम क्यों नहीं करते?

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'महबूबा ने भी एक महिला का बुर्का उतरवाया था'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में कहा, "लोग शायद इस बात को भूल गये हों कि महबूबा मुफ्ती ने एक वैध मतदाता का बुर्का एक मतदान केन्द्र के अंदर हटवाया था। यह उसी मानसिकता की निरंतरता है।"

उमर, जो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हिजाब विवाद पर आलोचना करने वाले पहले नेताओं में से थे, ने अपनी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी महबूबा पर पलटवार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार एक साम्प्रदायिक पार्टी के सहयोगी के रूप

- जम्मू कश्मीर के मु.मंत्री उमर अब्दुल्लाह ने याद दिलाया कि मतदान केन्द्र में महबूबा मुफ्ती ने वोट डालने आई एक महिला का बुर्का उतरवाया था।

में एक महिला डॉक्टर का बुर्का हटाकर, "अपना असली रंग दिखा रहे हैं।" अब्दुल्ला ने याद दिलाया कि यह ट्रेंड महबूबा ने ही शुरू किया था।

ज्ञातव्य है कि अप्रैल 2004 के चुनावों के दौरान, मुफ्ती ने एक महिला का बुर्का उठाया था। जब इसके लिए उनकी आलोचना की गई, तो उन्होंने कहा था कि वह मतदाता की पहचान स्थापित करने की कोशिश कर रही थीं, क्योंकि बुर्के का इस्तेमाल अक्सर झूठे वोट डालने के लिए किया जाता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नारी सशस्त्रीकरण का नारा अति प्रचलित है आजकल राजनीति में'

प्रशांत किशोर ने डेढ़ घंटे की मुलाकात में प्रियंका गांधी को यह "नेक" सलाह दी कि उन्हें अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए कांग्रेस की राजनीति में

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) की कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी से हाल ही में हुई मुलाकात दरअसल सिर्फ इतना ही दर्शाती है कि जन सुराज पार्टी के संस्थापक कांग्रेस के साथ संभावना एवं अवसर की एक खिड़की खुली रखना चाहते हैं।

नई दिल्ली में दोनों नेताओं की डेढ़ घंटे की इस मीटिंग के बाद राजनीतिक हलकों में ये अटकलें तेज हो गईं कि किशोर ने बिहार कांग्रेस अध्यक्ष पद के बदले जन सुराज पार्टी के कांग्रेस में विलय का प्रस्ताव रखा है। लेकिन जेएसपी के सूत्रों ने ऐसी संभावनाओं को खारिज करते हुए कहा कि पीके खुद को इस तरह कम करके नहीं आँकते।

हाल ही में संपन्न बिहार चुनावों में कांग्रेस और जन सुराज पार्टी, दोनों को ही भारी नुकसान उठाना पड़ा है। कांग्रेस ने जिन 60 सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से वह सिर्फ छह पर जीत हासिल कर सकी, जबकि जन सुराज पार्टी एक भी सीट नहीं जीत सकी और 236 विधानसभा क्षेत्रों में उसकी जमानत जब्त हो गई। संभवत: दो पराजित दलों

- प्रशांत किशोर का मानना है कि राजनीति में उतार-चढ़ाव तो आते रहते हैं, अतः कुछ समय बाद, कालांतर में कांग्रेस की स्थिति में सुधार अवश्य होगा और वे कांग्रेस के लिए अवैतनिक (फ्री) सलाहकार की भूमिका निभा सकते हैं।
- जैसा कि विदित ही है, बिहार चुनाव में दोनों पार्टियों, कांग्रेस व प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी, की बहुत खराब हालत हुई थी। कांग्रेस 60 सीटों पर चुनाव लड़ी थी तथा केवल छः सीटों पर ही जीत पाई तथा जन सुराज पार्टी 236 सीटों पर चुनाव लड़ी थी तथा सभी सीटों पर जमानत नहीं बचा पाई थी।
- प्रशांत किशोर सदा राहुल से ज्यादा प्रियंका के नज़दीक थे तथा 2017 के यू.पी. के चुनाव में कांग्रेस की रणनीति तैयार करते समय, उन्होंने प्रियंका गांधी को मु.मंत्री पद के लिए प्रोजैक्ट करने की राय दी थी।
- प्रियंका भी काफी इच्छुक थीं कि प्रशांत किशोर कांग्रेस जॉइन कर लें।
- अब प्रियंका गांधी से मुलाकात करके प्रशांत किशोर ने कांग्रेस से बातचीत का सिलसिला जारी रखने के लिए एक खिड़की खोल ली है।

का विलय बिहार में या कहीं भी कोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बोतलबंद पानी की अशुद्धता की याचिका शहर केन्द्रित सोच का प्रतीक'

सी जे आई ने इस याचिका की सुनवाई करते हुए "लग्ज़री" मुकदमा और अमीरों की चोंचलेबाजी करार दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक जनहित याचिका को नकारते हुए कहा कि भारत की बड़ी आबादी, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, अभी भी बुनियादी पेयजल तक से वंचित है। कोर्ट ने इस याचिका को "लग्ज़री मुकदमा" करार देते हुए, पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर के लिए अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को अपनाने की मांग करने वाली याचिका पर विचार तक करने से इंकार कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की बेंच, सारंग वामन यादवड़कर द्वारा दायर एक याचिका की सुनवाई कर रही थी, जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि देश में बिकने वाला पैकेज्ड पानी विकसित

- याचिकाकर्ता की वकील अनिता शेनॉय ने कहा कि यह मुद्दा जन स्वास्थ्य से जुड़ा है और उपभोक्ता को स्वच्छ व शुद्ध बोतलबंद पानी मिलना चाहिए और इसमें डब्ल्यू एच ओ के मानकों का पालन होना चाहिए
- चीफ जस्टिस सूर्य कांत ने याचिका पर कड़ी टिप्पणी की और कहा, जब गांधी जी भारत लौटे थे, तो गरीबी से ग्रस्त क्षेत्रों में गए थे, याचिकाकर्ता से कहिए ग्रामीण क्षेत्रों में जाए और देखे कि लोग पीने का पानी पाने के लिए कितना संघर्ष करते हैं, तब उसे समझ आएगा, असली भारत की तकलीफ क्या है।

देशों के मानकों, जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित मानक शामिल हैं, के अनुरूप नहीं है। याचिकाकर्ता ने पैकेज्ड पानी के गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने और फूड सेफ्टी एण्ड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफ एस एस ए आई) के तहत बोतलबंद पानी के नियामक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में आदेश देने की मांग की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट में लोक अदालत आज

जयपुर, 18 दिसंबर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शुक्रवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह पहला अवसर होगा जब लोक अदालत की शुरुआत दोपहर 3.30 बजे से होगी। प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा जयपुर पीठ में लोक अदालत का शुभारंभ करेंगे। इसी तरह

- राजीनामा करने के लिए जयपुर व जोधपुर में तीन-तीन बेंच बनाई गई हैं।

जोधपुर में जस्टिस पुष्पेन्द्र सिंह भाटी इसकी शुरुआत करेंगे।

जयपुर पीठ में मुकदमों के आपसी राजीनामे के जरिये निपटारे के लिए तीन बेंच बनाई गई हैं, जिनकी अध्यक्षता मौजूदा न्यायाधीश प्रवीर भटनागर, जस्टिस संदीप तनेजा और जस्टिस बिपिन गुप्ता करेंगे। वहीं, इनमें सदस्यों के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता एसके गुप्ता, महेन्द्र शाह और अजय कुमार बाजपेयी को जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीति आयोग के पूर्व कर्ताधर्ता अमिताभ कांत सरकार से इतने रुष्ट क्यों हैं?

अमिताभ कांत की पीड़ा यह है कि क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर के नाम पर नये-नये मापदंड लाए जा रहे हैं, एम.एस.एम.ई. सैक्टर पर, जिससे भारत में निर्मित माल, विश्व की सप्लाई श्रृखंला का हिस्सा नहीं बन पा रहा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर। नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने भारत के तेजी से बढ़ते क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (क्यूसीओ) सिस्टम की अब तक की सबसे तीखी आलोचना की है। उनका कहना है कि जिसे आधिकारिक तौर पर स्टैण्डर्ड और सुरक्षा अभ्यास के रुप में पेश किया जा रहा है, वह असल में संरक्षणवाद का सीधा हथियार बन गया है, जो प्रतिस्पर्धा, रोजगार और एमएसएमई को नुकसान पहुँचा रहा है।

पॉडकास्ट "ग्रो" में मोनिका हलान से बातचीत करते हुए कांत ने कहा कि क्यूसीओ का व्यापक और बेतहाशा विस्तार, जो अब 760 से अधिक उत्पादों और क्षेत्रों को कवर करता है, "संरक्षणवाद का सबसे खराब रूप" है।

- क्वालिटी कंट्रोल के यह मापदंड 760 प्रोडक्ट्स व सैक्टर पर लगाये गए हैं तथा ज्यादा वेदना का विषय यह है कि ये मापदंड "इनपुट" (निर्माण) में काम आने वाले सामान पर लागू किए गये हैं। मापदंडों की पालना से भारतीय सामान महंगा होता जा रहा है तथा अन्य प्रतिस्पर्धी देश अपना सामान भारत की तुलना में सस्ता बेच रहे हैं और भारत अपना निर्यात बढ़ाने का सुअवसर खोता जा रहा है।

खासतौर पर इसलिए, क्योंकि इनमें से कई आदेश अंतिम उपभोक्ता वस्तुओं पर नहीं, बल्कि कच्चे माल, मध्यवर्ती उत्पादों और पुर्जों पर लगाए गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यहीं पर भारत खुद अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहा है।

कांत के मुताबिक, इनपुट्स (उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल) पर बाधाएँ बढ़ाकर क्यूसीओ गैर-शुल्क व्यापार बाधाओं की तरह काम करते हैं। इससे आयात सीमित होता है और घरेलू निर्माताओं के लिए लागत बढ़ जाती है। कांत ने कहा, इसका सबसे ज्यादा बोझ एमएसएमई पर पड़ता है, जिनके पास न तो इतनी बड़ी क्षमता होती है और न ही सौदेबाजी की ताकत कि वे ऊँची इनपुट कीमतों या जटिल अनुपालन नियमों को आसानी से झेल सकें। नतीजा यह होता है कि भारतीय कंपनियाँ वैश्विक वैल्यू चेन में कम प्रतिस्पर्धी बन जाती हैं, जिससे सरकार द्वारा समर्थित मैनुफैक्चरिंग और निर्यात महत्वाकांक्षाएं ही कमज़ोर होती हैं।

कांत ने कहा कि समस्या अब सीमित या लक्षित हस्तक्षेप तक नहीं रही है, बल्कि यह बेकाबू विस्तार का रूप ले चुकी है। बीते एक साल में ही सैकड़ों नए क्यूसीओ जारी किए गए, वह भी अक्सर बिना पर्याप्त परामर्श के। इससे विभिन्न क्षेत्रों में इनपुट लागत बढ़ी है, मुनाफे के मार्जिन सिमटे हैं और कंपनियाँ वैश्विक उत्पादन नेटवर्क से जुड़ने से हतोत्साहित हुई हैं। कुछ खास उत्पादों के लिए सीमित क्यूसीओ को सही ठहराया जा सकता है, लेकिन मौजूदा "बेलगाम" फैलाव, उनके अनुसार, कच्चे माल और पुर्जों को बेवजह महँगा बनाकर भारत की विकास कहानी को नुकसान पहुँचा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रीट पेपर लीक के ईडी केस के आरोपी को जमानत नहीं

जयपुर, 18 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने रीट पेपर लीक से जुड़े ईडी मामले में आरोपी को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस प्रवीर भटनागर ने ये आदेश

- हाई कोर्ट ने कहा कि आरोपी पक्ष के वकील के पेश नहीं होने के कारण निचली अदालत में आरोप तय नहीं हो पाए।

आरोपी राजूराम उर्फ इरम की द्वितीय जमानत याचिका खारिज करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत को अभियोजन साक्ष्य छह माह में पूरा करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन आरोपी पक्ष के वकील के पेश नहीं होने के कारण आरोप तय नहीं हो सके। वहीं, अन्य सह आरोपियों ने भी दस्तावेजों की प्रतियां आदि उपलब्ध कराने के लिए कई आवेदन दायर किए और दोनों पक्षों को सुनने के बाद उन पर विधिवत निर्णय पारित किया गया। ऐसे में मुकदमे में देरी के लिए अभियोजन पक्ष को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

जमानत याचिका में कहा गया कि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की एसएलपी खारिज करते हुए निचली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सांभर सॉल्ट लेक क्षेत्र में स्थायी निर्माण पर अंतरिम रोक

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार व केन्द्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा

जयपुर, 18 दिसम्बर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सांभर झील के नावा में "वैटलैंड" तथा वन्यजीव संरक्षण क्षेत्र के समीप किए जा रहे नए निर्माण पर रोक लगाई है। साथ ही, निर्माण उपकरणों को तत्काल हटाने के आदेश भी दिए हैं। इस मामले में याचिकाकर्ता दिनेश कुमावत की ओर से अदालत में कई तस्वीरें दिखायी गईं, जिनमें सांभर झील और उसके आसपास "वैटलैंड" में स्थायी और पक्का निर्माण किए जाने का दावा किया गया है। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.बी.माथुर और उनके

- बताया जा रहा है कि, सांभरझील के नजदीक नावा तहसील में 100 मैगावाट सौर ऊर्जा परियोजना के लिए स्थायी निर्माण किए जा रहे हैं, जबकि अदालत ने हर तरह के स्थायी निर्माण पर रोक लगा रखी है।

सहायक अधिवक्ता अमित मालानी पैरवी के लिए पेश हुए थे। ये आदेश हाईकोर्ट की कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ, जिसमें जस्टिस एस.पी.शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा शामिल हैं, ने दिए हैं।

दरअसल राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा वर्ष 2021 में सांभरलेक और उसके "वैटलैंड" एरिया का संरक्षण करने के संबंध में स्वत: प्रसंज्ञान लिए गए मामले में कई महत्वपूर्ण आदेश दिए थे, जिनमें राज्य सरकार को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गये थे कि सांभर झील के आसपास वैटलैंड तथा वन्यजीव क्षेत्र में किसी भी तरह का पक्का निर्माण नहीं हो।

इन अदालती आदेशों के मद्देनज़र अब याचिकाकर्ता दिनेश कुमावत ने भी यह दलील पेश की है कि सांभरझील के आसपास स्थायी निर्माण किया जा रहा है। और बताया जा रहा है कि यह पक्का निर्माण नावा तहसील में खसरा नंबर 1174 पर 100 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना के तहत किया जा रहा है।

अधिवक्ता अमित मालानी ने अदालत को बताया कि यह निर्माण कार्य वैटलैंड (संरक्षण और प्रबंधन) नियम-2017 के विपरीत हो रहा है।

इस मामले में हाईकोर्ट ने, राज्य सरकार तथा केन्द्र सरकार को नोटिस जारी किए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने इस प्रकरण से संबंधित नोटिस राज्य सरकार की ओर से ग्रहण किए हैं और वहीं केन्द्र सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता व एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) भरत व्यास पैरवी के लिए पेश होंगे।

इस प्रकरण में अभी सांभर सॉल्ट लेक प्रबंधन समिति, जो कि वन मंत्रालय के अंतर्गत गठित एजेंसी है, की ओर से कोई पक्ष नहीं रखा गया है, जिससे यह स्पष्ट हो कि उक्त विवादित निर्माण वैटलैंड क्षेत्र अथवा वन्य क्षेत्र में आता है। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 21 जनवरी 2026 को तय की है।

सरिस्का के बफर ज़ोन में आग लगी

अलवर, 18 दिसम्बर। अलवर शहर से लगते सरिस्का टाइगर रिज़र्व के बफर ज़ोन के जंगल में देर रात करीब 8 बजे अलाव की चिंगारी से आग लग गई, जिसके कारण वनकर्मियों में अफरा -तफरी मच गई। दरअसल, बफर ज़ोन के जंगल में 10 से अधिक टाइगर और 30 से अधिक लेपर्ड हैं। वनकर्मियों और दमकलकर्मियों ने मिलकर रात करीब सवा बजे आग बुझाई। आमजन ने घरों की छत से वीडियो भी बनाए।

सरिस्का के एक कर्मचारी ने बताया, चौबुर्जा के आसपास के जंगल में ऊंची पहाड़ी पर आग की लपटें जब

- सौ हैक्टर में लगी आग पाँच घंटे में काबू में आई।

शहर में घरों की छतों से साफ नजर आने लगीं, उसके बाद आग लगने का पता चला। फिर तुरंत वनकर्मी सागर की तरफ से पहाड़ी पर चढ़े। करीब 20 से 30 कर्मचारियों ने मिलकर आग को बुझाया।

दमकल भी मौके पर पहुंची। लेकिन उसके ऊपर जाने का कोई रास्ता नहीं था। इसके कारण दमकल का कोई उपयोग नहीं हो सका। मोहल्ले के कुछ लोग भी वनकर्मियों के साथ आग बुझाने के लिए पहाड़ पर चढ़े।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सत्याग्रह बल प्रयोग के विपरीत होता है। हिंसा के संपूर्ण त्याग में ही सत्याग्रह की कल्पना की गई है। –महात्मा गांधी

महाअभियोग के संवैधानिक प्रावधानों का प्रयोग न्यायाधीश स्वामीनाथन के विरूद्ध न केवल अलोकतांत्रिक है, अपितु न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर कटु प्रहार है

देश के 56 सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के न्यायाधीशों द्वारा लिखा गया पत्र, जिसमें संसद के उन सदस्यों को विद्ड्रो करने का आग्रह किया है, जिसके द्वारा उन्होंने मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस जी.आर. स्वामीनाथन के विरूद्ध महाअभियोग की कार्यवाही करने की मांग की है। संसद के अध्यक्ष को प्रेषित किया है उसकी प्रक्रिया की कटु आलोचना की है। उनका कथन है कि यह कार्य संविधान के प्रावधानों की गरिमा उद्देशिका में वर्णित मूल भवना तथा न्यायपालिका की स्वतंत्रताा पर कटु प्रहार है।

अपने पत्र में 50 पूर्व न्यायाधीशों ने स्पष्ट शब्दों में अपने विचार दिये हैं कि कुछ सांसदों और एडवोकेट्स न्यायालय (न्यायाधीशों) को दवाब में लाना चाहते हैं, वह भी केवल इसलिये कि वे लोग जस्टिस महोदय की राजनीतिक अथवा Ideological विचार धारा से सहमत नहीं हैं। यह सोच न्यायाधीश स्वतंत्रता के विरूद्ध है व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विपरीत है।

यह घटना क्रम उस समय हुआ, जब जस्टिस स्वामीनाथन ने एक पिटीशनर की पिटीशन पर जो अपने को Right Wing Activist मानता है, जस्टिस स्वामीनाथन ने, सुनवाई के बाद यह निर्देशन राज्य सरकार को दिया कि पवित्र दीपक पहाडी शिखर पर प्रज्वलित किया जा सके इसकी व्यवस्था हो ताकि कोई व्यवधान न हो। राज्य के अधिकारियों का कथन था कि दीप मंडप के सामने दीपक जलाने की प्रथा बहुत पुरानी है। मस्जिद और दीप दोनों पहाडी की चोटी पर हैं बीच में रिक्त स्थान है। ऐसा भी है कि कोर्ट के निर्णय है जहां दीप मंडप पर दीपक प्रज्वलित करने की प्रथा का जिक्र है। लेखक का इस प्रसंग के कानूनी गुणदोष पर कोई प्रतिक्रिया अभिव्यक्त नहीं कर रहा है। प्रश्न इतना है कि जब जस्टिस स्वामीनाथन के आदेश के विरूद्ध कोई अपील नहीं है तो फिर क्या मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के विरूद्ध इस आदेश को महाअभियोग की कार्यवाही के द्वारा बिना निरस्त किये जस्टिस महाअभियोग की सजा में नौकरी से निकाला जा सकता? 56 पूर्व न्यायाधीशों ने अपने पत्र में इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुये कहा है कि मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश को इस प्रकार नौकरी ने निकालने की कार्यवाही करना सर्वथा अवैध, अन्धकृत और विवेकहीन है। निःसन्देह इस प्रकार की कार्यवाही को न्याय संगत नहीं माना जा सकता यह अप्रत्यक्ष रूप से न्यायाधीशों को Brow Beat करना ही कहा जावेगा। लोकतंत्र में न्यायाधीश को निर्भीक व स्वतंत्र विचार धारा का होकर संविधान व लोकतंत्र की मर्यादाओं के अनुसार एक सबल रक्षक के रूप में काम करना होता है। पूर्व न्यायाधीशों ने स्पष्ट शब्दों में विचार रखते हुये कहा है महाअभियोग के प्रतिवेदन में कोई भी संगत आधार प्रतिलक्षित नहीं होते, क्योंकि महाअभियोग की कार्यवाही असाधारण परिस्थितियों में ही होना चाहिये। लोकतंत्र में न्यायालयों को स्वतंत्र, किसी बाहरी शक्ति के दवाब से दूर ही रहना चाहिये। इस प्रकार की कार्यवाही रूल ऑफ लॉ के लिये गम्भीर खतरा है। महाअभियोग की कार्यवाही असाधारण है यह कार्यवाही तो न्यापालिका की गरिमा को बनाये रखने के हेतु ही की जाना अपेक्षित है। संविधान ने अपनी उद्देशिका मे स्पष्ट घोषणा की है, भारत के लोग भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिये तथा उसके नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने के लिये दृढ संकल्प होकर संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

कुछ समय से देश में देश के न्यायाधीशों पर कोर्ट की कार्यवाही सुनवाई करते समय वकीलों से प्रश्न पूछे जाने और जजों की टिप्पणी को इस प्रकार उद्घृत किया जाता है, जिससे यह कयास लगाया जाता है कि वे जजों को दवाब में लाना चाहते हैं। कुछ दिनों पूर्व सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकान्त ने रोहिंग्या के प्रकरण पर टिप्पणी की थी।

पूर्व न्यायाधीशों में सुप्रीम कोर्ट के कई पूर्व न्यायाधीश व हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश व अन्य न्यायाधीश भी हैं। ये सब ही यशस्वी न्यायाधीश रहे हैं, अतः इन सबसे जब मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस स्वामीनाथन के पक्ष में उपरोक्त संदर्भ में कोई बात कही है तो उसका महत्व हमें समझाना होगा, यह विषय महाअभियोग लाने का तो नहीं हो सकता।

कुछ समय से देश में देश के न्यायाधीशों पर कोर्ट की कार्यवाही सुनवाई करते समय वकीलों से प्रश्न पूछे जाने और जजों की टिप्पणी को इस प्रकार उद्घृत किया जाता है, जिससे यह कयास लगाया जाता है कि वे जजों को दवाब में लाना चाहते हैं। कुछ दिनों पूर्व सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकान्त ने रोहिंग्या के प्रकरण पर टिप्पणी की थी। उसके साथ जस्टिस जॉय माल्या बागची भी थे। मुख्य न्यायाधीश महोदय ने कुछ गणमान्य लोगों को पत्र लिखकर इस पर आपत्ति की थी, इस पर प्रतिक्रिया देते हुये माननीय न्यायाधीश ने एक अन्य केस में सुनवाई के समय कहा था कि वे टफ आदमी है कोई ऐसा नहीं समझे कि न्यायपालिका ऐसी क्रियाओं पर दवाब में आ जायेगी। जस्टिस बागची ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा था कि "जजों द्वारा सवाल पूछने से रोकने का यह एक संगठित प्रयास है। वस्तुतः मुख्य न्यायाधीश ने रोहिंग्या घुसपैठियों का रैड कारपेट (लाल कालीन) बिछाकर स्वागत करे"।

कई बार टिप्पणी के द्वारा न्यायाधीशगण समस्या को समझने का प्रयत्न करते हैं, इन्हें किसी भी प्रकार कोर्ट का निर्णय नहीं माना जाना चाहिये, किन्तु ऐसी टिप्पणी को जज ही पूर्व निर्धारित मानसिकता के साथ नहीं जोड़ा जा सकता।

इन सब परिस्थितियों से ऐसा प्रतीत होता है कि लोकतंत्र में अदालतों की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने का अलोकतांत्रिक प्रयास किया जा रहा है। इसे सावधानी से रोकना और गम्भीरता से विरोध करना अतिआवश्यक है।

इसी क्रम में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकान्त ने कहा सोशल मिडिया को नियंत्रित करने के समाचार के विषय में कहा कि ऐसे कठोर प्रतिबंध की आवश्यकता नहीं है, किन्तु सोशल मिडिया पर यह टिप्पणी की कि सोशल मिडिया जब संदर्भ हटाकर ट्रोलिंग की जाने प्रवृति को अपनाता है, उसकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती।

लोकतंत्र की मजबूती इस पर निर्भर है वहां पर न्यायिक स्वतंत्रता पर कोई भी समझौता नहीं है जैन धर्म के धर्मावलंबियों की एक प्रार्थना है, "रहे भावना ऐसी मेरी सरल सत्य व्यवहार करूँ, या कोई कैसा भी भय या लालच देने आवे, तो भी न्याय मार्ग मेरा कभी न पथ डिगने पाये"।

इसका अर्थ है नयायाधीश निष्पक्ष हो विषय का ज्ञाता हो, केस की, जिसका उसे निर्णय करना है, उसके तथ्यों की पकड़ हो, जिसकी IntegrityMebkeâe से परे हो। युधिष्ठिर ने महाभारत में कहा था:–

'धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः तस्माद्धर्मो न हन्तव्यो मा नो धर्मो हतोऽवधीत्।'

"Dharma protects those who protect it. Those who destroy Dharma gets destroyed as a consequence thereof."

क्या जस्टिस स्वामीनाथन ने ऐसा कोई कृत्य किया है जो उपरोक्त मापदण्डों के विपरीत हो। फिर क्या उनके विरूद्ध महाअभियोग की असाधरण कार्यवाही की जावे?

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

राजस्थान में बिना महाविद्यालय और अध्यापकों के कृषि उच्च शिक्षा - एक प्रस्तावित मॉडल

वीर बहादुर सिंह

विज्ञान और तकनिकी विकास के स्तर को देखते हुए अब प्रतीत हो रहा है कि स्नातक कृषि शिक्षा में भी कुछ नवीन आयाम खुलने चाहिए अथवा शिक्षा प्रदान करने की कक्षा कक्ष की प्रणाली में कुछ परिवर्तन घटित हों। ऐसा इसलिए कि विषय वस्तु भार अपेक्षा से कहीं अधिक बढ़ चुका है। ऐसे में यदि अपरिमित संसाधन और विषय सामग्री का समावेश पाठ्यक्रम में होता रहे तो छात्र के लिए उसे आत्मसात करने के लिए समय कम पड़ सकता है, और अध्यापक के लिए कालांश की संख्या में बढ़ोतरी भी जरुरी हो जाती है । हमें याद है आरम्भ में स्नातक केवल दो वर्ष का पाठ्यक्रम ही था, बढ़ती विषय सामग्री ने सेमेस्टर पध्यति में चार सेमेस्टर, फिर छः और अब आठ सेमेस्टर तक पहुंचा दिया है। इसलिए छात्र और अध्यापक दोनों को राहत स्वरुप कुछ परिवर्तन जरुरी हैं। पाठक इस लेख के लेखक को कोसें नहीं, लेख में वर्णित व्यवस्था लेखक को राजस्थान में वर्षों कार्य के दौरान प्राप्त वृहत अनुभवों पर बलवती होती धारणा पर आधारित है। कृषि उच्च शिक्षा की एक परिवर्तित प्रणाली, जिसमें महाविद्यालय बनाने और अध्यापकों की नियुक्ति से निजात मिलेगी। लेखक ने इस प्रणाली को बिना अन्य से विमर्च और सम्बाद किये स्वंय ही रूप देने का प्रयास किया है।

इस प्रणाली को उत्पन्न करने और मूर्तरूप देने में प्रदेश सरकार की कृषि विश्वविद्यालयों पर सदैव आर्थिक दृष्टि से आंसू बहाने का दृश्य मुख्य कारक रहा। कृषि शिक्षा को राजस्थान सरकार फ़िज़ूल का उपक्रम मानती रही है और इसीलिये कृषि उच्च शिक्षा के उन्नयन के लिए प्रदेश सरकार सदैव उदासीन, गैरजिम्मेदार और कभी कभी विरोधी भी रही है। मेरी समझ से इसका मुख्य कारण योजना नियोजकों को कृषि के असंख्य पहलुओं पर उनकी सभी स्तरों पर अनिभिज्ञता और नासमझी ही है। प्रदेश के बहुत से अधिकारिओं को अभी तक ज्ञात होगा कि उच्च माध्यमिक शिक्षा में कृषि विषय भी एक विशेष शाखा के तौर पर पढ़ाया जाता था। जहाँ छात्र विज्ञान, कला, वाणिज्य मुख्य विषय के रूप में पढ़ते थे वहाँ कुछ छात्र कृषि सम्बंधित विषय भी पढ़ कर हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण करते थे। ऐसा नहीं था कि उच्च माध्यमिक स्तर पर कृषि केवल राजस्थान में ही पढ़ाई जाती थी अपितु उत्तर प्रदेश सहित अनेक प्रांतों में कृषि विषय माध्यमिक शिक्षा में समान आदर के साथ विषयों में सम्मिलित था। लेखक ने भी मिशन बॉयज स्कूल एटा और नारायण इंटर कॉलेज शिकोहाबाद से इंटरमीडिएट कृषि में पास की थी तत्पश्चात उसी योग्यता और मेरिट के आधार पर स्नातक पाठ्यक्रम में एक बल्कि दो बड़े महाविद्यालयों यथा कृषि और पशुपालन व् चिकित्सा में मथुरा में प्रवेश भी मिल गया था। आशय बताने का यह कि माध्यमिक स्तर की कृषि शिक्षा मेडिकल और अभियांत्कि के पात्र बायोलॉजी एवं विज्ञान व् गणित की भांति ही समानरूप से महत्वपूर्ण थी।

इतना कुछ भूमिका वर्णन करने के पश्चात् अब मुख्य विषय पर लौटता हूँ।

हमें ज्ञात है कि पौराणिक काल में शिक्षा गुरु –शिष्य आधार पर ही दी जाती थी। उस काल में महाविद्यालय अथवा कक्षा कक्ष की कोई आवश्यकता न थी। शिष्य और गुरु बरगद अथवा अन्य किसी ऐसे ही छायादार वृक्ष के नीचे जमींन पर बैठ कर ज्ञान और संस्कारों का आदान–प्रदान करते थे। अधिक समय नहीं गुजरा स्वामी विवेकानंद जी ने भी कुछ इसी भाँती शिक्षा पाई थी। वर्तमान की शिक्षा के संसाधनों को देखते हुए कल्पना भी नहीं की जा सकती कि कालान्तर में पढ़ाई पेड़ या घासफूस की झोंपड़ पट्टी में होती थी। यह सही है कि विज्ञान और संसाधनों में उन्नति होने से शिक्षण संस्थाओं का रूप भी बदला है। फ़लस्वरूप,आज की शिक्षा कहीं अधिक धन परस्त और खर्चीली हो चुकी है। और जब सम्पूर्ण शिक्षा का भार सरकारों को वहन करना पड़े तो अधिकारिओं के पसीनें छूटने लाजमी है। ज्ञान में अपार वृद्धि से शिक्षा के इतने अधिक आयाम हो चुके हैं कि उनको गिनना मुश्किल है।

कृषि शिक्षा में भी अभूतपूर्व विकास विषय सामग्री के हिसाब से हुआ वहीँ अनुसन्धान और एक्सटेंशन शिक्षा के नेशनल लेवल पर कई संस्थाएं स्थापित हो गई। जिनमें भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् नई देहली प्रमुख है। इस लेख को लिखते समय दिनांक 14 दिसंबर को राजस्थान के मुख्य सचिव की अखवारी खबर कि रिक्त पदों के भरने की प्रक्रिया को गति देकर नियुक्तियां की जायँ। प्रश्न ये है जब सरकार ने नियुक्ति प्रणाली को शुरू ही नहीं क्या तो फिर गति किसको और फिर उनका निर्देश किसको है जबकि वे खुद ही सर्वेसर्वा हैं। नियुक्ति का अधिकार भी सरकार के ही पास है। जनता को मूर्ख बनाने और एक सफूगा छोड़ने के अलावा ऐसा निर्देश कोई मायनें नहीं रखता। पाठक इस बात पर चिंतन करें कि कक्षाओं में पढ़ाई कैसे हो रही है जब उचित अध्यापक ही नहीं हैं और पढ़ाई की निगरानी के लिए महाविद्यालय का प्रिंसिपल अथवा अधिष्ठाता भी महाविद्यालय में पढ़ाये जाने वाले किसी भी विषय का नहीं है। है न, पहेली, क्योंकि बिना उचित विषय विशेषज्ञ के कौन पढ़ा रहा है और क्या पढ़ा रहा है? परीक्षा भी हो रही है और छात्र उत्तीर्ण भी हो रहे हैं, है न आश्चर्य?

इसका कारण, कृषि अनुसन्धान परिषद् ने सभी विषयों के पाठ्यक्रम के अनुसार नोट्स नेट पर उपलब्ध करवा रखे हैं। छात्र उन्हें ही अपने स्मार्ट फ़ोन में पढ़ते हैं इसलिए उन्हें सैद्धांतिक पढ़ने के लिए कक्षा और टीचर की जरुरत नहीं पड़ती। इस प्रकार थ्योरी क्लासेज की गुल्थी तो सुलझती प्रतीत लग रही है फिर भी इन नोट्स में वर्णित विषय सामग्री को और अधिक ग्राह्य तथा विकसित किया जा सकता है। अब दूसरी यह कि प्रैक्टिकल कक्षाओं का क्या होता है? कृषि में ऐसे विषय भी हैं जिनमें प्रैक्टिकल खेतों, फार्म, नदिओं, तालाबों, बनों, बाधों, और फसलें उगे हुए किसानों के खेतों पर कराये जा सकते हैं। अभी तो करोड़ों रुपये के महंगे प्रयोशाला उपकरण वर्षों से धूल चाट रहे हैं और संभवत: अनेक जंग खाकर बेकार भी हो चुके हों? खोजबीन करने पर मालूम हुआ कि प्रैक्टिकल तो विषय का टीचर नहीं होते हुए कराये ही नहीं जा रहे हैं। प्रयोगशाला सहायक ही नहीं है, किराये का टीचर ही लैब में जाकर कतिपय उपकरण दिखा कुछ बता देता है अधिक बताने के लिए उसके पास भी नॉलेज नहीं, उसे तो कालांश किसी प्रकार पूरा करना है। वह हो जाता है आखिर में उसका पारश्रमिक बना कर अदा कर दिया जाता है। लेखक चूँकि इस विषय पर अधिक गंभीर था तो अनेक व्यक्तिओं से पूंछ कर वांछित जानकारी जुटाना संभव हो सका ।प्रदेश सरकार को कृषि अनुसन्धान परिषद् का शुक्रगुजार होना चाहिए कि छात्रों को प्रत्येक विषय के विस्तृत विवरण नेट पर उपलब्धहैं अतः कक्षा में पढ़ाने के लिए किसी टीचर की नियुक्ति की जरुरत नहीं। भारी वेतन पर होने वाले खर्च से निजात मिलेगी।

अब केवल प्रैक्टिकल करने या कराने की बात शेष रहती है। मेरे पास विकल्प हैं लेकिन उसके लिए विचार–विमर्श सरकार के स्तर पर भी जरुरी है। सरकार के प्रशासन वर्ग को मैं सबसे अधिक शिक्षित, बुद्धिमान और विवेकशील मानता हूँ इसलिए इस विषय पर आगे मंथन वहां से भी अपेक्षित है।

यदि यह प्रणाली कारगर हो गई तो प्रदेश सरकार के लिए तो वरदान साबित होगी और छात्र का समय बचेगा। रिक्त पदों और उन्हें भरने की जरुरत भी नहीं पड़ेगी और आर्थिक दृष्टि से धन की अपार बचत होगी। सरकार की आर्थिक शक्ति भी सुद्रण हो जाएगी। जय कृषि जय किसान जय भारत।

–प्रो.वीर बहादुर सिंह, पूर्व कुलपति एवं अधिष्ठाता डेरी व् खाद्य,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि. विद्यालय, उदयपुर

राजस्थान उच्च शिक्षा बजट प्रस्ताव 2026-27

अशोक कुमार

राजस्थान के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने और राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए उच्च शिक्षा में निवेश अनिवार्य है। बजट प्रस्तावों को केवल व्यय के रूप में नहीं, बल्कि मानव पूंजी में निवेश के रूप में देखा जाना चाहिए। इन क्षेत्रों में पर्याप्त बजट आवंटन राज्य की उच्च शिक्षा प्रणाली को एक मजबूत, समावेशी और विश्व स्तरीय प्रणाली में बदल सकता है।

राजस्थान की उच्च शिक्षा को संवारने में राज्य के विश्वविद्यालयों के शिक्षकों एवं गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों का अमूल्य योगदान रहा है। विकसित राजस्थान के संकल्प को सिद्ध करने हेतु प्रदेश के ये उच्च शिक्षण संस्थान आधारस्तंभ हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालयों में पेंशन भुगतान को लेकर अक्सर असमंजस और देरी की स्थिति बनी रहती है। अतः आगामी बजट में विश्वविद्यालयों के लिए एक स्थायी पेंशन कॉर्पस फंड का प्रावधान किया जाए ताकि कर्मचारियों को नियमित भुगतान सुनिश्चित हो सके। यदि विश्वविद्यालयों में सामाजिक सुरक्षा, पेंशन का अभाव रहा, तो प्रदेश के मेधावी युवा अध्यापन के बजाय अन्य सेवाओं की ओर पलायन करेंगे, जिससे अंततः राजस्थान की उच्च शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होगी।आगामी बजट 2026–27 में राजस्थान के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों के लिए पेंशन योजना के सुचारू क्रियान्वयन हेतु स्पष्ट बजट आवंटन की घोषणा होनी चाहिए ।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संकाय विकास : उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सीधे शिक्षकों की क्षमता और संसाधनों से जुड़ी होती है।

1. संकाय की भर्ती और प्रशिक्षण: शिक्षकों की स्थायी भर्ती: विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों के खाली पदों को भरने के लिए एक विशेष भर्ती अभियान चलाने हेतु पर्याप्त बजट आवंटित किया जाए।

शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र: सभी विश्वविद्यालयों में एक समर्पित शिक्षक प्रशिक्षण एवं उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए फंड। ये केंद्र एनइपी 2020 के अनुरूप मल्टीडिसिप्लिनरी शिक्षा, डिजिटल शिक्षण विधियों और शोध नैतिकता पर अनिवार्य प्रशिक्षण देंगे। शोध प्रोत्साहन: शिक्षकों को राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंसेस में भाग लेने और उच्च गुणवत्ता के पीयर–रिव्यूड जर्नल्स में प्रकाशन के लिए प्रोत्साहन राशि

2. पाठ्यक्रम और मूल्यांकन सुधार:

कौशल–आधारित शिक्षा: कौशल विकास और इंटर्नशिप को मुख्य पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने के लिए बजट। इसके लिए स्थानीय उद्योगों और एमएसएमइएस के साथ साझेदारी विकसित करने हेतु फंड।

अद्यतन प्रयोगशालाएँ: विज्ञान, इंजीनियरिंग, और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए आधुनिक उपकरणों से युक्त प्रयोगशालाओं को अपग्रेड करने हेतु एक आधुनिकीकरण कोष।

1. डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर:

डिजिटल पहुँच का विस्तार: सभी सरकारी कॉलेजों को हाई–स्पीड इंटरनेट और वाई–फाई से लैस करने के लिए डिजिटल पहुँच मिशन।

ई–संसाधन सब्सक्रिप्शन: सभी छात्रों और संकाय के लिए राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी और प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों (जैसे– स्कोपस) की सदस्यता लेने हेतु केंद्रीय फंडिंग।

स्मार्ट क्लासरूम: 75 प्रतिशत से अधिक कक्षाओं को स्मार्ट क्लासरूम (प्रोजेक्टर, इंटरैक्टिव बोर्ड) में बदलने के लिए विशेष परियोजना।

2. भौतिक बुनियादी ढाँचा:

कॉलेज भवन और छात्रावास: दूरदराज के क्षेत्रों और छात्राओं के लिए नए छात्रावासों के निर्माण और पुराने भवनों के जीर्णोद्धार के लिए बड़ा बजट।

विश्वविद्यालय शोध उपकरण: उच्च–स्तरीय शोध उपकरण जैसे स्पेक्ट्रोमीटर, उच्च–प्रदर्शन कंप्यूटिंग क्लस्टर आदि खरीदने के लिए एक शोध उपकरण खरीद निधि।

तीसरा– पहुँच, समानता और समावेशन : राजस्थान के सकल नामांकन अनुपात को बढ़ाने के लिए वंचित समूहों तक पहुँच सुनिश्चित करना आवश्यक है।

1. छात्राओं के लिए विशेष योजनाएँ:

"उच्च शिक्षा प्रोत्साहन योजना": ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को उच्च शिक्षा पूरी करने के लिए नकद प्रोत्साहन या ट्यूशन फीस में पूर्ण छूट।

सुरक्षित परिवहन: छात्राओं को कॉलेज तक पहुँचने के लिए सुरक्षित और सब्सिडीयुक्त परिवहन सुविधाएँ प्रदान करने हेतु बजट।

2. वंचित समूहों के लिए समर्थन:

विशेष कोचिंग: एससी/ एसटी/ ओबीसी छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं (जैसे– एनइटी, यूपीएससी, आरपीएससी) की तैयारी हेतु मुफ्त कोचिंग सेंटर स्थापित करने और चलाने के लिए फंड।

दिव्यांगजन सहायता: एनइपी 2020 के अनुसार, दिव्यांग छात्रों के लिए बाधा–मुक्त परिसर, विशेष शिक्षण सामग्री और सहायक प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराने के लिए अलग कोष।

चौथा– अनुसंधान और नवाचार

विश्वविद्यालयों को ज्ञान सृजन के केंद्र में बदलना।

पाँचवा– शासन और जवाबदेही

संस्थागत प्रभावशीलता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना।

डेटा प्रबंधन प्रणाली: समय पर और सटीक डेटा संग्रह के लिए सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में एक मजबूत प्रबंधन सूचना प्रणाली लागू करने हेतु बजट। यह एआईएसएचइ रिपोर्ट में देरी जैसी समस्याओं से बचने में मदद करेगा।

संस्थागत स्वायत्तता प्रोत्साहन: अच्छा प्रदर्शन करने वाले और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों को अधिक वित्तीय और प्रशासनिक स्वायत्तता देने के लिए प्रदर्शन–आधारित प्रोत्साहन

वित्तीय लेखापरीक्षा: आवंटित बजट के प्रभावी और पारदर्शी उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए नियमित वित्तीय और शैक्षणिक लेखापरीक्षा के लिए व्यवस्था। विज्ञान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में किया गया निवेश राज्य के दीर्घकालिक आर्थिक विकास और युवाओं के लिए रोजगार सृजन की कुंजी है।

विज्ञान और एआइ तकनीक के लिए बजट प्रस्ताव

इन प्रस्तावों को तीन प्रमुख स्तंभों में विभाजित किया जा सकता है: बुनियादी ढाँचा, मानव पूंजी , और अनुसंधान एवं नवाचार।

प्रथम– बुनियादी ढाँचा और डिजिटल क्षमता निर्माण

1. उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग सुविधाएँ:

एआइ सुपरकंप्यूटिंग क्लस्टर: राज्य के शीर्ष तकनीकी विश्वविद्यालयों (जैसे– आइआइटी, एनआइटी, या प्रमुख राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज) में एक या दो उच्च–प्रदर्शन कंप्यूटिंग क्लस्टर स्थापित करने के लिए फंड।

मांग: जीपीयू सर्वर, शीतलन प्रणाली, और इनके संचालन एवं रखरखाव के लिए एक समर्पित वार्षिक बजट।

2. अटल टिंकरिंग लैब और एसटीइएम लैब का विस्तार:

उच्च शिक्षा में अटल लैब: स्कूली शिक्षा में सफलतापूर्वक लागू एटीएल मॉडल को उच्च शिक्षण संस्थानों (विशेषकर पॉलिटेक्निक और छोटे इंजीनियरिंग कॉलेजों) में एडवांस्ड एसटीइएम लैब के रूप में विस्तारित करने हेतु बजट।

मोबाइल विज्ञान वैन: ग्रामीण क्षेत्रों के कॉलेजों में विज्ञान और तकनीक के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सुसज्जित मोबाइल विज्ञान और एआइ लैब वैन की खरीद और संचालन के लिए फंड।

द्वितीय– मानव पूंजी और कौशल विकास और विज्ञान के लिए कुशल कार्य बल तैयार करना।

1. एआइ उत्कृष्टता केंद्र:

राज्य एआइ केंद्र: कम से कम चार क्षेत्रीय एआइ उत्कृष्टता केंद्र (जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर) स्थापित करने के लिए पर्याप्त आवंटन, जैसा कि केंद्र सरकार के इण्डिया एआइ मिशन में भी प्रस्तावित है (जिसके लिए 10,372 करोड़ से अधिक आवंटित किए गए हैं)।

फोकस क्षेत्र: इन केंद्रों को राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विशिष्ट क्षेत्रों (जैसे एग्री–एआइ, हेल्थ–एआइ, गवर्नेंस–एआइ) पर केंद्रित होना चाहिए।

2. संकाय अपस्किलिंग और भर्ती:

एआइ संकाय फैलोशिप: इंजीनियरिंग और विज्ञान कॉलेजों के शिक्षकों को एआइ/एमएल में नवीनतम तकनीकों का प्रशिक्षण देने के लिए एआइ संकाय फैलोशिप कार्यक्रम शुरू करने हेतु बजट।

विषय–विशेषज्ञों की भर्ती: एआइ, डेटा साइंस, और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में उद्योग विशेषज्ञों को अल्पकालिक या विजिटिंग फैकल्टी के रूप में नियुक्त करने के लिए आकर्षक वेतन पैकेज का प्रावधान।

3. कौशल आधारित पाठ्यक्रम:

डिजिटल साक्षरता और एआइ प्रमाणन: सभी स्नातक पाठ्यक्रमों (कला, वाणिज्य, विज्ञान) में बुनियादी डिजिटल साक्षरता और एआइ के नैतिक उपयोग पर एक अनिवार्य प्रमाणन पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए पाठ्यक्रम विकास और प्रशिक्षण लागत हेतु बजट।

तीसरा– अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र

ज्ञान सृजन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरणको बढ़ावा देना।

1. अनुसंधान अनुदान :

एआइ मुख्यमंत्री और विज्ञान शोध ग्रांट: राज्य के शोधकर्ताओं को उच्च प्रभाव वाले और सामाजिक रूप से प्रासंगिक शोध के लिए बीज अनुदान प्रदान करने हेतु एक बड़ा और समर्पित राज्य शोध निधि का निर्माण।

थीम–आधारित अनुदान: विशेष रूप से राजस्थान की समस्याओं (जैसे जल प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, मरुस्थलीकरण) को हल करने वाले शोध के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन।

2. नवाचार और स्टार्टअप को प्रोत्साहन:

डीप–टेक इन्क्यूबेशन केंद्र: विज्ञान और एआइ में काम कर रहे स्टार्टअप्स के लिए डीप–टेक इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करने और उन्हें पहले वर्ष में 5 लाख तक का प्रूफ–ऑफ–कॉन्सेप्ट अनुदान देने के लिए बजट।

पेटेंट और बौद्धिक संपदा सहायता: विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स द्वारा फाइल किए गए पेटेंट की लागत (आवेदन शुल्क, कानूनी शुल्क) को कवर करने हेतु शत–प्रतिशत वित्तीय सहायता।

3. सार्वजनिक–निजी भागीदारी:

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व भागीदारी: कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत कंपनियों को अपने सीएसआर फंड का एक हिस्सा विज्ञान और एआइ में शोध एवं विकास पर खर्च करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु नीतिगत और बजटीय प्रोत्साहन देना। इन प्रस्तावों का उद्देश्य राजस्थान को केवल प्रौद्योगिकी का उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि एआइ और विज्ञान के क्षेत्र में एक अग्रणी निर्माता बनाना होना चाहिए।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

राशिफल

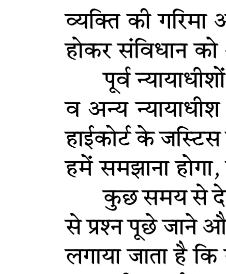

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 19 दिसम्बर, 2025

पौष मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, ज्येष्ठा नक्षत्र रात्रि 10:51 तक, शूल योग दिन 3:47 तक, चतुष्पद करण सायं 6:06 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 10:51 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–धनु, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–वृश्चिक, बुध–वृश्चिक, गुरू–मिथुन, शुक्र–वृश्चिक, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज देव पितृकार्य अमावस्या, वकुला अमावस्या है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:32 तक, लाभ–अमृत 8:32 से 11:06 तक, शुभ 12:24 से 1:41 तक, चर 4:16 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:14, सूर्यास्त 5:33 तक

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ–मांगलिक कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में महत्वपूर्ण–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आज ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी रहेगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। वाद–विवाद टालना ठीक रहेगा।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में परिजनों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा।

धनु
घर–परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण हमारी देश और प्रदेश की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा : भजनलाल शर्मा

हमारे प्रदेश में 'खेजड़ली का बलिदान' पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा उदाहरण : मुख्यमंत्री

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आमजन से आव्हान किया कि पर्यावरण संरक्षण हमारी देश और प्रदेश की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। हम नदियों, पर्वतों, वृक्षों, धरती और सूर्य को पूजते हैं, क्योंकि जीवन की निरंतरता प्रकृति के संरक्षण पर ही निर्भर है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में 'खेजड़ली का बलिदान' पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने आमजन को आव्हान किया कि, पर्यावरण संरक्षण का व्यक्तिगत संकल्प लेते हुए प्रदेश को विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अग्रणी बनाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य मिले। शर्मा गुरूवार को जयपुर में आयोजित हरियालो राजस्थान पर्यावरण कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को हरियालो राजस्थान पर्यावरण कॉन्क्लेव में 'मेरी लाइफ-सस्टेनेबल लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट पोस्टर' का विमोचन किया। इस मौके पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी, अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, प्रदूषण नियंत्रण मंडल अध्यक्ष आलोक गुप्ता समेत कई लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण और जल संकट जैसी गंभीर चुनौतियों को देखते हुए राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाया है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के माध्यम से पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और जलाशयों की स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ा गया है। वहीं, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को जोड़ते हुए 14 हजार से अधिक ग्राउंड वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स का निर्माण करवाया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत दो वर्ष में लगभग 20 करोड़ पौधे लगाए गए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सर्कुलर इकोनॉमी इंसेंटिव स्कीम 2025 लेकर आई है। प्रदेश में ई-वेस्ट, प्लास्टिक वेस्ट और बैटरी वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण के लिए अधिकृत इकाइयां संचालित की जा रही हैं। सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जन-जागरूकता और रिवर्स वेंडिंग मशीनों के माध्यम से प्लास्टिक संग्रह को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया जा रहा है।

हम प्रदेश को ग्रीन इनोवेशन हब के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि क्लीन और ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में राजस्थान तेजी से बढ़ रहा है। आज हमारा प्रदेश 22 हजार 860 मेगावाट की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता के साथ देश में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत 2 हजार 272 मेगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सौर ऊर्जा शक्ति का ही परिणाम है कि आज राजस्थान के 22 जिलों के किसानों को दिन के समय में ही बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। इससे कोयला आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भरता घट रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 2 वर्ष के कार्यकाल में बिजली और पानी की उपलब्धता और महिला, युवा, किसान और मजदूर के कल्याण के लिए एक रोडमैप बनाया हैं। राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही बांध, सोम-कमला-अम्बा सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से पानी की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 'मेरी लाइफ-सस्टेनेबल लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट पोस्टर' का विमोचन किया। कॉन्क्लेव में राज्य सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों को लेकर लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने यहां प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन आनंद कुमार, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष आलोक गुप्ता और सदस्य सचिव कपिल चंद्रवाल सहित बड़ी संख्या में पर्यावरणविद्, विशेषज्ञ एवं उद्योगजगत के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

1993 के सीरियल ट्रेन ब्लास्ट के अभियुक्तों की समय पूर्व रिहाई से हाईकोर्ट का इनकार

-कार्यालय संवाददाता-

- मुंबई सहित छह राज्यों में वर्ष 1993 में हुआ था सीरियल ट्रेन बम ब्लास्ट

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने साल 1993 में मुंबई सहित छह राज्यों में हुए सीरियल ट्रेन बम ब्लास्ट मामले में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे अभियुक्तों को समय पूर्व रिहा करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश अशफाक खान, एफआर सूफी, एआर अंसारी, मोहम्मद एजाज अकबर, मोहम्मद अमीन, मोहम्मद शमसुद्दीन और मोहम्मद अफाक की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया है।

अदालत ने कहा कि अभियुक्त टाडा के तहत अपराध में आजीवन कारावास की सजा के दोषी है। ऐसे में उन्हें समय से पूर्व रिहा नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि न्यायिक समीक्षा के अधिकार के तहत हाईकोर्ट अपीलीय अदालत की तरह तथ्यों का पुनर्मूल्यांकन कर दखल नहीं दे सकता, जब तक की प्रशासनिक निर्णय मनमाना और कानून के विपरीत ना हो। खंडपीठ ने कहा कि आतंकवादी गतिविधियां अत्यंत जघन्य अपराध हैं। आतंकवाद जैसे गंभीर अपराध में दोषी अभियुक्तों की रिहाई ना केवल समाज के लिए खतरा है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर जोखिम पैदा करेगा।

याचिकाओं में कहा गया कि दिसंबर, 1993 में हुए सीरियल ट्रेन बम ब्लास्ट मामले में उन्हें दोषी मानते हुए अजमेर की विशेष टाडा कोर्ट ने 28 फरवरी, 2024 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस आदेश की अपील भी सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई, 2016 को खारिज कर दी थी। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता बीस साल की अवधि से अधिक समय से जेल में बंद है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 4 मई, 2011 को पत्र जारी कर कहा था कि आतंकवादी अपराधों को एक अलग श्रेणी में रखा जाए और सजा कम करने पर विचार से पहले अभियुक्त को कम से कम बीस साल की सजा भुगतनी जरूरी है। याचिका में हा गया कि याचिकाकर्ता बीस साल की अवधि से अधिक समय जेल में भुगत चुके हैं। ऐसे में उन्होंने समय पूर्व रिहाई के लिए गृह मंत्रालय में अभ्यावेदन दिया था, लेकिन उसे दिसंबर, 2022 और मार्च, 2024 को खारिज कर दिया गया। ऐसे में गृह मंत्रालय के आदेश को रद्द कर उन्हें समय पूर्व रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए केन्द्र सरकार के एएसजी भरत व्यास ने कहा कि जिन आरोपियों को टाडा के तहत सजा दी जाती है, उनकी सजा को कम करने पर प्रतिबंध है। ऐसे में याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया।

रत्न एवं आभूषण के महाकुंभ "जयपुर ज्वैलरी शो" का आज होगा शुभारंभ

जयपुर (कासं)। रत्न एवं आभूषण के महाकुंभ "जयपुर ज्वलैरी शो" इस वर्ष कलर्ड जेमस्टोन्स थीम के साथ जयपुर के सीतापुरा स्थित नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर में 19 से 22 दिसंबर तक होगा। शो का उद्‌घाटन शुक्रवार प्रातः मुख्य अतिथि जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका, इंक. (जीआईए) के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रीतेश पटेल करेंगे।

जेजेएस मानद सचिव राजीव जैन ने बताया कि जेजेएस वर्ष 2025 में 1227 बूथ्स और 660 एग्जीबिटर्स के साथ अब तक का सबसे बड़ा और विशाल शो होगा। इन बूथ्स में 624 गोल्ड ज्वैलरी, 314 लूज जेमस्टोन्स, 74 सिल्वर ज्वैलरी की होंगी, जबकि 74 एलाइड मशीनरी के बूथ्स होंगे। जेजेएस में इस वर्ष भी ज्वैलरी सैक्शन में लगभग 66 प्रतिशत डिजाइनर बूथ्स हैं, जो जेजेएस को न केवल खूबसूरत बनाएंगे, बल्कि विजिटर्स को नयेपन का एहसास होगा। इसके अतिरिक्त, बी2बी ग्राहकों के लिए जेजेएस के मुख्य आकर्षण पिंक क्लब में 74 प्री-फैब्रिकेटेड बूथ्स हैं, जिसमें 44 ज्वैलरी और 30 जेमस्टोन्स के बूथ्स होंगे। वहीं, डिजाइनरों को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए, जयपुर ज्वैलरी शो इस वर्ष 8वें जयपुर ज्वैलरी डिजाइन फेस्टिवल (जेजेडीएफ) की मेजबानी कर रहा है, जिसके अंतर्गत 67 बूथ्स होंगे। जेजेएस वाईस चेयरमैन, दिनेश खटोरिया ने बताया कि केवल 67 बूथों के साथ एक छोटी-सी शुरुआत करने वाला जयपुर ज्वैलरी शो आज अपने 23 वर्षों के गौरवपूर्ण सफर में नई ऊंचाइयों को छू चुका है। इस वर्ष मिस यूनिवर्स इंडिया 2023 श्वेता शारदा जयपुर ज्वैलरी शो की ब्रांड एम्बेसेडर हैं। खटोरिया के अनुसार जेजेएस में ना केवल पुराने एग्जीबिटर्स लगातार जुड़े हुए हैं, बल्कि नए एग्जीबिटर्स ने भी इस ब्रान्ड में भाग लेने में गहरी रुचि दिखाई। जेजेएस-2025 में नए एक्जीबीटर्स के साथ- साथ ही कई राष्ट्रीय ब्रांड भी हिस्सा लेंगे। वहीं, शो में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एग्जीबिटर्स भी हिस्सा ले रहे हैं। जिसमें बैंकॉक से बूथ होगी । इसके अतिरिक्त, जयपुर सहित मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, बैंगलोर, हैदराबाद और अहमदाबाद से भी एग्जिबिटर्स शामिल हैं। इस वर्ष 8000 से अधिक ट्रेड विजिटर्स के शामिल होने की भी उम्मीद है। जेजेएस प्रवक्ता अजय काला ने बताया कि 'दिसम्बर शो' के रूप में लोकप्रिय जेजेएस लगभग 50 हजार देशी एवं विदेशी विजिटर्स के साथ देश का एक महत्वपूर्ण आयोजन बन चुका है।

देवनानी से हरियाणा के पूर्व मंत्री धनखड की मुलाकात

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से गुरुवार को राजकीय आवास पर हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान देवनानी ने धनखड़ का पारंपरिक रूप से दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया तथा उन्हें राजस्थान विधानसभा का स्मृति-चिह्न एवं पुस्तक ऑपरेशन सिंदूर भेंट कर सम्मानित किया। दोनों ने समसामयिक राजनीतिक विषयों, लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं तथा राष्ट्र निर्माण में विधायिका की भूमिका पर चर्चा की। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से यहां विधान सभा में संस्कृति चिल्ड्रन्स एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने मुलाकात की। देवनानी ने बच्चों से कहा कि पढो लिखो, मेहनत करो और निरन्तर आगे बढ़ते रहो। देवनानी ने बच्चों से उनकी पढाई और परिवार के बारे में पूछा। छात्र-छात्राओं ने राजस्थान विधान सभा सभा का राजनैतिक आख्यान संग्रहालय भवन और सदन देखा। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को संस्कृति चिल्ड्रन्स एकडेमी के बच्चों ने अपने हाथों से बनाये उपहार भेंट किये।

गोगामेडी हत्याकांड में आरोपियों को चार्ज सुनाए

जयपुर । एनआईए मामलों की विशेष अदालत ने प्रदेश के चर्चित सुखदेव सिंह गोगामेडी हत्याकांड मामले में आरोपी रोहित राठौड, नितिन फौजी, पूजा सैनी, अशोक कुमार, भवानी सिंह, उत्तम सिंह, राहुल और रामबीर को आईपीसी, आम्र्स एक्ट और विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में चार्ज सुनाए हैं। एनआईए के अधिवक्ता स्नेहदीप ने बताया कि आरोपियों ने आरोपों से इनकार करते हुए मामले की ट्रायल चाही। इस पर अदालत ने अभियोजन पक्ष को अपने गवाह पेश करने को कहा है। गौरतलब है कि श्याम नगर थाना इलाके में 5 दिसंबर, 2023 को राजपूत करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेडी से मिलने के बहाने हमलावर उनके घर में घुसे थे। कुछ देर की बातचीत के बाद आरोपियों ने गोगामेडी पर गोलियां चलाई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं गोलीबारी के बीच वहां मौजूद नवीन शेखावत की भी मौत हुई थी। यह संपूर्ण घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई थी।

मामले में पुलिस ने शूटर नितिन फौजी और रोहित राठौड सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जबकि प्रकरण में कुछ अन्य आरोपी फरार चल रहे हैं। मामले की जांच शुरुआत में पुलिस ने की थी, लेकिन बाद में गृह मंत्रालय के आदेश से एनआईए ने 11 दिसंबर को मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था।

झुन्झुनू से चिड़ावा-पचेरी हरियाणा बॉर्डर तक फोरलेन सड़क बनेगी

- 2203 करोड़ की लागत से 78 कि.मी. हाईवे बनेगा फोरलेन, प्रोजेक्ट में 42 ब्रिज बनेंगे
- प्रदेश के आर्थिक विकास को नई दिशा और गति मिलेगी : उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

जयपुर (कासं)। झुन्झुनू-चिड़ावा-सिंघाना-पचेरी (हरियाणा बॉर्डर सीमा) तक 4 लेन सड़क का निर्माण करवाया जाएगा। भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 78.180 कि.मी. फोरलेन सड़क (एनएच 11)निर्माण के लिए 2202.67 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है ।

इस परियोजना में झुन्झुनू बीड़, बगङ, खुडाना, सिंघाना, पचेरी कलां आदि में 4 लेन बाईपास सड़क निर्माण कार्य एवं चिडावा में पिलानी सड़क से लाखू तिराहा एवं लाखू तिराहा से ओजटू तिराहा तक 4 लेन रिंग रोड का निर्माण करवाया जायेगा। इस परियोजना में बाईपास सड़क की कुल लम्बाई 41.660 कि.मी. तथा एग्जिस्टिंग रोड की कुल लम्बाई 36.520 किमी में 4 लेन सड़क बनायी जायेगी। उक्त परियोजना में कुल 42 ब्रिज बनाये जाएंगे। वर्तमान में भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पक्रियाधीन है।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि इस फोरलेन हाइवे के निर्माण से द्रुत एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। इससे क्षेत्र एवं प्रदेश के विकास को नई दिशा एवं गति मिलेगी, औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और रोज़गार के नए अवसर पैदा होंगे । ग्रामीण क्षेत्रों की उपजों की बड़े बाजारों तक पहुँच आसान होगी जिससे किसनों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा है की मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में मजबूत आधारभूत ढाँचा स्थापित किया जा रहा है , जो प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मेट्रो लाइन के साथ 5 प्रमुख मार्ग ट्रांजिट-ओरिएंटेड डवलपमेंट कॉरिडोर घोषित

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण ने राजधानी जयपुर में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने और सुनियोजित शहरी विकास के लिए बड़ा कदम उठाया है। आयुक्त आनंदी ने बताया कि प्राधिकरण ने मेट्रो लाइन के साथ स्थित पांच प्रमुख मार्गों को ट्रांजिट-ओरिएंटेड डवलपमेंट कॉरिडोर घोषित किया है।इनमें वीर तेजाजी सर्कल से पंडित टी.एन. मिश्रा मार्ग जंक्शन (1.4 कि.मी.), पंडित टी.एन. मिश्रा मार्ग जंक्शन से भारत आश्रम मार्ग जंक्शन (1.5 कि.मी.), भारत आश्रम मार्ग जंक्शन से जनपथ मार्ग जंक्शन (1.1 कि.मी.), जनपथ मार्ग जंक्शन से ईएसआई रोड जंक्शन (1.6 कि.मी.) और ईएसआई रोड जंक्शन से टोंक रोड जंक्शन (1.3 कि.मी.) को शामिल किया गया है।

इंजीनियर्स की भूमिका सिर्फ निर्माण तक सीमित नहीं : यूडीएच मंत्री

- हाऊसिंग बोर्ड में नवनियुक्त 100 इंजीनियर्स के लिए 2 दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का आयोजन

जयपुर । राजस्थान आवासन मंडल में नव-नियुक्त लगभग 100 से अधिक अभियंताओं को आधुनिक एवं व्यावहारिक अभियांत्रिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन 18-19 दिसम्बर को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में किया जा रहा है। कार्यशाला का शुभारंभ गुरुवार प्रातः 10 बजे नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने किया। कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार के आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के उपक्रम के तकनीकी सहयोग से किया जा रहा है।

नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने गुरूवार को आवासन मंडल के नवनियुक्त इंजीनियर्स की कार्यशाला के उद्‌घाटन सत्र को संबोधित किया।

उद्‌घाटन सत्र में मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि तेजी से बदलते शहरी परिदृश्य में अभियंताओं की भूमिका केवल निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित, टिकाऊ, ऊर्जा-दक्ष एवं किफायती आवास की अवधारणाओं को व्यवहार में उतारना होगा।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम अभियंताओं को नवीन तकनीकों से जोड़ने के साथ-साथ परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होंगे। राजस्थान सरकार द्वारा आवासन मण्डल के माध्यम से विभिन्न आए वर्ग के लिए आवास प्रदान के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर राजस्थान आवासन मंडल के अध्यक्ष, प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास विभाग देवाशीष पृष्ठी तथा आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रशिक्षण को संगठनात्मक क्षमता निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों द्वारा आधुनिक भवन निर्माण सामग्री, नवीन निर्माण तकनीक, लागत प्रभावी समाधान एवं पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिससे अभियंताओं को राष्ट्रीय स्तर की सर्वोत्तम तकनीकी जानकारी प्राप्त होगी।

दस करोड़ की फिरौती मांगने वाले चार बदमाश गिरफ्तार, प्रॉपर्टी कारोबारी को छुड़ाया

गत 12 दिसंबर को प्रॉपर्टी कारोबारी कैलाश विजयवर्गीय का कार सवार बदमाशों ने अपहरण कर लिया था

कोटपूतली पुलिस ने अपहृत प्रॉपर्टी कारोबारी को मुक्त करा चार बदमाशों को गिरफ्तार किया।

- बदमाशों ने कारोबारी को फंसाने के लिए जबरन महिला के साथ अश्लील वीडियो बना लिए थे
- वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर 10 करोड़ की फिरौती मांगी और 10 दिन का समय दिया था

जयपुर/कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली पुलिस ने अपराधियों के विरुद्ध अब तक की सबसे प्रभावी कार्रवाईयों में से एक को अंजाम दिया है। पुलिस ने न केवल दस करोड़ रुपये की फिरौती के लिए अपहृत किए गए प्रॉपर्टी कारोबारी को सुरक्षित मुक्त कराया, बल्कि सनसनीखेज हनीट्रैप की साजिश रचने वाले चार इनामी बदमाशों को भी गिरफ्तार कर लिया।

एसपी कोटपूतली बहरोड़ देवेन्द्र कुमार विश्नोई ने बताया कि घटना गत 12 दिसंबर की सुबह की है। आदर्श नगर निवासी 65 वर्षीय प्रॉपर्टी कारोबारी कैलाश विजयवर्गीय जब डाबला रोड स्थित शिव मंदिर में पूजा कर बाहर निकले, तभी सफेद रंग की कार सवार बदमाशों ने उनका अपहरण कर लिया। बदमाश उन्हें हथियार की नोक पर सुनसान रास्तों से होते हुए सुंदरपुरा के पास एक खंडहर (तिबारा) में ले गए। इस वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी।

बदमाशों ने कारोबारी को फंसाने के लिए पहले से ही जाल बिछा रखा था। इन्होंने एक महिला साथी को पहले से ही उस खंडहर में बुला रखा था। वहां कारोबारी के साथ मारपीट की गई, हवाई फायर कर उन्हें डराया गया और फिर जबरन महिला के साथ उनके अश्लील वीडियो बना लिए गए। इन वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर बदमाशों ने 10 करोड़ रुपये की मोटी फिरौती मांगी और 10 दिन का समय दिया।

जैसे ही पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई को सूचना मिली तो उन्होंने तुरंत विशेष टीमों का गठन किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली और वृत्ताधिकारी राजेन्द्र कुमार बुरड़क के सुपरविजन में पुलिस ने पूरे जिले की घेराबंदी कर दी। पुलिस की मौजूदगी और तकनीकी सर्विलांस के बढ़ते दबाव को देख आरोपी घबरा गए। पकड़े जाने के डर से बदमाशों ने कारोबारी को बोपिया स्टैंड के पास छोड़ दिया और फरार हो गए।

पुलिस ने मुखबिरों और तकनीकी सहायता से आरोपियों का पीछा जारी रखा। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने विकास उर्फ विक्का गुर्जर (25) निवासी कोटपूतली, संदीप उर्फ धोलाराम गुर्जर (25) निवासी कोटपूतली, कृष्ण गुर्जर (23) निवासी प्रागपुरा और शेर सिंह राजपूत (23) निवासी सरुण्ड को अलग-अलग ठिकानों से गिरफ्तार कर लिया। इन चारों आरोपियों पर पुलिस ने पहले से ही 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। फिलहाल पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि इस गिरोह के अन्य नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके।

रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की चूरू टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए पटवार मण्डल झांसल तहसील भादरा जिला हनुमानगढ़ के राजस्व पटवारी चरण सिंह को चार हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत परिवादी से उसके, उसकी बहनों द्वारा अपनी कृषि भूमि को भाई व पिताजी के नाम हक त्याग करने पर नामान्तरण दर्ज करने की एवज में मांगी गई थी। (एसीबी) पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी की चूरू टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके स्वयं, उसके भाई व पिता के नाम कृषि भूमि का नामान्तरकरण दर्ज करने की एवज में झांसल पटवारी चरण सिंह रिश्वत की मांग कर रहा है। जिस पर एसीबी चूरू के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीर प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन कराकर पटवारी चरण सिंह को चार हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

मोमासर में सोलर प्लांट लगाने के लिए खेत में खेजड़ी के 30 पेड़ काटे

- मौके पर 16 पेड़ ही कटे हुए मिले, शेष 14 पेड़ ट्रैक्टरों और पिकअप गाड़ियों में लाद कर लोग फरार हो गए
- सोलर प्लांट के लिए खेजड़ी के पेड़ काटने की एक महीने में यह तीसरी घटना है

बीकानेर, (निसं)। श्रीडूंगरगढ़ तहसील के मोमासर गांव में सोलर प्लांट लगाने के लिए एक खेत में खेजड़ी के 30 पेड़ काट डाले गए। इनमें से मौके पर 16 पेड़ ही कटे हुए मिले। शेष 14 पेड़ ट्रैक्टरों और पिकअप गाड़ियों में लाद कर लोग फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार मोमासर गांव में प्रिंजल रिन्युएबल एनर्जी एलएलपी कंपनी ने करीब 50 मेगावाट का सोलर प्लांट लगाने के लिए लगभग 150 बीघा जमीन किसानों से लीज पर ली है। खसरा नंबर 2643/1298 रविंद्र कुमार का है, जहां रात में खेजड़ी के पेड़ों पर आरी चलाई गई। एक ही खेत में 30 पेड़ काटने की खबर है। आरा मशीनें चलने की आवाज पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो पेड़ काटने वाले लोग भाग गए।

पर्यावरण प्रेमी बीरबलराम पूनिया ने बताया कि मौके पर 16 पेड़ कटे हुए पड़े थे, जबकि 14 पेड़ों के ठूंठ मिले हैं। यह पेड़ आरोपी गाड़ियों में भरकर ले गए। पेड़ काटने की सूचना मिलने पर जीव रक्षा सभा के अध्यक्ष मोखराम बिश्नोई ने रात को करीब 9.30 बजे कलेक्टर कंट्रोल रूम पर दी, लेकिन वन विभाग की टीम ही मौके पर पहुंची। राजस्व विभाग से गिरदावर और पटवारी दोपहर बाद घटना स्थल पर गए। फर्द रिपोर्ट तैयार कर तहसीलदार को सौंप दी।

पटवारी जयप्रकाश मीणा ने बताया कि खेत मालिक को पेड़ नहीं काटने के लिए पाबंद किया गया है। उन्होंने बताया कि एक सोलर कंपनी ने यहां करीब 150 बीघा जमीन लीज पर ली है, जिसकी कार्यवाही चल रही है।

सोलर प्लांट के लिए खेजड़ी के पेड़ काटने की एक महीने में यह तीसरी घटना है। पिछले महीने 20 नवंबर को करणीसर भाटियान में 179 पेड़ काटे गए थे। उसके बाद हाल ही में रामसर गांव में करीब 50 पेड़ कटे थे। काश्तकारी अधिनियम के तहत पेड़ काटने पर अब जुर्माना काफी बढ़ गया है, जो पहले 100 रुपए प्रति पेड़ था, अब इसे बढ़ाकर 10 गुना 1000 रुपए प्रति पेड़ पहली बार में कर दिया गया है। दूसरी बार में काटने पर 2000 रुपए प्रति पेड़ जुर्माना वसूला जाएगा। खेजड़ी जैसे महत्वपूर्ण पेड़ों की कटाई को देखते हुए पर्यावरण प्रेमियों की मांग पर सरकार ने जुर्माना राशि बढ़ाई है।

उपखंड अधिकारी का कहना है कि कानून में संशोधन बिल विधानसभा में पेश होगा। मंजूरी के बाद इसे लागू किया जाएगा। तब तक जुर्माना पुराने कानून के अनुसार ही वसूला जाएगा।

वाहन चोर गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की झंवर पुलिस ने राजीव गांधी नगर थाने के वाहन चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सूचना पर नाकाबंदी में कार सहित आरोपी को पकड़ा। आरोपी के खिलाफ चोरी, नकबजनी सहित विभिन्न धाराओं में अब तक 19 प्रकरण सामने आए है। जिस कार में पकड़ा गया उसकी भी अब जांच की जा रही है। कार चोरी की होने का भी अंदेशा बना है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है।

पुलिस की टीम ने बाड़मेर जिले के शिव स्थित कोटड़ा निवासी ओंकारसिंह पुत्र तनसिंह के जोधपुर के झंवर में परिहारों की ढाणी से राबड़िया आने की जानकारी मिली। वह कार में था। इस पर पुलिस ने राबड़िया-धवा में नाकाबंदी की और उसे कार सहित पकड़ा। आरोपी ओंकार सिंह के खिलाफ जोधपुर संभाग के जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा, जोधपुर कमिश्नरेट पश्चिम सहित आदि जिलों में कई प्रकरण दर्ज है। कुल 19 प्रकरणों का पता लगा है।

आंगनबाड़ी में नौकरी दिलाने के नाम पर रिश्वत मांगी

- आरोपी सीडीपीईओ अधिकारी ने 20 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर भी करा लिए
- जब पीड़िता की जगह किसी और का चयन होने पर रिश्वतखोरी का मामला सामने आ गया, कलेक्टर को ज्ञापन दिया

भीलवाड़ा, (निसं)। आंगनबाड़ी में नौकरी दिलाने के नाम पर 50 हजार रुपए रिश्वत की मांग करने का मामला सामने आया है। हैरान करने वाली बात यह है कि आरोपी सीडीपीईओ अधिकारी ने 20 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर भी करा लिए, लेकिन जब पीड़िता की जगह किसी और का चयन होने पर रिश्वतखोरी का पूरा मामला सामने आ गया है। इसमें पीड़िता ने महिला एवं बाल विकास विभाग के मुख्यालय में सबूत भी सौंप दिए है। रिश्वतखोर सीडीपीईओ के खिलाफ कमेटी का गठन भी उपनिदेशक ने कर दिया है। यह मामला जहाजपुर से सामने आया है।

पीड़िता प्रमिला कुमारी मीणा ने बताया कि ग्राम चतुर्भुजपुरा व बेई में नई आंगनबाड़ी स्वीकृत होने पर सहायिका और कार्यकर्ता के पद पर नियुक्ति निकली थी। इसके लिए उसने आवेदन किया था। वह बीए, बीएड, एमए कर चुकी हैं। सीडीपीईओ कुशाल सिंह राणावत ने उससे 50 हजार रुपए की मांग की। कुशाल सिंह ने एक फोन-पे नंबर दिया जिस पर प्रमिला के भाई ने 20 हजार रुपए ट्रांसफर किए। हाल ही में उन्हें पता लगा कि कुशाल सिंह ने प्रमिला से कम योग्यताधारी को लगा दिया। जब कुशाल सिंह से पैसे वापस मांगे तो उसने आनाकानी की। प्रमिला और उसका भाई जिला मुख्यालय पहुंचे और यहां कलेक्टर को ज्ञापन देने के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग पहुंचकर उपनिदेशक राजकुमारी खोरवाल को शिकायत की। खोरवाल ने सबूतों को गंभीरता से लेते हुए कमेटी का गठन किया। कमेटी की जांच रिपोर्ट के बाद अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

उदयपुर में आबादी वाले इलाके में लेपर्ड घुसा

- वन विभाग की टीम ने लेपर्ड को किया ट्रेंकुलाइज

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में गुरुवार सुबह आबादी वाले इलाके में लेपर्ड घुसने से अफरातफरी मच गई। भूपालपुरा क्षेत्र की कृष्णपुरा कॉलोनी में लेपर्ड कूदकर एक घर में गया, फिर छलांग लगाकर बाहर आ गया और सामने वाले घर में चला गया। लेपर्ड ने तीन बार अपनी लोकेशन बदली। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मशक्कत के बाद लेपर्ड को ट्रेंकुलाइज कर सज्जनगढ़ अभयारण्य ले गई। लेपर्ड के मूवमेंट की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सुबह 5 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक करीब साढ़े आठ घंटे कॉलोनीवासी दहशत के साए में रहे। कृष्णपुरा निवासी आशा कंवर ने बताया कि सुबह करीब 10.30 बजे वह घर के बाहर झाडू लगा रही थीं तभी लेपर्ड अचानक छलांग लगाकर सामने आ गया। वह कुछ ही फीट की दूरी पर था। डर के मारे वह तुरंत कमरे में घुस गई, जिसके बाद लेपर्ड दीवार फांदकर सामने वाले घर में चला गया। मकान में रहने वाले किरायेदार भूपेंद्र ने बताया कि घर में रहने वाली महिला से लेपर्ड की सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस और वन विभाग को खबर दी गई थी।

शूटर दिग्विजय सिंह ने बताया कि लेपर्ड का मूवमेंट घर में आगे बढ़ने के लिए वन विभाग की टीम पटाखे लाई थी। ताकि लेपर्ड घर के हॉल से थोड़ा आगे आ जाए तभी उसे ट्रेंकुलाइज किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि ये ऑपरेशन किटकिला ही होते हैं। लेपर्ड को चंद्रिका राठौड़ के मकान से दोपहर करीब डेढ़ बजे ट्रेंकुलाइज किया गया। वह खुद बांसवाड़ा में रहती हैं। मकान में किराएदार रहते हैं। किराएदार भूपेंद्र ने बताया कि पास में रहने वाली आंटी से लेपर्ड आने की जानकारी मिली थी। इसके बाद वन विभाग और पुलिस को सूचना दी गई थी। लेपर्ड को 15 मिनट इंतजार के बाद वन विभाग की टीम पकड़कर बाहर लेकर आई। इसके बाद पिंजरे में कैद कर सज्जनगढ़ रवाना हो गई।

कुएं में वृद्धा का शव मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। आसींद क्षेत्र के रेबारी की ढाणी में गुरुवार सुबह एक कुएं से 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान केमा पत्नी धर्मा रेबारी के रूप में हुई है, जो मंगलवार शाम से लापता थी। परिजनों ने बताया कि मंगलवार को वह खेत पर गेहूं की पिलाई करने गई थी, लेकिन शाम तक घर नहीं लौटी। उसके बाद से परिजन उसकी तलाश में लगे थे। परिजनों के अनुसार, केमा दोपहर में खेत पहुंची थी और गेहूं की फसल में पानी की पिलाई कर रही थी। शाम ढलते ही वह गायब हो गई। पूरे इलाके में तलाशी ली गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। गुरुवार सुबह खेत पर काम करने पहुंचे स्थानीय किसानों ने अपने खेत के कुएं में एक महिला का शव तैरता देखा। उन्होंने तत्काल आसपास के लोगों और मृतका के परिजनों को सूचना दी।खेत पर कार्यरत अन्य किसानों ने बताया कि मंगलवार को ही कुएं की मोटर बंद की गई थी। उसके बाद से महिला का कोई पता नहीं चला। संदेह है कि पिलाई के दौरान वह कुएं में गिर गई होगी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में किसी हत्या का कोई सबूत नहीं मिला है। घटना स्थल पर पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि कुआं गहरा है और आसपास जंगली इलाका होने से दुर्घटना संभव है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार छात्र की मौत, दूसरा घायल

अजमेर, (निसं)। माखुपुरा आईटीआई के सामने अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को 108 एम्बुलेंस से जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने बड़गांव निवासी 18 वर्षीय जय जांगिड़ को मृत घोषित कर दिया। वहीं चंदवरदाई नगर निवासी 18 वर्षीय नीव शर्मा का गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका इलाज जारी है।

पूर्व सरपंच घनश्याम जांगिड़ने बताया कि मृतक जय जांगिड़अपने दोस्त के घर चंद्रीदय निवासी शर्मा के पास गया हुआ था। दोनों युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे थे। इसी बीच अज्ञात वाहन की चपेट में आने से हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने मृतक के परिजन की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक सूचना मिलने पर हैड कांस्टेबल जगराम मय जाब्ता मौके पर पहुंचे। घायल युवकों को एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान और दुर्घटना के कारणों की पड़ताल में जुटी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने और प्रत्यक्षदर्शियों से जानकारी जुटाने की कवायद की जा रही है।

घायल नीव शर्मा के पिता मदन मोहन शर्मा ने बताया कि वह रोडवेज में ड्राइवर हैं। 31 दिसंबर को उनका रिटायरमेंट होने वाला है। इसे लेकर कार्यक्रम भी होने वाला था, जिसकी तैयारियां चल रही थीं। वह कार्ड का वितरण कर रहे थे। तभी रात 12 बजे पुलिस की ओर से उन्हें एक्सीडेंट की सूचना दी गई। बेटा उसके दोस्त जय को छोड़ने घर जा रहा था। इसी दौरान यह हादसा हुआ था। मदन मोहन शर्मा ने बताया कि पूर्व में एक साल पहले उनके बड़े बेटे की बीमारी के चलते मौत हो गई थी।

प्रवासी पक्षी तिलोर (मैक्वीन बस्टर्ड) की करंट से मौत

- अत्यंत संवेदनशील प्रजाति का तिलोर पक्षी विलुप्त होने के कगार पर है
- मृत पक्षी के पैर पर अबू धाबी का टैग लगा था

जैसलमेर। जैसलमेर जिले के लाठी क्षेत्र से एक चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां प्रवासी पक्षी तिलोर (मैक्वीन बस्टर्ड) की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पक्षी की मौत हाईटेंशन विद्युत तार की चपेट में आने से हुई है। मृत पक्षी के दाहिने पैर में विदेशी टैग लगा हुआ पाया गया है, जिस पर अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात अंकित है। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह तिलोर पक्षी विदेश से प्रवास कर जैसलमेर क्षेत्र में पहुंचा था।

घटना की सूचना मिलते ही धर्मेंद्र पूनिया सहित अन्य वन्यजीव प्रेमी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। वन्यजीव प्रेमियों ने मामले की सूचना छायण वन विभाग को दी, जिसके बाद विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू हुई। उल्लेखनीय है कि तिलोर पक्षी विलुप्त होने की कगार पर है और इसे अत्यंत संवेदनशील प्रजाति माना जाता है।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में लैब उपकरण क्रय हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन GSU2526GLOB00051 हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/16033 वित्त नियंत्रक

कार्यालय नगर निगम पाली (राज.)

(लालबहादुर शास्त्री टाऊन हॉल, सुरजपोल के पास, पाली, पिनकोड–306401)
टेली–फैक्स:– 02932–221301 ई–मेल :– cmcpali@yahoo.co.in

क्रमांक : प.19( )गैराज/2025/379 दिनांक : 17.12.2025

:: ई–निविदा सूचना संख्या ...../2025–26

नगर निगम, पाली की ओर से पाली नगर निगम एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो वेबपोर्टल www.sppp.raj.gov.in, www.eproc.rajastha.gov.in पर निम्नलिखित UBN नम्बर अनुसार डाउनलोड कर देखी जा सकती है।

1. UBN नम्बर DLB2526GLRC27531

राज.संवाद/सी/25/16080 आयुक्त नगर निगम, पाली

Office of the Superintendent Engineering and Project Manager WCDC, Karauli

File No. :- Date :- 17/12/2025

Notice inviting Bid

NIB No 31 & 32/ 2025-26 YEAR 2025

Bids for Talab, Talai, ECD, Mpt, Farm Pond & RTWHS of estimated value INR 80.31 Lacs (64.80 + 15.51), 3.42 Lacs are invited from interested bidders up to 06:00 PM, 26/12/2025 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state and department website (https://water.rajasthan.gov.in/wdsc).

UBN No.: WSC2526WSRC02059, WSC2526WSRC02060, WSC2526WSRC02061

Superitending Engineer and Project Manger WCDC Zila Parishad Karauli

Raj.Samwad/C/25/16061

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DISTT DN KOTA

क्रमांक-1433 दिनांक-10.12.25

Notice Inviting Bid

(NIT N o. 26/2025-26)

Bids for 5 no work at Kota are Invitied from interested bidders upto 06.00 PM of 29.12.2025 (Monday). Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rj.nic.in) of the Rajathan State. The approximate value of the procurement is Rs. 181.10 Lacs.
UBN No.- 1. PWD2526WSOB18700, 2. PWD2526WSOB18701, 3. PWD2526WSOB18702, 4. PWD2526WSOB18703, 5. PWD2526WSOB18704

(अशोक कुमार महावर) अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. जिला खण्ड कोटा, मो.नं. 98291-28359

DIPR/C/18495/2024

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांक:विज्ञापन सं.13/Exam/Protection Officer/RPSC/EP-1/2025-26 दिनांक: 18.12.2025

आयोग द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए राजस्थान महिला अधिकारिता (राज्य एवं अधीनस्थ) सेवा नियम, 2017 के अन्तर्गत संरक्षण अधिकारी (Protection Officer) के कुल 12 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। शैक्षिणक योग्यता, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदो हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार हैं :-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2027 को न्यूनतम 18 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक 24.12.2025 से दिनांक 22.01.2026 रात्रि 12-00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध मे यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य विन्दु व सूचना:- परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन एवं संबंधित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/ सूचना / स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं. 0145-2635212 एवं 2635200 पर सम्पर्क किया जा सकता हैं। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/18798/2024 (रामनिवास मेहता) सचिव

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, कृषि परिसर (आत्मा) खोजागेट, बून्दी

Email Id- SEWDSC.BUNDI@RAJASTHAN.GOV.IN

ई-निविदा सूचना संख्या 18/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बून्दी मे प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना 2.0 / मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान योजना 2.0 फेज 2 अन्तर्गत विभागीय मद / राज्य मद में अन्तर्गत राजस्थान उपापन मे पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 के प्रावधान अनुसार निविदा की जानी है। जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। कार्यो का विस्तृत विवरण "https://sppp.rajasthan.gov.in", "https://eproc.rajasthan.gov.in", वेबसाईट पर देखी जा सकता है।

SPPP-NIB NO.	SPPP-BID NO./UBN No.
WSC2526A1151	WSC2526WSOB02039
	WSC2526WSOB02040

(जसराम मातोरिया) अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक, वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, जिला परिषद, बून्दी

DIPR/C/18730/2024

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण पंचायत समिति देवगढ़

क्रमांक : **ई-निविदा सूचना (8-14/2025-26)** दिनांक:

(NIB Code: WSC2526A1148)

राजस्थान राज्यपाल महोदय की ओर से एमजेएसए 2.0 द्वितीय चरण, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0, मुख्य मंत्री जल स्वावलम्बन अभियान द्वितीय चरण जिला राजसमन्द के एवं तहत जिले की पंचायत समितियों में संचालित परियोजनाओं में कुल 07 पेकेजों में वर्णित कार्यो का डिफेक्ट लाईबिलीटी अवधि सहित उपयुक्त श्रेणी के राजस्थान / केन्द्र सरकार के विभागो/अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों से eproc.rajasthan.gov.in पर राशि रू. 23.86, 30.74, 13.75, 54.29, 25.55, 59.93 एवं 48.53 लाख के सम्पादन कराने के लिये दिनांक 11.12.2025 को प्रातः 4.00 बजे से 22.12.2025 को प्रातः 09:00 बजे तक ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन ई-निविदाए आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण एवं शर्ते उक्त पोर्टल एवं sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर UBN:WSC2526WSOB02030,WSC2526WSOB02031, WSC2526WSOB02032, WSC2526WSOB02033, WSC2526WSOB02034, WSC2526WSOB02035, WSC2526WSOB02036 देख सकते है।

अधिशाषी अभियन्ता जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण पंचायत समिति देवगढ़

DIPR/C/18563/2024

कार्यालय भरतपुर विकास प्राधिकरण,भरतपुर

क्रमांक :– स्टोर/2025/19425702 **ऑक्शन** दिनांक :– 17.12.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण, भरतपुर द्वारा निर्मित विश्वप्रिय शास्त्री चौपाटी की दुकान संख्या 01 से 09 मय चौपाटी एरिया किराये पर दिया जाना है। जिसके लिए उपयुक्त सक्षम श्रेणी की फर्मे ऑक्शन हेतु आमंत्रित की जाती है। उक्त ऑक्शन की पूर्ण जानकारी व शर्ते प्राधिकरण कार्यालय में देखी जा सकती है।

क्र.सं	चौपाटी का नाम	न्यूनतम प्रारम्भिक बोली राशि (प्रति माह)	अमानत राशि
1	विश्वप्रिय शास्त्री पार्क चौपाटी	8000.00रू0	15000.00

लोहागढ घना चौपाटी विश्वप्रिय शास्त्री पार्क भरतपुर व्यावसायिक दुकानें मय ओपन स्पेस अस्थायी रजिस्ट्रेशन/अमानत राशि/दस्तावेज, अपलोड करने की कार्यवाही दिनांक 18.12.2025 बजे ऑनलाईन से दिनांक 24.12.2025 सायं 06:00 बजे तक एवं ऑफलाईन नीलामी दिनांक 26.12.2025 प्रातः 11:00 बजे प्राधिकरण कार्यालय सभागार में आयोजित की जावेगी।

राज.संवाद/सी/25/16036 सचिव

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा जिला–राजसमन्द (राज0)

Email:- np_ntd@yahoo.in Phone:- 02953-233526

क्रमांक/न.पा.नाथ/राजस्व/2025/15650 दिनांक: 17.12.2025

ऑनलाईन नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि नगरपालिका नाथद्वारा द्वारा पालिका क्षेत्र 120 फिट रोड़ के समीप स्थित ग्रेस ऑफ म्यूज़ियम में नवनिर्मित "टेस्ट ऑफ ग्रेस" भवन को (3+2) 05 वर्षीय किराया पद्धति तर्ज पर दिये जाने हेतु भव्य ऑन लाईन निलामी (ई–ऑक्शन) बोली आमंत्रित की जाती हैं। उक्त सूचना अनुसार कोई इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संस्था निम्न सारणी अनुसार निर्धारित दिनांक को पालिका की वेबसाईट https://lsgeauction.rajasthan.gov.in/, https://sso.rajasthan.gov.in पर ऑन–लाईन निलामी बोली में भाग ले सकते हैं।

अमानत राशि जमा कराने/निलामी बोली प्रारंभ की दिनांक :– 18.12.2025
अमानत राशि जमा करवाने की अंतिम दिनांक :– 29.12.2025 दोपहर 05:00 बजे तक
निलामी बोली की अंतिम दिनांक :– 30.12.2025 दोपहर 03:00 बजे तक

Raj.Samwad/C/25/15998 प्रशासक आयुक्त

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

दूरभाष–0145–2429953, फैक्स–0145–2433813, Email - ajmermc@gmail.com, ajmermc@rajasthan.gov.in
Website - www.lsg.urban.rajasthan.gov.in/mcajmer, www.ajmermc.org

No. :- MEW/2025-26/1823 Dated :- 17.12.2025

ई–निविदा सूचना 02/2025–26

Open BIDS for ENIB No.02/2025-26 No. 1822 dated 11.12.2025 Percurement for Remedian of remaining/additional legacy waste and recovery of Land at makhupura Trenching Ground under SBM-U-2.00 and budget Ghosana 2024-25 (01 online works) of Subject matter are invited from interested bidders for online tender submit upto 02.01.2026 upto 6:00 PM and Online tender Open at 05.01.2026 at 11:00 A.M. Other particulars or details of NIB of the bid may be visite at the percurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in/ and / http://eproc.rajasthan.gov.in/ of the state.NIB code and UBN code as per given below.

NIB Code.	UBN NO.
ANN2526A0177	ANN2526WLOB00232

राज.संवाद/सी/25/16081 अधिक्षण अभियंता नगर निगम अजमेर

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर

स्वास्थ्य भवन, त्यागी वाटिका, जेल वैल, बीकानेर
फोन 0151-2201142, email-eemhbikaner@ymail.com

क्रमांक-EE/M&H/BKN/2025-26/2731 दिनांक:- 11/12/25

ई- टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या:- 53/2025-26

निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बीकानेर एवं श्रीगंगानगर में कुल रू. 155.94 के 03 उप स्वास्थ्य केन्द्र के कार्य हेतु निविदा में बताये अनुसार श्रेणी के संवेदको के समकक्ष उपर्युक्त सिविल श्रेणी मे सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे/एमईएस इत्यादि मे पंजीकृत संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त सिविल श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। अल्पकालीन निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN- 1. NRH2526WSOB01911
2. NRH2526WSOB01912
3. NRH2526WSOB01913

(शिम्भू राम जाटव) अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग बीकानेर

DIPR/C/18510/2024

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय) रणथम्भौर टाईगर रिजर्व करौली

Mail ID-dcfb.kroli.forest@rajasthan.gov.in Phone No. 07464-297007

इस कार्यालय द्वारा जारी ई-निविदा सूचना एवं खुली-निविदा सूचना द्वारा निविदा आमंत्रित की गई है। अतः इच्छुक बोलीदाता पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.e-proc.rajasthan.gov.in देख कर ऑनलाईन निविदाओं को डाउनलोड कर निविदाओं में भाग ले सकते है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	UBN No.	लागत (लाखों में)	जारी दिनांक	जमा कराने की दिनांक	खोलने की दिनांक
1.	राजकीय विद्यालयों में बच्चों के बैठने हेतु Class Room Table (Dual Desk) With Attached Chair क्रय हेतु	FOR2526WSOB03730	24.00	10.12.2025	22.12.2025	23.12.2025
2	Construction of Community Hall At Tikhuti Range Nainiyaki	FOR2526WSOB03732	6.00	10.12.2025	22.12.2025	23.12.2025
3.	रेंज कैलादेवी में एंगुलेट वनरक्षक चौकी मरम्मत कार्य (प्रथम एवं द्वितीय) हेतु	FOR2526WSOB03776	8.00	11.12.2025	22.12.2025	23.12.2025
4.	रेंज कैलादेवी में वनरक्षक चौकी दयारामपुरा मरम्मत कार्य हेतु	FOR2526WSOB03783	8.00	11.12.2025	22.12.2025	23.12.2025
5.	रेंज कैलादेवी में वनरक्षक चौकी नरौली मरम्मत कार्य हेतु	FOR2526WSOB03785	8.00	11.12.2025	22.12.2025	23.12.2025
6.	रेज वन्यजीव मण्डरायल में खान की चौकी मरम्मत एवं अपग्रेडेशन कार्य हेतु	FOR2526WSOB03788	6.32	11.12.2025	22.12.2025	23.12.2025
7.	रेंज चम्बल मण्डरायल अधीन नाका राजघाट में मरम्मत एवं अपग्रेडेशन कार्य हेतु	FOR2526WSOB03790	6.26	11.12.2025	22.12.2025	23.12.2025
8.	रेंज कैलादेवी वनरक्षक चौकी राहिर मरम्मत कार्य हेतु	FOR2526WSOB03760	2.00	11.12.2025	19.12.2025	19.12.2025
9.	वनपाल एवं वनरक्षक चौकी महाराजपुरा मरम्मत एवं अपग्रेडेशन कार्य हेतु	FOR2526WSOB03761	4.99	11.12.2025	19.12.2025	19.12.2025
10.	वनपाल नाका आशाकी मरम्मत एवं अपग्रेडेशन कार्य	FOR2526WSOB03762	4.24	11.12.2025	19.12.2025	19.12.2025
11.	वनपाल नाका/वनरक्षक चौकी करणपुर मरम्मत एवं अपग्रेडेशन कार्य हेतु	FOR2526WSOB03763	4.99	11.12.2025	19.12.2025	19.12.2025
12.	नाका डंगरा पठार में मरम्मत एवं अपग्रेडेशन कार्य हेतु	FOR2526WSOB03764	4.99	11.12.2025	19.12.2025	19.12.2025
13.	घंटेश्वर चौकी मरम्मत एवं अपग्रेडेशन कार्य हेतु	FOR2526WSOB03769	2.00	11.12.2025	19.12.2025	19.12.2025

(पीयूष कुमार शर्मा) उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय), रणथम्भौर टाईगर रिजर्व, करौली

DIPR/C/18518/2025

जयपुर में अवैध एल.पी.जी. गैस रिफिलिंग कारोबार का भंडाफोड़

रसद विभाग और पुलिस ने दो जगह कार्रवाई कर 546 सिलैंडर जब्त किए

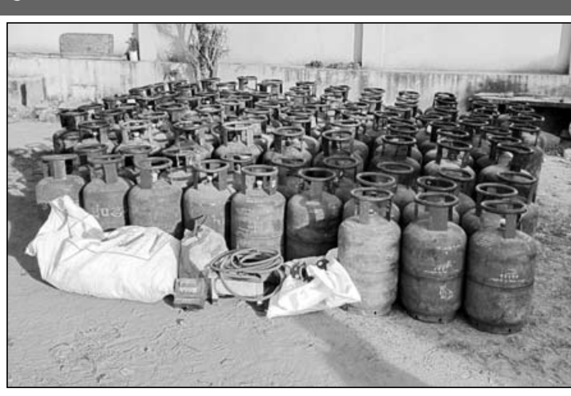

रसद विभाग और पुलिस टीम द्वारा जब्त अवैध गैस सिलेंडर।

जयपुर (कासं)। जिला रसद अधिकारी प्रथम ने जयपुर में अवैध गैस रिफिलिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ऑपरेशन प्रवर्तन के तहत प्राप्त सूचना के आधार पर जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम द्वारा तत्काल दो विशेष सतर्कता दलों का गठन किया गया। जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण के नेतृत्व में गठित इन सतर्कता दलों द्वारा जयपुर शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में दबिश देकर अवैध गैस रिफिलिंग के मामलों का पर्दाफाश किया गया।

प्रथम सतर्कता दल द्वारा सत्यम रेजीडेंसी के पास, जगतपुरा वार्ड संख्या 68 जयपुर में दबिश दी गई। मौके पर अवैध गैस रिफिलिंग करते हुए कुल 441 कमर्शियल गैस सिलेंडर जब्त किए गए। कार्रवाई के दौरान हिंदुस्तान पेट्रोलियम अंकित एक ट्रक से भारत पेट्रोलियम के 322 भरे हुए सिलेंडर, एक पिकअप वाहन से 13, एक अल्टो कार से 03, एक कमरे से 10 तथा एक पेड़ के नीचे जमीन पर रखे 93 कमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद किए गए। मौके पर एचपीसीएल और बीपीसीएल दोनों कंपनियों के सिलेंडर पाए गए। इसके अतिरिक्त मौके से 03 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया तथा 3 मोबाइल फोन, 1 भट्टी, 2 रबर पाइप एवं 2 रेगुलेटर जब्त किए गए।

द्वितीय सतर्कता दल द्वारा बड़ा रामद्वारा, सांगानेर जयपुर में दबिश दी गई। यहां से 21 घरेलू एवं 84 कमर्शियल गैस सिलेंडर, कुल 105 सिलेंडर जब्त किए गए। साथ ही अवैध रिफिलिंग में प्रयुक्त सामग्री 5 रेगुलेटर, 2 रबर पाइप, 1 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 1 भट्टी, 2 रिफिलिंग बाँसुरी तथा सांगानेर गैस एजेंसी के बिल वाउचर भी जब्त किए गए। इस प्रकरण में 1 व्यक्ति को मौके से पकड़ा गया। दोनों कार्रवाइयों के दौरान कुल 546 घरेलू एवं कमर्शियल गैस सिलेंडर, 1 पिकअप वाहन, 1 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 2 रिफिलिंग बांसुरी, 7 रेगुलेटर, 2 भट्टी एवं 4 रबर पाइप जब्त किए गए। साथ ही मौके से कुल 4 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि अवैध गैस रिफिलिंग न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि जन सुरक्षा के लिए भी अत्यंत घातक है। इस प्रकार की गतिविधियों के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

■ जगतपुरा और सांगानेर क्षेत्र में हुई कार्रवाई

160 देशों के 10 लाख अभ्यासी एक साथ करेंगे ध्यान

जयपुर (कासं)। विश्व ध्यान दिवस पर 21 दिसंबर को हार्टफुलनेस मूवमेंट द्वारा शांति, सद्भाव और आंतरिक संतुलन के लिए एक ऐतिहासिक वैश्विक लाइव मेडिटेशन सत्र का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष सत्र का नेतृत्व हार्टफुलनेस के वैश्विक मार्गदर्शक पूज्य दाजी कमलेश डी पटेल करेंगे। यह लाइव ध्यान सत्र रात 8 बजे प्रारंभ होगा और 'एक विश्व, एक हृदय' के प्रेरक संदेश के साथ पूरी दुनिया को एक सूत्र में पिरोएगा।

कार्यक्रम के राज्य समन्वयक विकास मोघे ने बताया कि इस वैश्विक आयोजन में 160 देशों के 10 लाख से अधिक अभ्यासी ऑनलाइन माध्यम से एक साथ ध्यान अभ्यास करेंगे। राजस्थान के जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर सहित सभी जिलों के हार्टफुलनेस अभ्यासी और साधक भी अपने-अपने स्थानों से इस सामूहिक ध्यान में सहभागिता करेंगे। राज्य के अनेक केंद्रों पर सामूहिक रूप से स्क्रीन के माध्यम से जुड़ने की भी तैयारियां की जा रही हैं। हार्टफुलनेस संगठन द्वारा आयोजित यह सत्र यू ट्यूब लाइव सहित अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर निःशुल्क उपलब्ध रहेगा। विशेष बात यह है कि ध्यान सत्र के दौरान कई भाषाओं में सबटाइटल एवं लाइव अनुवाद की सुविधा रहेगी, ताकि विश्व के हर कोने से जुड़े साधक सहजता से ध्यान कर सकें। सत्र की रिकॉर्डिंग भी बाद में देखने के लिए उपलब्ध कराई जाएगी।

जनाना अस्पताल के नए भवन में जल्द शुरू होंगी स्वास्थ्य सेवाएं

पुराने भवन में होंगे मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के कार्य

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने गुरूवार को जनाना अस्पताल के औचक निरीक्षण किया।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है।

इसी कड़ी में जयपुर के जनाना अस्पताल में नवनिर्मित भवन में कुछ विभागों को जल्द ही शिफ्ट किया जाएगा और पुराने भवन की मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा, ताकि गर्भवती महिलाओं एवं अन्य रोगियों को अधिक सुविधाजनक रूप से स्वास्थ्य सेवाएं मिलें।

■ अस्पताल में पार्किंग व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंध बेहतर करने के निर्देश दिए

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने गुरूवार को जयपुर के जनाना अस्पताल के औचक निरीक्षण के दौरान इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान जनाना अस्पताल के पुराने भवन की स्थिति को देखा और कहा कि इस भवन में मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की आवश्यकता है। इसके लिए कुछ विभागों को शीघ्र नए भवन में शिफ्ट किया जाए तथा जिन स्थानों पर मरम्मत कार्यों की आवश्यकता अधिक है, वहां प्राथमिकता से कार्य शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्यों के लिए स्वीकृत बजट का उपयोग किया जाए।

राठौड़ ने हेल्प डेस्क, आईसीयू, लेबर रूम, सोनोग्राफी कक्ष, सामान्य वार्ड सहित विभिन्न विभागों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। अस्पताल परिसर में कहीं भी बिजली के तार खुले नहीं हों। रोगियों के परिजनों के बैठने के लिए समुचित प्रबंध हों। रोगियों एवं परिजनों के साथ चिकित्सकों एवं स्टाफ का व्यवहार संवेदनशील हो। प्रमुख शासन सचिव ने अस्पताल अधीक्षक से स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए मैनपावर एवं अन्य संसाधनों के बारे में जानकारी ली और आवश्यकतानुसार प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संसाधनों के अभाव में स्वास्थ्य सेवाएं बाधित नहीं हो। राठौड़ ने अस्पताल में पार्किंग व्यवस्था को सुव्यस्थित करने तथा सुरक्षा प्रबंध भी और बेहतर करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने किया "सरस राजसखी" राष्ट्रीय मेले का शुभारंभ

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को सरस राजसखी मेले का उद्घाटन करने के बाद महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन करते हुए उनके हुनर को सराहा।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को जवाहर कला केन्द्र में सरस राजसखी राष्ट्रीय मेले का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने देश-प्रदेश की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन करते हुए उत्पादों के बारे में जानकारी ली और उनके हुनर की प्रशंसा की। शर्मा ने लखपति दीदी एवं स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से आत्मीयता के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं सशक्त हो रही हैं। जिससे ग्रामीण व्यवस्था का विस्तार हो रहा है। वे अपना घर संभालने के साथ ही देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरस मेला इस बात का प्रमाण है कि जब सही नीति, सशक्त संस्थागत ढांचा और प्रभावी क्रियान्वयन एक साथ आते हैं तो ग्रामीण महिलाओं के जीवन में स्थायी और समावेशी परिवर्तन संभव होता है। उल्लेखनीय है कि 4 जनवरी तक चलने वाले इस सरस राजसखी राष्ट्रीय मेले में राजस्थान सहित 24 राज्यों की लगभग 300 स्टॉल्स लगाई गई हैं। इनमें देश के विभिन्न हिस्सों की ग्रामीण परंपरा, लोक कला, लोक शिल्प, वस्त्र परंपराएं, हैंडलूम एवं हैंडीक्राफ्ट उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय किया जा रहा है।

राम. वी. सुतार के निधन पर शोक जताया

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के शिल्पकार, पद्म भूषण राम. वी. सुतार के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राज्यपाल ने कहा कि स्व. सुतार भारतीय कला के महान कलाकार थे। उनका निधन कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से पुण्यात्मा की शांति और परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान अधिवक्ता कल्याण अधिनियम में संशोधन के मामले में राज्य के विधि सचिव और बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के सचिव से जवाब मांगा है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने आदेश अधिवक्ता सतीश कुमार खांडल की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता सुनील समदड़िया ने कहा कि राजस्थान अधिवक्ता कल्याण अधिनियम में संशोधन से पहले वेलफेयर फंड का टिकट 25 रुपए था और अधिवक्ताओं को 40 साल की वकालत पूरी करने पर रिटायरमेंट राशि के तौर पर 5.30 लाख रुपए देने का प्रावधान था। अब संशोधन के बाद वेलफेयर फंड के टिकट की राशि चार गुना बढ़ाते हुए इसमें हर साल दस रुपए बढ़ोतरी करने का प्रावधान किया है, जबकि अधिवक्ता को 40 साल की वकालत पूरी करने पर 8.17 लाख रुपए का ही अधिकारी माना गया है।

वीर हनुमानजी मंदिर सामोद में विकास कार्यों पर 9.14 करोड़ रुपए खर्च करेगा जे.डी.ए.

पीडब्ल्यूसी की बैठक में जेडीए आयुक्त ने विकास कार्यों के लिए 65 करोड़ रु. की प्रशासनिक-वित्तीय स्वीकृति जारी की

जेडीए आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में गुरूवार को पीडब्ल्यूसी की बैठक आयोजित हुई।

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में गुरूवार को मंथन सभागार में पीडब्ल्यूसी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में करीब 65 करोड़ रूपये के विकास कार्य स्वीकृत हुए। इनमें ड्रेन निर्माण, सड़क सुदृढ़ीकरण, सर्विस सेक्टर रोड के नवीनीकरण, सौंदर्यीकरण कार्य तथा वीर हनुमानजी मंदिर सामोद में विकास कार्य शामिल है।

आयुक्त आनंदी ने बताया कि जोन-12ए में वीर हनुमानजी मंदिर सामोद (खोल) चौमू में विकास कार्यों पर करीब 9.14 करोड़ रूपये खर्च किए जाएंगे, इसकी प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। इसके अलावा जोन-8 में मंगलम आनन्दा एवं सचिवालय विहार में ड्रेन निर्माण कार्य पर 3 करोड़, जनपथ, श्याम नगर से गुर्जर की थड़ी वाया न्यू सांगानेर रोड में वार्ड नं. 50 एवं 53 में क्षतिग्रस्त सड़क को सुधारने पर 3.22 करोड़ रु. खर्च होंगे। यहां जलदाय विभाग द्वारा पेयजल लाइन डालने के कारण सड़क क्षतिग्रस्त हुई थी। इसी तरह मानसरोवर कॉलोनी रोड जंक्शन पर सौन्दर्यकरण के कार्यों पर 8.02 करोड़ रु. खर्च करने को मंजूरी दी गईं। जोन-पीआरएन-साउथ में न्यू सांगानेर रोड से ईस्कान रोड तक 200 फीट सर्विस सेक्टर रोड के सुदृढीकरण एवं नवीनीकरण कार्य पर भी 4.88 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

■ ड्रेन निर्माण, सड़क और सर्विस रोड तथा सेक्टर रोड सुधारने पर खर्च होगी अधिकांश रकम

बैठक में जोन-पीआरएन-साउथ में सेक्टर एच एवं जी ब्लॉक की विभिन्न सेक्टर सड़कों के नवीनीकरण एवं सुदृढीकरण कार्य पर 11.85 करोड़ रूपये खर्च करने की मंजूरी दी गई। सेक्टर आई ब्लॉक की विभिन्न सेक्टर सड़कों के नवीनीकरण पर 10.72 करोड़ रु. खर्च होंगे।

भांकरोटा (एस-7ई) में पीएचईडी द्वारा डाली गई पाईन लाईन से क्षतिग्रस्त सड़क व रोड कट को सुधारने पर 6.49 करोड़ रु. खर्च किए जाएंगे। जोन-12 क्षेत्र में ढाणी भुताली (एस-6जी) में भी 7.31 करोड़ की लागत से सड़क सुधारी जाएगी।

सार-समाचार

डॉक्टर्स की टेनिस प्रतियोगिता आज से

जयपुर। इंडियन मेडिकल टेनिस सोसाइटी की ओर से आयोजित तृतीय वार्षिक राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप फॉर डॉक्टर्स का आयोजन 19 से 21 दिसम्बर तक जयपुर में होगा। प्रतियोगिता के ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. जयंत सेन ने बताया कि यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता इंटरनेशनल स्टेडियम, राजस्थान यूनिवर्सिटी, जय क्लब व जयपुर क्लब में खेली जाएगी। प्रतियोगिता के पैट्रन डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन 19 दिसम्बर को मुख्य अतिथि राजस्थान के युवा मामलात एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ व महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के एमिरेटस चेयरपर्सन डॉ एम एल स्वर्णकार करेंगे। प्रतियोगिता के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. अनिल यादव ने बताया कि इस राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में देशभर से 250 से अधिक डॉक्टर भाग लेंगे। यह आयोजन अब तक का सबसे बड़ा टेनिस चैम्पियनशिप फॉर डॉक्टर्स होगा, जो डॉक्टरों की फिटनेस, स्पोर्ट्समैनशिप और टीम स्पिरिट को उजागर करेगा। प्रतियोगिता के कॉर्डिनेटर डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि इसमें चिकित्सा जगत के दिग्गज डॉक्टर टेनिस कोर्ट पर अपनी खेल प्रतिभा और ऊर्जा का प्रदर्शन करेंगे।

रिद्धि-सिद्धि मंडल ने निकाली रथ यात्रा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के 2 वर्ष का कार्यकाल सफल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुरूवार को सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के ऋद्धि सिद्धि मंडल में "सेवा-सुशासन रथ यात्रा" निकाली गई। भाजपा नेता मनोज सिंह गोतोड़ ने बताया कि रथ यात्रा के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं सुशासन के संकल्प को 10 वार्डों के लोगों तक पहुंचाया गया। इस दौरान कुल 14 जगहों पर आमजन ने उत्साह के साथ रथ यात्रा का स्वागत किया। कार्यक्रम में करीब 10 हजार लोगों की सहभागिता रही, जिससे जनसमर्थन और उत्साह का व्यापक प्रदर्शन देखने को मिला। मनोज सिंह गोतोड़ ने बताया कि समारोह में पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, ऋद्धि सिद्धि मंडल अध्यक्ष दीपा नाथावत सहित अनेक वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रमुख अतिथियों में प्रकाश तिवारी, रघुनाथ नरेड़ी, निर्मल शर्मा, जगदीश चंद्रावत, महेंद्र बागड़ी, मनोज सिंह गोतोड़ एवं सुनील गौड़ शामिल रहे।

आरओ-ई.ओ. परीक्षा में ब्लूटूथ से नकल करने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए राजस्व अधिकारी ग्रेड- और अधिशाषी अधिकारी वर्ग- (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा -2022 में ब्लूटूथ डिवाइस के जरिये परीक्षा में नकल करने वाले फरार चल रहे दस हजार रुपये के इनामी आरोपित सुरेश कुमार निवासी खाजूवाला जिला बीकानेर को गिरफ्तार किया गया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि राजस्व अधिकारी ग्रेड- और अधिशाषी अधिकारी वर्ग- (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा -2022 के संबंध में अभ्यर्थियों के द्वारा परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों के प्रयोग करने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत की जांच किए जाने के दौरान तकनीकी विश्लेषण से स्पष्ट हुआ कि तुलछाराम कालेर व पॉवर कालेर गैंग द्वारा परीक्षा के दौरान सालासर में मौजूद रहकर परीक्षार्थियों को ब्लूटूथ डिवाइस के जरिये परीक्षा में नकल करवाई है। इस पर एसओजी ने राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) अधिनियम 2022 में मामला दर्ज जांच पड़ताल की तो सामने आया कि आरोपित सुरेश कुमार इस परीक्षा में अभ्यर्थी था।

जिसने पोरव कालेर गैंग से मिलकर ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से नकल की थी। आरोपी सुरेश कुमार के खिलाफ मामला दर्ज होते हुए वह फरार हो गया था। इस पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दस हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया था। इस प्रकरण में अब तक कुल 30 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

खनिज रॉक फॉस्फेट में राजस्थान का लगभग एकाधिकार : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को सचिवालय में राजस्थान स्टेट माइंस एवं मिनरल्स की समीक्षा बैठक ली।

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान स्टेट माइंस एवं मिनरल्स (आरएसएमएम) की माइंस में खनिज उत्पादन बढ़ाने और एग्रेसिव मार्केटिंग के निर्देश दिए हैं। आरएसएमएम द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में नवंबर माह तक 43 लाख 15 हजार टन रॉक फॉस्फेट, लिग्नाइट, जिप्सम और लाइमस्टोन उपलब्ध कराया जा चुका है। उन्होंने कहा कि खेती के काम आने वाले रॉक फॉस्फेट के भण्डार समूचे देश में राजस्थान में ही उपलब्ध है, ऐसे में विदेशों से आयात निर्भरता को कम करने और डीएपी और एसएसपी उत्पादक संस्थाओं की रॉक फॉस्फेट जरुरतों की अधिक से अधिक आपूर्ति के योजनाबद्ध प्रयास किये जाएं। उन्होंने कहा कि रॉक फॉस्फेट और जिप्सम का उत्पादन बढ़ाकर खेती किसानी में आरएसएमएम द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास गुरुवार को सचिवालय में राजस्थान स्टेट माइंस एवं मिनरल्स की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आरएसएसएम द्वारा प्रदेश में रॉक फॉस्फेट, लिग्नाइट, जिप्सम और लाइमस्टोन का खनन किया जा रहा है। देश की जरुरत के 30 प्रतिशत रॉकफॉस्फेट के भण्डार राजस्थान में है। बीकानेर, बाड़मेर और नागौर में जिप्सम के भण्डार है। बीकानेर में आरएसएमएम द्वारा जिप्सम का खनन किया जा रहा है। ऐसे में जिप्सम के खनन और उपलब्धता से भी मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने में योगदान दिया जा सकता है। लाइमस्टोन और लिग्नाइट के उत्पादन को भी बढ़ाने की आवश्यकता है।

श्रीनिवास ने खनिज खनन कार्य में नवीनतम तकनीक के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि इससे मिनरल्स की खनन के दौरान न्यूनतम हानि होगी और सस्टेनेबल माइनिंग को बढ़ावा दिया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि खनन कार्य में आवश्यक सुरक्षा मानकों की पालना की जाएं। उत्पादकता और लाभदायकता को बढ़ाया जाएं। उन्होंने तातारीख ऑडिट कराकर वार्षिक साधारण सभा आयोजित कराने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि उदयपुर की झामरकोटड़ा में रॉक फॉस्फेट, बाड़मेर और नागौर में लिग्नाइट, जैसलमेर के सानू में एसएमएस ग्रेड लाइमस्टोन व व्हाईट सीमेंट और केमिकल ग्रेड लाइमस्टोन की नागौर में आरएसएमएम की माइंस है। बीकानेर के ढ्राणी अब्दुल्लाह, बलार और लारेवाला में जिप्सम का खनन किया जा रहा है। विविधिकरण के तहत जैसलमेर में 106.3 मेघावाट का विण्ड पॉवर प्लांट का संचालन किया जा रहा है। रविकान्त ने आरएसएमएम को खनन कार्य के साथ ही विपणन व्यवस्था को भी प्रभावी बनानी होगी ताकि आरएसएमएम के वार्षिक कारोबार और लाभदायकता में बढ़ोतरी हो सके।

■ खेती-किसानी में रॉक फॉस्फेट-जिप्सम की प्रमुख भूमिका : वी. श्रीनिवास

■ आरएसएमएम द्वारा नवंबर तक 43 लाख 15 हजार टन खनिजों की बिक्री

आरएसएमएम की प्रबंध निदेशक प्रज्ञा केवलरमानी ने बताया कि नवंबर माह तक 1192 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार कर 337 करोड़ से अधिक का करपूर्व लाभ अर्जित किया है। उन्होंने बताया कि नवंबर माह तक 797 करोड़ रु. का रॉकफॉस्फेट, 3.62 करोड़ का जिप्सम, 177. 91 करोड़ का लाइमस्टोन और 140.85 करोड़ रु. के लिग्नाइट का कारोबार किया जा चुका है। इसके साथ ही 73.51 करोड़ रु. का कारोबार विण्ड व सोलर उर्जा और अन्य क्षेत्र से हुआ है। एमडी केवलरमानी ने मानव संसाधन की कमी की और ध्यान दिलाते हुए बताया कि जल्दी ही भर्ती की प्रक्रिया आरंभ की जाएगी। कार्यकारी निदेशक कीर्ति राठौड़ ने बताया कि आरएसएमएम द्वारा कोरेपोरेट सोशल दायित्व सीएसआर के तहत वर्ष 2024-25 में 12 करोड़ 90 लाख रु. स्वास्थ्य, शिक्षा, आधारभूत संरचना और जल संरक्षण गतिविधियों के लिए उपलब्ध कराए गए हैं।

बैठक में जीजीएम लिग्नाइट अरुण सिंह, एसएस दहिया, वरिष्ठ प्रबंधक नितिन जैन, असीम अग्रवाल और कंपनी सचिव राजेन्द्र राव ने जानकारी दी। बैठक में संयुक्त सचिव माइंस अरविन्द सारस्वत, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, एसजी सुनील वर्मा व आरएसएमएम के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

'मेरी पहल' एन.जी.ओ. में बंधक 18 लोगों का रेस्क्यू

जयपुर (कासं)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर झोटवाड़ा के ग्राम नांगल जैसा बोहरा में मेरी पहल संस्था एनजीओ के परिसर में अवैध तौर पर बंधक बनाए गए 18 लोगों को रेस्क्यू ऑपरेशन में मुक्त कराया गया। इनमें 11 महिलाएं व 7 पुरुष शामिल थे। वहीं संस्था संचालक को भी गिरफ्तार किया गाय। कार्रवाई के बाद महिलाओं और पुरुषों को उनके घर भेजा गया। वहीं इनमें से कुछ महिलाओं को महिला सदन में रखा गया है और उनके परिजनों से संपर्क किया जा रहा है।

कार्रवाई में पता चला कि एनजीओ संस्था के परिसर में संचालक ने खुद को भिक्षुक पुनर्वास केंद्र संचालन करने वाला बताया, लेकिन वहां पर कौशल विकास या पुनर्वास कार्य नहीं किया जा रहा था। रेस्क्यू अभियान की कार्रवाई हाईकोर्ट के एक्टिंग सीजे व प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा के निर्देश पर की।

इस अभियान में प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम अत्रि, निदेशक नीरज कुमार भारद्वाज, जिला प्राधिकरण के सचिव पल्लवी शर्मा और पवन कुमार जीनवाल सहित पुलिस जाब्ता मौजूद रहा। गौरतलब है कि मानवाधिकार दिवस पर प्राधिकरण की टीम एनजीओ में निरीक्षण में लिए गई थी। वहां टीम ने जब संचालक व मौजूद लोगों से बातचीत की तो गड़बड़ी का पता चला था।

निरीक्षण के दौरान रजिस्टर में दर्ज कुछ नाम के लोग मौके पर नहीं थे, जबकि मौके पर उपस्थित कुछ महिलाओं के नाम रजिस्टर में नहीं थे। वहीं एनजीओ परिसर में कई तरह की अनियमिता भी मिली थीं। वहीं संचालक ने परिसर में निगरानी के लिए 20 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगा रखे थे। रेस्क्यू की गई महिलाओं में एक युवती डी.फार्मा थी, जो न तो भिक्षुक है और न उसे किसी स्किल ट्रेनिंग की जरूरत थी। स्किल डवलपमेंट के नाम पर एनजीओ में ढोलक बजाना सिखाया जा रहा था। रेस्क्यू किए लोगों में से तीन पुरुषों को तब पकडक़र लाए, जब वे रेलवे लाइन के किनारे चल रहे थे। भरतपुर के एक व्यक्ति को जनवरी 2023 में रेलवे स्टेशन से उठाया था।

Embracing Emotions on National Emo Day

National Emo Day is observed to celebrate the emo subculture, which emphasizes emotional expression, introspection, and individuality. Marked by music, fashion, and art that convey deep feelings, the day encourages people to embrace their emotions without fear or judgment. From listening to soulful emo tracks to sharing personal thoughts through poetry, social media posts, or creative outlets, the day provides a platform for self-reflection and connection. Beyond aesthetics, it highlights mental health awareness and the importance of expressing feelings authentically. National Emo Day reminds everyone that it's okay to feel deeply, reflect honestly, and find comfort in emotional authenticity.

#PHRASES

Skeletons And Sweet But Nothings?

Uncovering the Origins of Common Phrases: 'Skeletons in the Closet' and 'Whispering Sweet Nothings'

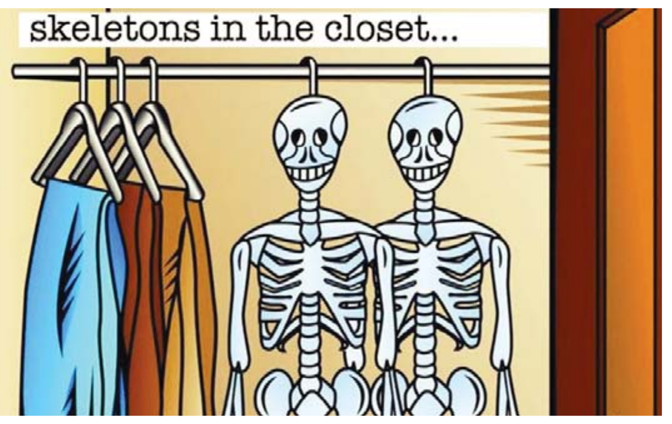

Language is full of colorful phrases that we use without thinking twice, often unaware of their intriguing origins. Two such expressions, 'skeletons in the closet' and 'whispering sweet nothings,' are used widely in conversations, books, and media. But where did they come from, and what did they originally mean? Let's explore the surprising histories behind these two popular idioms.

'Skeletons in the Closet'

Meaning Today:

The phrase 'skeletons in the closet' refers to secrets or past misdeeds that someone wants to keep hidden, often because they're shameful, damaging, or incriminating.

Example: The politician seemed perfect, until reporters found some skeletons in his closet.

Origin:

The expression likely originated in early 19th-century England, though the exact source is debated. The earliest known printed usage appears in William Hendry Stowell's 1816 work *The Eclectic Review*, where he describes 'skeletons in the closet' metaphorically as hidden scandals.

At the time, 'closet' referred not just to a clothes cupboard but also to a private room, often one where a person could be alone or hide things. The skeleton, on the other hand, symbolized death, shame, or something sinister.

One theory suggests the phrase might be loosely connected to anatomical skeletons used by doctors or scientists, kept hidden from polite society due to their association with death and, in some cases, body-snatching practices for medical dissection in the 18th and 19th centuries.

Why It Stuck:

The phrase is powerful because it combines two strong images:

- The skeleton (a universal symbol of death or past wrongdoing).
- The closet (a symbol of secrecy and concealment).

Together, they evoke the chilling idea of hidden truths waiting to be discovered.

'Whispering Sweet Nothings'

Meaning Today:

'To whisper sweet nothings' refers to the act of saying romantic, affectionate, or flirtatious things to someone in a soft, intimate voice, usually in private.

Example: He was whispering sweet nothings in her ear at the candlelit dinner.

Origin:

This phrase dates back to the 16th or 17th century, though it became popularized in the 19th century.

The term 'nothings' doesn't mean the words are meaningless, it suggests that what's being said may not have literal importance or substance, but is emotionally significant. Think of soft phrases like 'you're beautiful,' 'I've missed you,' or 'you make me so happy,' none are deeply informative, but all are emotionally powerful.

One early literary use of a similar phrase appears in the work of William Congreve, a 17th-century English playwright, who referred to lovers 'sighing and whispering soft nothings.'

Why It Stuck:

- It reflects the delicate, emotional side of love.
- The phrase carries a sense of romantic intimacy.
- It balances the idea of saying something seemingly trivial but emotionally impactful.

Interestingly, in modern usage, it can sometimes be cynical, implying that what's being said is empty flattery or mere seduction.

Trees fall.

Walking in the rainforest of Guyana.

A typical sleeping camp on a survival trip.

Corentyne River on the Orealla Trail.

Our bridge.

Tools you will need to make dinner.

Preparing dinner on a simple tree branch.

Bush Calling !!!

PART:2

The forest floor is carpeted thickly with leaves on which grow mosses and lichens. Roots of trees take from this thick carpet and go very little into the earth. The soil beneath this thick cover of leaf mold is sandy and loose. As the trees grow, they literally hold up one another with their intertwined branches and the many creepers and vines which climb up the trunk of one giant and across the canopy of another also add support. Roots intertwine on the ground surface and below it. It is a huge network which communicates across vast distances.

Sleeping under a shed made from branches.

Signboard in Orealla.

#AFRICA

Mirza Yawar Baig
Naturalist and Wildlife Conservationist

Hunting in the rainforest is very tough because though it is teeming with wildlife, the forest is so thick that you can't see more than a couple of feet on either side of the trail. While driving, you had to concentrate on the trail, watch for tracks and when you did see something, be quick and accurate if you wanted to eat. If you walked through the forest in search of game, you must be prepared to become very sweaty and hot and get bitten by a zillion mosquitos and other insects who considered you manna from heaven. The forest extracts its price in sweat and blood for what it delivers up to you.

The canopy was so thick that more often than not, we would be driving in semi-darkness. But that didn't mean that it was cool. It was more like a sauna with very high humidity and almost no breeze. Sometime if you got lucky, you came into a forest clearing where you would feel the breeze as the jungle was open enough to allow for airflow. That must be one of the most pleasant experiences of mankind, the feel of the cool breeze on hot sweaty skin. The thick cover, resembling a green ocean as you fly over it in a small plane, is very deceptive in that the trees have very shallow roots. Most rain-forest soil is extremely poor and sandy with all the nutrients largely remaining at surface level and thus getting washed off or leached out of the soil, thanks to the heavy rainfall. Because of this rain-forest, trees have very shallow roots. Some trees have developed ways of obtaining much needed additional support by forming buttressed roots, which grow out from the base of the trunk, sometimes, as high as 15 feet above the ground. These extended roots also increase the area over which nutrients can be absorbed from the soil. The forest floor is carpeted thickly with leaves on which grow mosses and lichens. Roots of trees take from this thick carpet and go very little into the earth. The soil beneath this thick cover of leaf mold is sandy and loose. As the trees grow, they literally hold up one another with their intertwined branches and the many creepers and vines which climb up the trunk of one giant and across the canopy of another also add support. Roots intertwine on the ground surface and below it. It is a huge network which communicates across vast distances.

A clearing is created usually when one of these giant trees falls, either the result of logging or when with age and disease, it succumbs to the wind. When that happens, it usually takes down a few others with it and an opening is created in the thick canopy of the forest. The unprotected soil gets quickly washed off its nutrients with the almost daily rainfall and is taken over by grasses and other secondary growth. A piece of rainforest is thereby lost forever. This is the problem with the slash and burn agriculture so common in these parts as well as with the indiscriminate logging that takes place everywhere. For every tree that is harvested, there is a huge swathe of forest that is laid bare, never to regenerate; gone forever.

The rain-forest is a very fragile and delicate ecosystem, easily destroyed and impossible to repair. One may argue that given time, forest regenerates, and that is true. The problem is the amount of time that takes and what emerges at the end of that period. What is lost is almost never regained as it was.

Forest clearings, however, are good for hunters because herbivores come to eat the new grass and where trees have been burned, to eat the ash, and if you sit quietly just inside the forest bordering the clearing, you can usually get a clear shot. Clearings are also where you can get a breath of air as there is space for airflow, and so if you have been walking in the rain-forest, you welcome a clearing when you come to it. As I mentioned earlier, walking in the rain-forest is a very hot and sweaty affair and any breath of air is welcome.

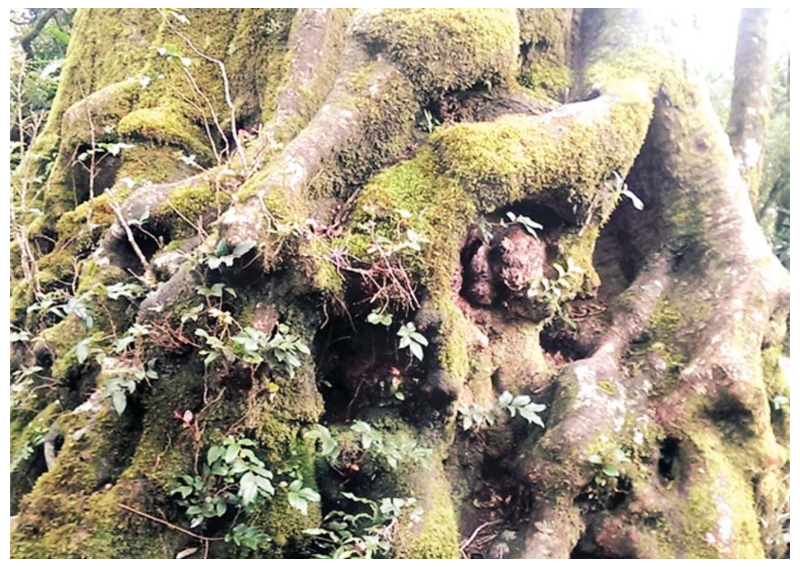

Buttress roots.

Roasting fish over fire in the jungle of Guyana.

Driving on the forest tracks also threw up a unique challenge, which when it happened for the first time, was very shocking for me. We came around a bend, and without warning, Peter stopped the Land Rover. Right ahead was a deep gully about 20 feet across at the bottom of which flowed a stream. Land Rovers, for all their excellent qualities, can't jump or fly. So, what do we do? Peter was having a laugh at my expense; I could see that. He got out and stretched and then said, "Aa rite! We gaffa bil a bridge." (All right! We will have to build a bridge)

Build a bridge? This I had to see. Peter took out the chain saw, and we went hunting for trees of the right thickness. We wanted something with a straight trunk and thick enough to have the strength not to snap with the weight of the vehicle. We needed eight logs: four for each wheel track. Once we had cut the eight trees, we trimmed the branches off with our machetes and cut the trunks to size, ensuring that we had a good length on either side of the gully. Then, we laid the first set of four logs across the stream, standing each one up and dropping it across and then fixed them together by hammering in thick wooden pegs on either side so that they would not slide apart when the Land Rover wheel ran on them. Then, we went across the little bridge and pegged it on the other side in the same way.

Once we had one track in place, we drove the Land Rover up to the track to get an idea of how far apart the other track needed to be and repeated our bridge building. Then, I went across to direct Peter over the bridge and he drove across. Took us about an hour of sweaty work, but then, we were off on our journey once again. Bridge building is a particularly important activity and the main reason why anyone driving in the bush would always carry a chain saw or axe and machete. If you couldn't build a bridge, you would have to turn back because thanks to the thick forest on either side of the road, there was no way of going around the gully. Another important survival lesson I learnt is that whenever you come to a bridge, you always stop and carefully inspect it to ensure that it was strong enough. Green wood doesn't last too long in the rain-forest and a bridge built a few weeks earlier can be seriously damaged by insects such that if you drove across it without checking, you'd most likely find yourself in the gully headfirst. So, we always inspected each bridge, and when necessary, strengthened it by cutting new logs and replacing any doubtful ones.

One day, Peter and I decided to drive to the Corentyne River on the Orealla Trail. Orealla is small Amerindian village on the Corentyne River, overlooking Suriname. It is a lively and friendly place and we intended to drive there, spend a night, look at Suriname across the river and return to Kwakwani. The trail itself, if you walked would take about three days, but since we were driving, we didn't expect to take more than the day. What we did not bargain for was the condition of the road. For one thing, we had to build bridges in two places and that took a couple of hours out of our schedule. Then, we came to a place where the road was deeply dug up by timber trucks so that the two tracks were more than two feet deep with a high central ridge. If we drove the Land Rover into those tracks, the central ridge would hit the oil sump and either smash it or jack up the car with the wheels spinning uselessly in the air.

Peter came up with a solution. He put the Land Rover in 4×4 drive and rode one wheel on the center median ridge. The vehicle tilted and tipped over to one side and the roof of the cab rested on the high side of earth bank that bordered the road. The two wheels on the opposite side were up in the air. Slowly, the vehicle moved, with two wheels in the rut, two occasionally touching the median and the cabin roof sliding along the earthen bank. I can tell you that it didn't do much good to the cabin, but then, that Land Rover was already so beaten up that it didn't matter. In any case, the soil was so soft and sandy that it did not do any permanent damage. At the end of the track, I stood on the runner which was in the air to tilt the vehicle back onto all four wheels, and off we went on the trail.

As always, our rule of eating what we shot was maintained and I shot a couple of Curassows, and at midday, we decided to take a break and cook our lunch. I made the fire and prepared the camp while Peter cleaned the birds. As always, first the tea, then the rest. By the time, the tea was ready, the birds were also ready for the pot, and while we drank tea, the birds cooked. Then, we both had hot Curassow stew with potatoes and red pepper, with bread which we had brought. A good lunch, an hour of siesta and then off again to Orealla.

We reached Orealla late in the evening and found a place to stay. There was a guest house, and we took a room. Then, we went out to get something to eat and ate some very fine fresh Corentyne fish curry and bread. The waterfront was like all Guyanese waterfronts, with very noisy bars which got noisier as the night progressed and people's 'spiritual' levels increased. Mercifully, there was no violence the night we were there, but tempers tend to run short when people are operating on alcohol fumes and it is a matter of an instant for a bottle to be smashed on the edge of a table and then used to carve up the opponent in the argument. Dominos, as always, seemed to be popular with the people, probably because of its amazing noise making potential, slamming the dominos on the table with great force accompanied by a huge shout. Peter and I walked to the bank of the river and watched the lights across in Suriname for a while. It would have been illegal for us to cross over as we didn't have visas. In any case, this place was famous for smuggling, and so, it was not safe to be caught on the river in a small boat at night by the Surinamese and Guyanese patrol boats which cruised the waters.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

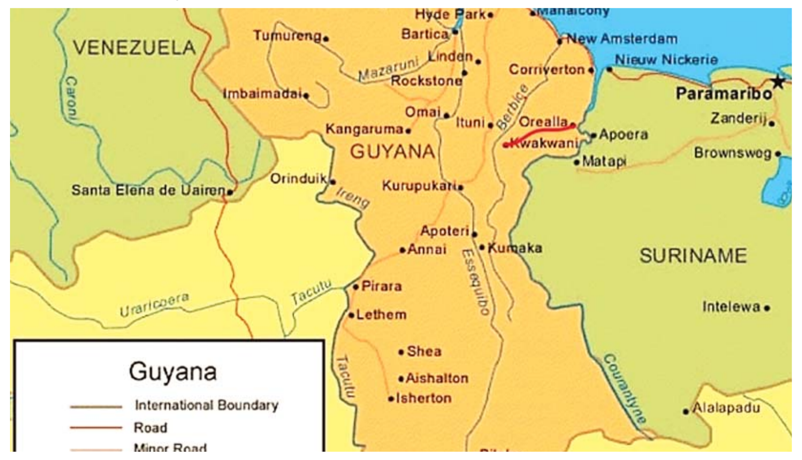

THE WALL

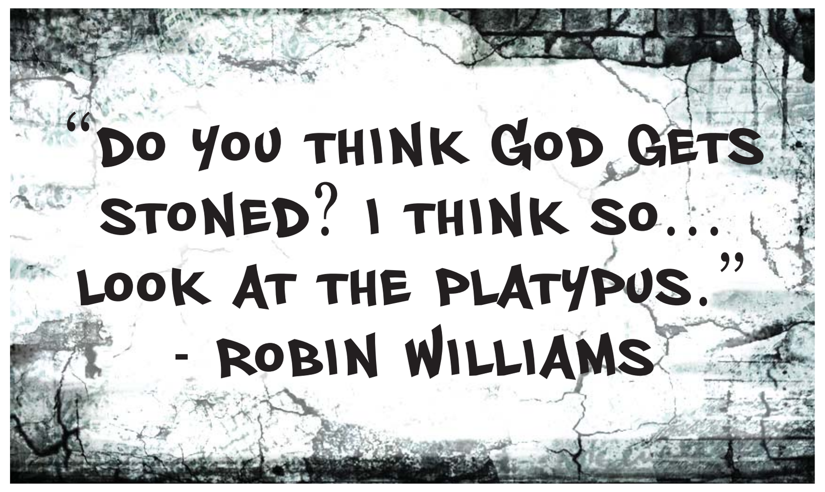

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

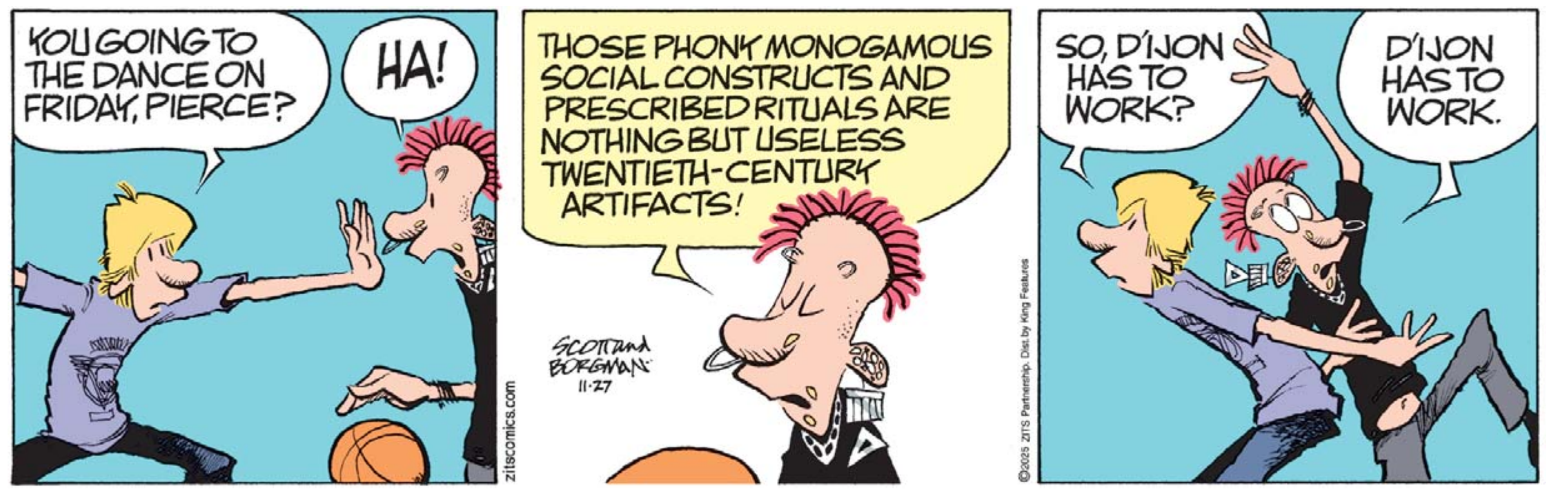

बीकानेर के पीबीएम में कैंसर मरीज को गलत ब्लड चढ़ाया, तबीयत बिगड़ी

पीबीएम हॉस्पिटल के आचार्य तुलसी कैंसर विंग में मरीज भंवरी देवी को दूसरे ग्रुप का खून चढ़ाया

- जब भंवरी देवी को गलत ब्लड चढ़ाया जा रहा था, तभी वहां मौजूद एक परिजन की नजर ब्लड यूनिट पर लिखे ग्रुप पर पड़ी
- परिजन ने तुरंत नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों को मौके पर बुलाया तुरंत इलाज शुरू किया गया, जिससे महिला की हालत संभल गई
- कैंसर विंग में भंवरी देवी नाम की दो महिला मरीज भर्ती थीं, जिनके पति के नाम अलग-अलग थे, दोनों मरीजों को खून चढ़ाया जाना था
- गलत खून चढ़ाने के मामले में राज्य सरकार द्वारा रिपोर्ट मांगने पर सरकार को रिपोर्ट भेजी गई

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम हॉस्पिटल के आचार्य तुलसी कैंसर विंग में एक मरीज को गलत ब्लड चढ़ा दिया। यहां मरीज भंवरी देवी (75) को दूसरे ब्लड ग्रुप का खून चढ़ा दिया गया, जिससे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। घटना के वक्त कैंसर विंग में एक डॉक्टर और दो नर्सिंग स्टाफ मौजूद थे। जब भंवरी देवी को गलत ब्लड चढ़ाया जा रहा था, तभी वहां मौजूद एक परिजन की नजर ब्लड यूनिट पर लिखे ग्रुप पर पड़ी। परिजन ने तुरंत नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों को मौके पर बुलाया। तुरंत इलाज शुरू किया गया, जिससे महिला की हालत संभल गई।

परिजनों के अनुसार, भंवरी देवी को खून की कमी के चलते भर्ती किया गया था। उनका ब्लड ग्रुप ए प्लस है। पहले 'ए' पॉजिटिव ब्लड की एक यूनिट चढ़ाई गई। इसके बाद दूसरी यूनिट की जरूरत बताई गई। परिजन ब्लड बैंक से एक और यूनिट लेकर आए, लेकिन वहां से गलत ग्रुप (बी पॉजिटिव) का ब्लड दे दिया गया। कैंसर विंग के नर्सिंग स्टाफ ने बिना क्रॉस चेक किए वही ब्लड मरीज को चढ़ा दिया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई।

जानकारी के अनुसार कैंसर विंग में भंवरी देवी नाम की दो महिला मरीज भर्ती थीं, जिनके पति के नाम अलग-अलग थे। दोनों मरीजों को खून चढ़ाया जाना था। नर्सिंग स्टाफ ने मरीज की पहचान करते समय पति का नाम और अन्य पहचान विवरण नहीं देखे। दूसरी भंवरी देवी के लिए मंगवाया गया ब्लड पहली भंवरी देवी को चढ़ा दिया। गलत ब्लड चढ़ाने की प्रक्रिया शुरू होते ही करीब 30 सेकेंड के भीतर मरीज की हालत बिगड़ने लगी। मरीज को घबराहट और बेचैनी होने लगी। तभी वहां मौजूद परिजन की नजर ब्लड यूनिट और मरीज के ब्लड ग्रुप पर पड़ी। परिजन ने तुरंत डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ को मौके पर बुलाया और ब्लड ट्रांसफ्यूजन रुकवाया।

घटना की शिकायत सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुरेंद्र वर्मा से की गई। कुछ ही देर में प्रिंसिपल खुद कैंसर विंग में पहुंच गए। कैंसर विंग के एचओडी डॉ. सुरेंद्र बेनीवाल भी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। अस्पताल प्रशासन ने मामले की जांच की बात कही।

मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही रात में मौके पर पहुंचे थे। पेशेंट की हालत फिलहाल बिल्कुल स्थिर है। उसका हीमोग्लोबिन 4.4 ग्राम प्रतिशत था, जिस कारण रात में उसे ब्लड चढ़ाया जा रहा था। ब्लड ट्रांसफ्यूजन के दौरान कुछ समस्या सामने आई।

डॉ. सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि सभी विभागों के साथ बैठक कर ब्लड ट्रांसफ्यूजन से जुड़े सरकारी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। दोषी पाए जाने वाले नर्सिंग स्टाफ, डॉक्टर या टेक्नीशियन के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। विभागीय और प्रिंसिपल स्तर पर जांच कमेटी गठित कर दी गई है, जो तीन दिन में रिपोर्ट देगी। गलत खून चढ़ाने के मामले में राज्य सरकार ने मेडिकल कॉलेज से रिपोर्ट मांगी है। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि सरकार को रिपोर्ट भेजी गई है।

इस घटना के बाद भाजयुमो शहर अध्यक्ष वेद व्यास अस्पताल पहुंचे और पूरे घटनाक्रम पर नाराजगी जताई। उन्होंने पीबीएम अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। बाद में जब प्रिंसिपल मौके पर पहुंचे तो उनके सामने भी लापरवाही को लेकर आपत्ति दर्ज कराई गई।

गुरुवार सुबह भाजपा नेता भगवान सिंह मेड़तिया और भाजयुमो शहर अध्यक्ष वेद व्यास मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल सुरेंद्र वर्मा के कार्यालय पहुंचे और घटना को लेकर विरोध दर्ज कराया। नेताओं ने आरोप लगाया कि अस्पताल में सामग्री उपलब्ध होने के बावजूद मरीजों से बाहर से इंजेक्शन, ग्लुकोज और कैनुला तक मंगवाए जा रहे हैं।

सांवलियाजी सेठ के भंडार से 12.10 करोड़ रुपये निकले

भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

- भंडार से बची राशि की गणना एवं भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल होना बाकी

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थस्थल भगवान श्री सांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार का विशाल भंडार गुरूवार चतुर्दशी को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव व अतिरिक्त जिला कलैक्टर एवं मंदिर की मुख्य निष्पादन अधिकारी प्रभा गौतम की उपस्थिति में खोला गया।

मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि चतुर्दशी को खोले गए भंडार से 12 करोड 10 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए। उन्होंने ने बताया कि भंडार से बची राशि की गणना एवं भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल होना बाकी है। मंदिर कार्यालय में विभिन्न भक्तों द्वारा भेंट किए गए सोने-चांदी का तोल एवं भक्तों द्वारा भेंट रुपयों की गिनती होना भी शेष है। इस मौके पर मंदिर मंडल की ओर से यात्रियों की सुविधाओं के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, रामलाल गुर्जर, हरिराम गाडरी, किशनलाल अहीर, लेखाधिकारी राजेंद्र सिंह, मंदिर प्रभारी भेरू गिरी गोस्वामी, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत सहित मंदिर के चुनिंदा कर्मचारी एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

दुकान का शटर काट 17 लाख की ज्वैलरी ले गए चोर

- पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के एनईबी थाना इलाके में 60 फीट रोड के पास रामनगर कॉलोनी कट पर स्थित कृतिका ज्वैलर्स पर अज्ञात चोरों ने रात के सन्नाटे में सेंध लगाई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चोरों ने दुकान का शटर काटकर अंदर घुसकर चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। सुबह के समय पड़ोसी दुकानदार की नजर टूटी हुई शटर पर पड़ी, तो उन्होंने फौरन दुकान मालिक को खबर दी और पुलिस को सूचित किया। एनईबी थाने के एसएचओ दिनेश चंद मीणा अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की।

प्रारंभिक जांच में दुकान मालिक ने बताया कि चोर करीब 70 ग्राम सोना और लगभग 4.5 किलो चांदी चोरी कर ले गए। चोरी गए माल की अनुमानित कीमत करीब 17 लाख रुपए बताई जा रही है। घटना के बाद से ज्वैलर्स सदमे में है।

कृतिका ज्वैलर्स के मालिक बंटी ने बताया कि वह बुधवार शाम दुकान बंद कर सूर्य नगर स्थित अपने घर चले गए थे। सुबह पड़ोसी दुकानदार के जरिए चोरी की सूचना मिली। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, लेकिन अभी तक किसी भी कैमरे में चोरों की स्पष्ट तस्वीर सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और अज्ञात चोरों की तलाश जारी है।

अलवर में पूर्व मंत्री हेमसिंह भड़ाना के बेटे ने कांग्रेस नेता को लाठी-डंडों से पीटा

- यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव संदीप ओला को हमलावर बेहोशी की हालत में छोड़ फरार हो गए
- मौके से गुजर रहे कार ड्राइवर ने संदीप को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां ट्रॉमा वार्ड में संदीप का इलाज जारी है
- बताया जा रहा है कि संदीप और सुरेंद्र के बीच पिछले कई दिनों से आपसी रंजिश चल रही थी

अलवर, (निसं)। अलवर में कांग्रेस नेता पर पूर्व मंत्री हेमसिंह भड़ाना के बेटे ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव संदीप ओला (32) को पूर्व मंत्री के बेटे सुरेंद्र भड़ाना (30) ने फोन कर बुलाया, फिर करीब 20 युवकों के साथ मिलकर संदीप को लाठी-डंडों से जमकर पीटा। मामला शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र में हसन खां पेट्रोल पंप के पास दोपहर करीब 12-30 बजे का है। हमलावर संदीप को बेहोशी की हालत में छोड़कर मौके से फरार हो गए। वहां से गुजर रहे कार ड्राइवर ने संदीप को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां ट्रॉमा वार्ड में संदीप का इलाज जारी है। संदीप के नाक, मुंह और पैर में चोटें आई हैं।

शिवाजी पार्क थाना पुलिस ने बताया कि कांग्रेस नेता संदीप ओला के साथ मारपीट हुई है। इसमें मारपीट की धाराओं में शिकायत दर्ज करवाई है। मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। घायल संदीप ओला ने बताया कि मैं गुरुवार दोपहर करीब 12:30 बजे अपने कमरे पर था। इसी दौरान सुरेंद्र भड़ाना का फोन आया। उसने मुझसे शराब पीने के लिए 2 हजार रुपए मांगे। मना करने पर सुरेंद्र ने अपने दोस्त सचिन गुर्जर से फोन करवाया। मकान किराए पर लेने की बात कहकर मुझे हसन खां पेट्रोल पंप के पास बुलाया। संदीप ने बताया कि मैं वहां पहुंचा तो सुरेंद्र करीब 20 साथियों के साथ मौजूद था। सुरेंद्र ने दोबारा पैसे मांगे। मेरे मना करने पर मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई की। एक युवक के हाथ में लोहे का नुकीला हथियार था, जिससे मुझ पर हमला किया गया। घटना के दौरान आसपास के मोहल्ले के लोग इकठ्ठा होने लगे, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

संदीप ओला 8 साल से छात्र राजनीति में है। उसे जून 2025 में यूथ कांग्रेस का प्रदेश सचिव बनाया गया। वहीं आरोपी सुरेंद्र भड़ाना पूर्व खाद एवं आपूर्ति मंत्री हेमसिंह भड़ाना का बेटा है। हेमसिंह 2008 से 2018 तक थानागाजी से बीजेपी विधायक रहे हैं।

संदीप ओला अलवर के जसवंत नगर में किराए के मकान में रहता है। सुरेंद्र भड़ाना शिवाजी पार्क के पास सांप जोहड़ा पर रहता है। बताया जा रहा है कि संदीप और सुरेंद्र के बीच पिछले कई दिनों से आपसी रंजिश चल रही थी।

यूआईटी लॉटरी मामले में एईएन को एपीओ किया

भीलवाड़ा, (निसं)। यूआईटी लॉटरी मामले में विवादों में घिरे यूआईटी के सहायक अभियंता (एईएन) रविश श्रीवास्तव को एपीओ कर दिया गया, हालांकि इसके पीछे प्रशासनिक कारणों का हवाला दिया गया है। वहीं लॉटरी के खिलाफ गठित संघर्ष समिति ने इसे अपनी बड़ी जीत बताया है।

नगरीय विकास विभाग के सरकारी आदेश के अनुसार, भीलवाड़ा में तैनात सहायक अभियंता रविश श्रीवास्तव का तुरंत प्रभाव से एपीओ कर दिया गया है। प्रशासनिक कारणों से उन्हें अभी कोई नई जिम्मेदारी (पोस्टिंग) नहीं दी गई है, बल्कि उन्हें जयपुर सचिवालय (हेडक्वार्टर) भेज दिया गया है। जब तक अगला आदेश नहीं आता, उन्हें जयपुर के नगर विकास विभाग में अपनी हाजिरी देनी होगी। श्रीवास्तव यूआईटी की ऑन लाइन लॉटरी में मुख्य सूत्रधार थे और उन्हीं के द्वारा इस लॉटरी को संपादित करवाया गया था। लॉटरी में अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए विगत 2 महीनों से भीलवाड़ा बचाओ संघर्ष समिति आंदोलन कर रही है। भीलवाड़ा की जनता के लगातार विरोध प्रदर्शन के बाद यूआईटी के अधिकारियों ने भी ऑनलाइन प्रक्रिया में टेक्निकल एरर की बात को स्वीकार किया था। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने इस मामले में जांच ओर दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की बात कही थी, लेकिन सख्त एक्शन नहीं हो पाया। इस संबंध में सरकार के दो साल के जश्न को लेकर भीलवाड़ा आए डिप्टी सीएम और जिले के प्रभारी प्रेमचंद बैरवा के समक्ष संघर्ष समिति के संयोजक विजयपाल सिंह ने दस्तावेजों के साथ कार्यवाही की मांग उठाई, उसके बाद विवादों में घिरे यूआईटी एईएन रविश श्रीवास्तव को एपीओ कर दिया गया।

अलवर में नौ साल की बच्ची की हत्या

- मर्डर का शक पिता पर ही जताया, पुलिस पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ की, बच्ची का शव झाड़ियों में मिला था

अलवर, (निसं)। अलवर में नौ साल की बच्ची की हत्या का मामला सामने आया है। मर्डर का शक पिता पर ही जताया जा रहा है। पुलिस बच्ची के पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामला प्रतापगढ़ थाना क्षेत्र का गुरुवार सुबह आठ बजे का है।

एएसपी शरण गोपीनाथ कांबले ने बताया कि 9 साल की बच्ची का शव झाड़ियों में मिला था। बच्ची गुरुवार सुबह 8 बजे घर से बकरियां छोड़ने के लिए जंगल में गई, लेकिन वापस नहीं लौटी। बच्ची के शरीर पर खरोंच के निशान भी हैं।एफएसएल टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं। बच्ची के ताऊ और ममेरे भाई ने अलग-अलग शिकायत दी है। ममेरे भाई ने बच्ची के पिता पर ही हत्या का आरोप लगाया है, जबकि ताऊ ने हत्या की आशंका जताई है।

बच्ची के ताऊ ने बताया कि जब बच्ची काफी देर तक घर नहीं पहुंची तो उसकी तलाश शुरू की। अक्सर बच्ची बकरियां छोड़ने के बाद कुछ ही देर में घर वापस आ जाती थी, लेकिन आज नहीं आई तो उसकी तलाश की। इसी दौरान झाड़ियों में शव पड़े होने की सूचना मिली। बच्ची चार बहन-भाइयों में तीसरे नंबर की थी।

प्रारंभिक जांच में बच्ची के गले और शरीर पर खरोंच के निशान मिले हैं, जिससे मामला संदिग्ध लग रहा है। बताया जा रहा है कि घटना के समय बच्ची की मां पीहर गई हुई थी। पुलिस अफसरों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डीडवाना में धर्म परिवर्तन कराने के मामले में युवक गिरफ्तार

आरोपी लालचंद डेविड

- आरोपी ने 15 से अधिक लोगों को धर्म परिवर्तन करवाया, लोगों को उकसाकर व दबाव डालकर धर्म परिवर्तन का आरोप

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना में लोगों को उकसाकर और दबाव बनाकर धर्म परिवर्तन करवाने का गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में डीडवाना पुलिस ने लालचंद डेविड नामक एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर आरोप है कि उसने 15 से 20 लोगों का धर्म परिवर्तन करवाया और खासतौर पर गरीब, पिछड़े व कम शिक्षित वर्ग के लोगों को निशाना बनाया।

मामले को लेकर पुलिस उप अधीक्षक जेठू सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि डीडवाना निवासी राहुल द्वारा डीडवाना पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिसमें लालचंद डेविड पर लोगों को बहला-फुसलाकर और मानसिक दबाव डालकर धर्म परिवर्तन करवाने का आरोप लगाया गया था। रिपोर्ट के आधार पर जब पुलिस ने जांच शुरू की तो आरोपों की पुष्टि होती चली गई। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी लालचंद डेविड मूल रूप से हिंदू था। करीब आठ वर्ष पहले उसकी माता के बीमार होने के दौरान वह ईसाई पादरियों के संपर्क में आया। उसने प्रभु यीशु से प्रार्थना की और उसकी माता के स्वस्थ होने के बाद इसे चमत्कार मानते हुए उसने ईसाई धर्म अपना लिया। इसके बाद से वह ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार में सक्रिय हो गया।

जांच में यह भी सामने आया कि हाल ही में लालचंद डेविड डीडवाना पहुंचा, जहां उसने वाल्मीकि समाज सहित अन्य पिछड़े वर्ग के गरीब और कम पढ़े-लिखे लोगों को अपने झांसे में लेना शुरू किया। वह लोगों पर हिंदू देवी-देवताओं की पूजा नहीं करने का दबाव बनाता था और प्रभु यीशु की पूजा करने के लिए प्रेरित करता था। उसके प्रभाव में आकर कई लोगों ने धर्म परिवर्तन कर लिया, जबकि कई अन्य लोग धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में थे। पुलिस जांच के दौरान एक युवती का मामला भी सामने आया, जिसने आरोपी के प्रभाव में आकर धर्म परिवर्तन किया और अपनी शादी के कार्ड में ईसाई धर्म के प्रतीक व प्रभु यीशु की शिक्षाओं को भी छपवाया। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, वैसे-वैसे धर्म परिवर्तन से जुड़े और भी मामले उजागर होते चले गए। इन तथ्यों के सामने आने के बाद पुलिस ने लालचंद डेविड को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी से सघन पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि अब तक उसने कितने लोगों का धर्म परिवर्तन करवाया है, वह किसी मिशनरी ग्रुप से जुड़ा है या नहीं, और उसे फंडिंग कहां से तथा किन ईसाई मिशनरियों से मिल रही थी।

डीडवाना पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

20 को सीएम के मांडलगढ़ दौरे की तैयारियां तेज

- जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू व विधायक गोपाल लाल खंडेलवाल ने कार्यक्रम स्थल सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 20 दिसंबर को प्रस्तावित मांडलगढ़ दौरे को लेकर प्रशासनिक एवं जनप्रतिनिधियों के स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू द्वारा कार्यक्रम स्थल सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मांडलगढ़ विधायक गोपाल लाल खंडेलवाल भी साथ मौजूद रहे और तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला कलैक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विधायक खंडेलवाल ने जनसभा में अधिक से अधिक आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपस्थित जनप्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जनसहभागिता महत्वपूर्ण है और इसके लिए व्यापक स्तर पर समन्वय किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिला कलैक्टर ने मंच, बैठक व्यवस्था, यातायात, पार्किंग, सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं चिकित्सा व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी मनमोहन शर्मा, राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अरुण जैन सहित संबंधित विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

15 साल पुराने हत्याकांड मामले में तीन आरोपियों को आजीवन कारावास

- पीपाड़ शहर थाना क्षेत्र के खांगटा गांव में पालड़ी चौराहे पर शराब के पैसे को लेकर हुए विवाद में दिनेश की चाकू और कांच की टूटी बोतलों से हमला कर हत्या कर दी गई थी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नेहा शर्मा ने 15 साल पुराने हत्याकांड में तीनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने अपने फैसले में आरोपी भागीरथ, किशोर उर्फ किशोरसिंह और रामप्रकाश उर्फ गुट्टा को आजीवन कारावास और प्रत्येक को 1.56 लाख जुर्माने की सजा दी है।

मामला करीब पंद्रह साल पुराना है। 28 फरवरी 2010 को होली के दिन जोधपुर के पीपाड़ शहर थाना क्षेत्र के खांगटा गांव में पालड़ी चौराहे पर शराब के पैसे को लेकर हुए विवाद में दिनेश की चाकू और कांच की टूटी बोतलों से हमला कर हत्या कर दी गई थी। सरकार की ओर से अपर लोक अभियोजक मयंक रांकावत ने पक्ष रखा।

परिवादी कानाराम ने पीपाड़ शहर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार 28 फरवरी 2010 की शाम करीब 7:45 बजे ग्राम खांगटा के पालड़ी चौराहे पर स्थित शराब की दुकान पर राजूराम पुत्र केसाराम सेल्समैन था। उस समय दिनेश, रामकरण, सांवरराम आदि खड़े थे, तभी पूर्व नियोजित तैयारी के साथ एकराय होकर एक बोलेरो जीप में सवार होकर आए 8-9 लोग दुकान पर आए। इनमें से रामनिवास मुंडेल, माधुराम, रामप्रकाश, किशोर, भागीरथ और इनके साथ 3-4 अन्य व्यक्तियों ने दुकान पर आकर शराब मांगी। शराब के पैसे मांगने पर उन लोगों ने यह कहकर मना कर दिया कि वे पैसे नहीं देंगे। वे जबरदस्ती शराब की बोतलें उठाकर दुकान के भीतर घुसकर गल्ले से जबरदस्ती 3500 रुपए छीनकर बोलेरो में चले गए।

इसके बाद राजूराम दुकान बंद करके दिनेश, रामकरण, सांवरराम के साथ घर जाने के लिए रवाना हुआ। जैसे ही वे पालड़ी चौराहे पर आए तभी रामनिवास व उसके साथी बोलेरो लेकर आड़े फिरे और नीचे उतरकर चारों पर जानलेवा हमला कर दिया। रामनिवास व माधुराम के पास चाकू, रामप्रकाश के पास गुप्ती व भागीरथ के पास चाकू व टूटी हुई बोतल थी। इन लोगों द्वारा किए गए इस हमले से दिनेश के शरीर पर जगह-जगह चाकुओं से गोद दिया। रामकरण के पेट व शरीर पर बोतल व चाकू से जगह-जगह चोटें आईं। राजू उर्फ राजेंद्र के शरीर को जगह-जगह चाकूओं से छलनी कर दिया। सांवरराम के हिचकी पर चाकू की चोट आई। इस हमले से दिनेश की मौके पर ही मृत्यु हो गई तथा शेष सभी गंभीर घायल हो गए। इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद पांच आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया। इनमें मुख्य आरोपी तीनों भाई (भागीरथ, किशोर उर्फ किशोरसिंह और रामप्रकाश उर्फ गुट्टा) के अलावा उनके पिता माधुराम और एक अन्य साथी रामनिवास भी नामजद थे। ट्रायल के दौरान माधुराम और रामनिवास की मौत हो गई। इसी कारण उनके खिलाफ कार्यवाही बंद कर दी गई।

कोर्ट ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत 24 गवाहों और दस्तावेजी साक्ष्यों का गहन अध्ययन किया। बचाव पक्ष ने दो गवाह पेश किए। कोर्ट ने पाया कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में सफल रहा कि आरोपियों ने मिलकर दिनेश, राजूराम, रामकरण व सांवरराम की हत्या करने के इरादे से धारदार हथियार, चाकू व कांच की टूटी हुई बोतलों से हमला किया।

कोर्ट ने कहा कि प्रकरण के सभी तथ्यों व परिस्थितियों एवं अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपितगण को दोषसिद्ध कर दंडित किया जाना न्यायोचित है। इसके लिए तीनों दोषियों को धारा 302/34 (हत्या) के तहत आजीवन कारावास और 1-1 लाख रुपए जुर्माना, धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत 10 वर्ष कठोर कारावास और 50-50 हजार रुपए जुर्माना, धारा 325 के तहत 7 वर्ष कठोर कारावास और 3-3 हजार रुपए जुर्माना, धारा 324 के लिए 3 वर्ष कठोर कारावास और 2-2 हजार रुपए जुर्माना और धारा 323 के तहत 1 वर्ष कठोर कारावास और 1-1 हजार रुपए जुर्माना से दंडित किया जाता है। उपरोक्त सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

बीस हजार की रिश्वत लेते पुलिस कांस्टेबल गिरफ्तार

- मामले में पुलिस उप निरीक्षक फरार, एसीबी की टीम तलाश कर रही है

जयपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की (विशेष इकाई) जोधपुर टीम ने कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना राजीव गांधी नगर जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस कांस्टेबल भविष्य कुमार को बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। वहीं इस मामले में पुलिस उप निरीक्षक फरार हो गया है। जिसे एसीबी की टीम तलाश कर रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी की (विशेष इकाई) जोधपुर को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके गांव चौखा में एक कब्जाशुदा किराये के मकान में रहता है। मकान को लेकर मकान मालिक भभुताराम एवं सागर गहलोत के बीच विवाद चल रहा है। जिसके चलते सागर गहलोत ने भभुताराम व परिवादी के पुत्र के खिलाफ पुलिस थाना राजीव गांधी नगर में मामला दर्ज करवाया है। जहां जांच अधिकारी पुलिस उप निरीक्षक प्रेमनाथ व कांस्टेबल भविष्य कुमार द्वारा परिवादी को पुलिस थाना राजीव गांधी नगर में बुला कर सागर गहलोत को धमकाने का आरोप लगाकर मुकदमे में परिवादी का भी नाम डालकर उसको फंसाने एवं गिरफ्तार करने की धमकी देकर मुकदमे से नाम हटाने की एवज में तीस हजार रुपये की रिश्वत की मांग रहे हैं, जिस पर एसीबी जोधुपर (एसयू) टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में ट्रेप कार्रवाई करते हुए पुलिस कांस्टेबल को भविष्य कुमार को पुलिस थाना राजीव गांधी नगर के सामने परिवादी की गाड़ी में बैठकर बीस हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है और वहीं पुलिस उप निरीक्षक प्रेमनाथ एसीबी कार्यवाही की भनक लगने से मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जैसलमेर, (निसं)। जिले के मोहनगढ़ नहरी क्षेत्र के सुथार मंडी रोड पर गुरुवार को एक सड़क हादसा हो गया। कृषि उपज मंडी के पास एक तेज रफ्तार निजी बस ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार युवक को करीब 50 मीटर तक सड़क पर घसीटते हुए ले गई। इस भयावह मंजर में युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद बस ड्राइवर व कंडक्टर मौके से बस को छोड़कर फरार हो गए। मोहनगढ़ पुलिस ने अनिल विश्नोई के शव को हॉस्पिटल भिजवाया और बस को जब्त कर ड्राइवर कंडक्टर की तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, बस मोहनगढ़ से अनूपगढ़ की ओर जा रही थी। इसी दौरान सुथार मंडी रोड पर सामने से आ रही बाइक को बस ने अपनी चपेट में ले लिया। मृतक की पहचान अनिल कुमार विश्नोई (30 वर्ष) पुत्र राकेश कुमार विश्नोई, निवासी ग्राम पंचायत जवाहरनगर, पुलिस थाना पीटीएम के रूप में हुई है।

संक्षिप्त

बसें बन्द होने से आमजन परेशान

बौंली -बामनवास । राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही राजस्थान राज्य परिवहन निगम की संचालित बसें रोडवेज डिपो अधिकारियों की अनदेखी, लापरवाही एवं भ्रष्टाचार के कारण क्षेत्र में या तो बंद हो गई या फिर बंद होने के कगार पर है । इस कारण आमजन बेहद परेशान है। पूर्व में बौंली उपखंड मुख्यालय से देश की राजधानी, दिल्ली से बौंली की सीधी सेवा थी और वह अच्छा मुनाफा भी दे रही थी लेकिन उस बस को बंद कर दिया गया, बौंली से जयपुर वैशाली नगर आगार की करीब 11बसे संचालित थी लेकिन अब घटकर मात्र एक बस रखी गई है वह भी बौंली वाया जयपुर खाटूश्याम जी एक्सप्रेस सेवा है जो की प्रात: 6:00 बजे चलती है एवं जयपुर वाया बौंली, सवाई माधोपुर के लिए करीब 5 बसे संचालित थी लेकिन अब मात्र घटकर दो रह गई है, सन् 2019 तक करीब करीब सभी बसें संचालित थी 2020 कोरोना काल के बाद तो जैसे अधिकारियों को बहुत अच्छा मौका मिल गया इन्हें बंद करने के लिए। इस मामले को लेकर जब सवाई माधोपुर डीपो मैनेजर से संपर्क करना चाहा तो वह अवकाश पर मिले। वरिष्ठ नागरिकों एवं ग्रामीणों का आरोप है कि राजस्थान राज्य परिवहन निगम में उच्च स्तर पर फेले भ्रष्टाचार के कारण इन बसों को अच्छा मुनाफा देते हुए भी बंद कर दिया गया है, इसका कारण निजी बस के संचालक इन रोडवेज के उच्च अधिकारियों को मोटी रकम घूस के रूप में देते हैं, इस कारण यह अधिकारी अनेको कारण बताकर बसों का आवागमन बंद कर देते हैं, जिससे निजी बसें अपने मनमाने तरीके से किराया वसूल कर आमजनों का शोषण करते रहे। क्षेत्र के नागरिकों ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र भेजकर इस मामले की उच्च स्तरीय जांच करा कर बसों को पुन: संचालित कराने की मांग की है।

जरूरतमंद छात्रों को शूज व स्वेटर भेंट

सांभरझील, (निसं)। पीएम श्री दरबार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पदोन्नत होकर अन्यत्र स्थानांतरण होने पर शिक्षकों ने जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए स्वेटर व शूज उपलब्ध करवाए। प्रिंसिपल टीकमचंद मालाकार ने बताया कि शिक्षक ओमप्रकाश जांगिड़, नेमीचंद कुमावत, गजानंद कुमावत, अंजना शर्मा, शंकर लाल मीणा, शम्भू दयाल यादव, पूनम मीणा के पदोन्नत होकर अन्यत्र स्थानांतरित होने पर विदाई कार्यक्रम रखा गया था, इन शिक्षकों सामूहिक रूप 150 विद्यार्थियों के लिए शूज व 100 विद्यार्थियों के लिए स्वेटर का प्रबंध किया गया। जिन्हें उपखण्ड अधिकारी के सानिध्य में भेंट किए गए।

कार्यशाला आयोजित

दूदू । पंचायत समिति सभागार में महिला अधिकारिता विभाग के तत्वाधान में ब्लॉक स्तरीय पोस्को एक्ट विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस अवसर पर महिलाओं को एक्ट के बारे में स्थानीय शिकायत एवं आंतरिक शिकायत समिति के बारे में ब्लॉक पर्यवेक्षक अनुष्का दूंदू हिमांशु मोजमाबाद महिला सुरक्षा एवं सलाहकार केंद्र प्रभारी मीनाक्षी नीतू द्वारा विस्तार से जानकारी दी।

खोया पाया

मेरे मकान 15/33 मालवीय नगर जयपुर का मूल अलॉटमेंट लेटर, नो-ड्यूज सर्टिफिकेट- मालवीय नगर में कहीं गिर गए है मिलने पर सूचित करें- कैलाश चंद खंडेलवाल 9414457102

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम घनश्याम नोवाल से बदलकर घनश्याम दास माहेश्वरी रख लिया है। भविष्य में मुझे मेरे नये नाम घनश्याम दास माहेश्वरी पुत्र श्री गोरधन दास माहेश्वरी के नाम से जाना पहचाना जावे। निवासी सी-3, नियर मेंटल हास्पीटल, सिन्धी कॉलोनी, आदर्श नगर, राजापार्क, जयपुर राज.

मैंने मेरा नाम विवाह पश्चात् प्रिती रानी से बदलकर प्रिती सोनी पत्नी श्री देवेन्द्र सोनी रख लिया तथा भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। पता 03, बुधरको का मोहल्ला, कालवाड़ रोड़, झोटवाडा, जयपुर

I HAVE CHANGED MY NAME FROM MOHAMMED DANISH AHMED TO MD DANISH AHMED FOR ALL PURPOSE PLOT NO 4 GA 12, HOUSING BOARD, SHASTRI NAGAR, NAHRI KA NAKA, JAIPUR (RAJASTHAN)-302016

नम्बर मिलाइए
9587884433

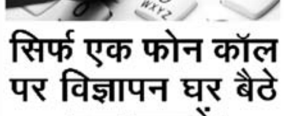

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

स्कूल के पास 100 मीटर की परिधि में तंबाकू उत्पाद बेचने वालों पर कार्रवाई करें : एसपी मनीष

- खैरथल जिला सचिवालय पर एसपी मनीष कुमार की अध्यक्षता में हुई नार्को कोऑर्डिनेशन केंद्र की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक

खैरथल। खैरथल तिजारा जिला सचिवालय पर गुरुवार को पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार की अध्यक्षता में नार्को कोआर्डिनेशन केंद्र की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक का आयोजन हुआ। पुलिस अधीक्षक ने बैठक में स्कूल परिसर के 100 मीटर परिधि में तंबाकू उत्पाद बेचने वालों के विरुद्ध जिले में अभियान चलाकर कार्रवाई कर तंबाकू उत्पादों को सीज करने तथा मेडिकल विभाग को कोरेक्स कप सिरप की अवैध बिक्री की रोकथाम को लेकर मेडिकल संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी, अफीम या गंजे की अवैध खेती, ट्रामाडोल कोडिन आधारित खांसी की दवाई, भांग के वैध ठेको पर संचालित अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं पुलिस विभाग में अन्य विभागों द्वारा अभी तक की गई कार्यवाही, एनडीपीएस अधिनियम और दवाइयां के हानिकारक प्रभाव के प्रावधान के बारे में जागरूकता साहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर नशीले पदार्थों की तस्करी, बेचान के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि एनडीपीएस एक्ट में भिवाड़ी पुलिस द्वारा 31 प्रकरणों में 45 मुजरिम को गिरफ्तार कर 1 जनवरी से अब तक 30.784 किलो गांजा, 426.02 ग्राम स्मेक, 86.8 ग्राम चिट्टा, 13.65 किलो डोडा चूरा जब्त किया एवं खैरथल पुलिस द्वारा 28 किलो 743 ग्राम गांजा पकड़ कर 10 प्रकरणों में 13 मुलजिमों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई। इसी प्रकार भिवाड़ी पुलिस द्वारा आबकारी अधिनियम में 281 प्रकरणों में 279 लोगों को गिरफ्तारी कर 4211.26 लीटर देशी एवं हथकड़ तथा 218 लीटर अंठोजी शराब जब्त की तथा खैरथल पुलिस द्वारा 206 प्रकरणों में 202 लोगों को गिरफ्तार कर 2132 लीटर देसी शराब एवं 15 लीटर अंठोजी शराब जब्त की गई है।

इसके अलावा आबकारी विभाग ने जानकारी दी कि भांग के सभी ठेके निरस्त किए जा चुके हैं। अवैध संचालन पर विभाग की ओर से कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने जिले में ड्रग की समस्या से निपटने में युवाओं और महिलाओं की भागीदार सुनिश्चित करने एवं जागरूकता अभियान चलाने के लिए निर्देश दिए हैं तथा नशा मुक्त भारत अभियान की सफलता के क्रम में सभी कार्यालयों के कार्मिकों, स्कूल एवं कॉलेज में नशा विरुद्ध अभियान की प्रेरणा स्वरूप एक शपथ दिलाने के निर्देश दिए।

खैरथल तिजारा में नशीले पदार्थों की रोक के लिए एसपी मनीष कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई।

दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार

दूदू। स्थानीय थाने की पुलिस ने फायरिंग कर हत्या का प्रयास करने के प्रकरण में 25-25000 रूपए के दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण राशि डोगरा ने बताया कि गत वर्ष 13 नवंबर को मालपुरा रोड पर जितेंद्र सिंह के मकान पर आरोपियों द्वारा अंधाधुंध फायरिंग की जाकर फरार हो गए थे । पश्चात पुलिस द्वारा टीम में गठित की गई तथा फरार आरोपियों परिणाम घोषित किया गया बुधवार को आरोपी धन सिंह और शिवराज सिंह अजमेर गांव सराना को अजमेर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लिया थाना निरीक्षक मुकेश कुमार खराडिया ने बताया कि आरोपियों पर विभिन्न जिलों में 53 प्रकरण दर्ज हैं जयपुर ग्रामीण में चार प्रकरण दर्ज हैं गिरफ्तार के बाद पुलिस ने आरोपियों को बाजार में जुलूस निकालकर आमजन को कानून के प्रति जागृत किया।

जूनसिया गांव में शहीद महेन्द्र सिंह शेखावत की मूर्ति का अनावरण

- विकास कार्यों और शहीदों की वीरता पर जोर
- बच्चों-युवाओं को प्रेरणा का संदेश

चौमूं / कालाडेरा (निंस) ग्राम जूनसिया स्थित शहीद स्मारक परिसर में बुधवार को शहीद महेन्द्र सिंह शेखावत की प्रतिमा का भव्य समारोह में अनावरण किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ रहे। इस अवसर पर राठौड़ ने भारतीय सेना की वीरता, सर्जिकल स्ट्राइक और आतंकवाद के खिलाफ किए गए अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि शहीदों का बलिदान राष्ट्र की सबसे बड़ी धरोहर है। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति बन चुका है और इसके पीछे हमारे जवानों का अदम्य साहस है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने शहीद महेन्द्र सिंह शेखावत के जीवन से प्रेरणा लेने का आ ान किया। सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर ने कहा कि शहीद किसी जाति या परिवार के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए जन्म लेता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकुमार देवायूष सिंह ने की। उन्होंने कहा कि शहीद महेन्द्र सिंह का बलिदान यह गांव और क्षेत्र कभी नहीं भूल पाएगा। जयपुर ग्रामीण लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चोपड़ा ने कहा कि शहीदों की प्रतिमाएं बच्चों और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। उनसे प्रेरणा लेकर युवा देश का नाम रोशन करने का संकल्प लें। इस मौके पर अतिथियों ने शहीद महेन्द्र सिंह शेखावत की प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम में खंडेला विधायक सुभाष मील, फुलेरा विधायक विद्याधर चौधरी, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अभिमन्यु सिंह राजवी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रदेश महामंत्री छुट्टन यादव, कांठोस नेता राजेश ककरालिया, ब्रिगेडियर वीरेंद्र सिंह राठौड़, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी जयपुर कर्नल जयदेव सिंह राठौड़ श्री श्री राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराणा डूंगरी कला के जयरामपुरी धाम के महंत श्री श्री 1008 श्री हीरापुरी जी महाराज, बढ़ पिपली बालाजी धाम झोटवाड़ा के महंत परमेंद्रनाथ महाराज, पलसाना आश्रम के महंत मनोहरशरण, केदारनाथ धाम से डमरूवाले बाबा, नोपूरा आश्रम से बम महाराज सहीत शहीद परिवार से शहीद के पिता विजय सिंह, माता प्रकाश कंवर, धर्मपत्नी उषा कंवर, बहन रक्षा कंवर, किशनगढ़ रेनवाल प्रधान संतोष वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष अमित ओसवाल, पूर्व प्रधान गजेन्द्र सिंह खंगारोत, ईटावा सरपंच बजरंग लाल शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष बाबूलाल यादव, रलावता सरपंच गोधाराम जाखड़, पूर्व कृषि उपज मंडी चौमू के अध्यक्ष सांवरमल चौधरी, लालासर सरपंच छोटूराम कुमावत, मोती सिंह सांवली उद्योगपति विक्रम सिंह साचौरा दिलीप सिंह मेहरौली शिक्षाविद दौलत सिंह खंगारोत सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

बच्चे का शव सरसों के खेत मिला

डीग भरतपुर (निस)। जुरहरा थाना क्षेत्र के ग्राम अहलवाड़ी में मंगलवार की शाम को घर के बाहर खेल रहे नाबालिग बच्चे के गुम हो जाने के बाद बुधवार को गांव के ही एक सरसों के खेत में पुलिस को बच्चे का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

गुरुवार को जुरहरा थाना पुलिस ने क़स्बे के राजकीय किरोड़ीलाल स्वर्णकार अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया है जिसके बाद परिजनों ने शव को दफना दिया। मिली जानकारी के अनुसार तैयब पुत्र कमरूद्दीन जाति मेव निवासी ग्राम अहलवाड़ी थाना जुरहरा का नाबालिग लड़का माहिर उम्र 04 साल मंगलवार की शाम समय करीब 4:00 बजे घर के बाहर खेल रहा था जो अचानक गायब हो गया जिसको ग्रामीणों के द्वारा काफी तलाश भी किया गया लेकिन सफलता नहीं मिलने पर माहिर के गुम होने की शिकायत जुरहरा थाने में दर्ज कराई गई। शिकायत पर कार्यवाही करते हुए जुरहरा थाना पुलिस द्वारा बच्चे की तलाश शुरू की गई और तलाश के दौरान बुधवार की शाम को पुलिस ने गुमशुदा बच्चे के शव को गांव के ही सरसों के एक खेत में से बरामद करते हुए उसके शव को जुरहरा के राजकीय किरोड़ीलाल स्वर्णकार अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया।

सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला का शुभारंभ

कलेक्ट्रेट परिसर टोंक में सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला का शुभारंभ किया गया।

टोंक। राजस्थान सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन एव राजीविका द्वारा सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला का शुभारंभ कलेक्ट्रेट परिसर टोंक में किया गया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानुका, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललित कुमार, सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग के द्वारा मेले का शुभारंभ किया गया। राजीविका एव अन्य विभाग के द्वारा महिलाओं के द्वारा बनाये गए उत्पाद की 55 स्टॉल लगायी गई।

जहां अतिथियों ने अवलोकन कर खरीददारी की। राजसखी मेले में महिलाओं द्वारा तैयार उत्पाद अगरबत्ती, साबुन, सर्फ, शहद, नमकीन, राजपूती पोशाक, सनेटरी नैपकिन, सजावटी वस्तुए तथा विभिन प्रकार के परिधान की स्टॉल लगायी गई। मेले में दिनभर ग्रामीण और शहरी लोगो की आवाजाही रही जिसमे से राजीविका की लगभग दो सौ महिलाओं ने भाग लिया। मेले में राजीविका से डीएम नॉनफार्म हेमराज बैरवा, डीएम आईबी मुरारी लाल, डीएम एफआई ओमप्रकाश, डीएम आजीविका नेराजी गुर्जर तथा उनियारा ब्लॉक परियोजना प्रबंधक उमेश शर्मा उपस्थित रहे।

पट्टे की मांग को लेकर युवक मोबाइल टावर पर चढ़ा

पावटा। विराटनगर पंचायत समिति क्षेत्र की आंतेला ग्राम पंचायत में पट्टे की मांग को लेकर एक युवक प्रहलाद योगी के मोबाइल टावर पर चढ़ने का मामला सामने आया।

जानकारी के अनुसार युवक अल सुबह अपने घर के पट्टे की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ गया, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस बल एवं पंचायत प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। युवक को समझाने का प्रयास लगातार किया गया। करीब 6 घंटे तक चले समझाइश के दौर के बाद प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासन पर युवक मोबाइल टावर से नीचे उतरने को राजी हुआ।

प्रशासन की सतर्कता और सूझबूझ से किसी भी तरह की अनहोनी टल गई। युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के बाद प्रशासन ने उसकी मांगों पर नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिलाया। घटना के दौरान बडी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए थे। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कानून एवं प्रशासनिक प्रक्रिया का सहारा लें और इस प्रकार के जोखिम भरे कदम न उठाएं।

5 हजार लीटर वॉश नष्ट की

भरतपुर (निस)। आबकारी आयुक्त राजस्थान उदयपुर द्वारा चलाए गए विशेष अभियान की पालना में अतिरिक्त आबकारी आयुक्त व लखन व्यास एईओ ईपीएफ के निर्देशन में गांव सहसन, बमनवाडी व सुन्दरावली में रेड गस्त की गई।

जिला आबकारी अधिकारी भरतपुर राजीव शर्मा ने बताया कि निरोधक दल सहायक आबकारी अधिकारी लखन व्यास के नेतृत्व में संयुक्त रेड गस्त की गई। जिसमें रूप सिंह प्रहराधिकारी आबकारी थाना डीग व अतिरिक्त चार्ज आबकारी थाना सीकरी मय जाब्ता ने गांव सहसन, बमनवाडी, जुरहरा, इन्द्रौली, कामां, सोनोखर व सुन्दरावली में रेड गस्त की एक मुल्जिम मौका पाकर फरार हो गया तथा पूर्व से फरार एक मुलजिम को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गस्त के दौरान 5 हजारा लीटर वॉश एवं 7 भट्टी को नष्ट किया गया तथा 52 लीटर हथकड शराब बरामद की। जिसमें 1 प्रकरण विशेष श्रेणी का आबकारी थाना डीग में दर्ज किया गया।

सालासर बालाजी की महिमा से अनुप्राणित 'संजीवनी शतक' का लोकार्पण

मानपुरा माचेडी। राजस्थान की लोकआस्था एवं भक्ति परंपरा के प्रमुख केन्द्र श्री सालासर बालाजी धाम से अनुप्राणित संस्कृत काव्यठांथ 'संजीवनी शतक' का भव्य लोकार्पण समारोह बिलोंची में सम्पन्न हुआ। यह कृति संस्कृत के मूर्धन्य विद्वान, संस्कृत साधना शिखर सम्मान से सम्मानित आशुकवि पण्डित रामस्वरूप दोतोलिया, संस्थापक आचार्य-राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय, बिलोंची (जयपुर) द्वारा रचित है। समारोह के मुख्य अतिथि वेद-मर्मज्ञ, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के पूर्व कुलपति तथा वर्तमान में अपैक्स विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति प्रो. सोमदेव शतांशु रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के पूर्व निदेशक प्रो. वाई. एस. रमेश ने की। विशिष्ट अतिथियों में प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य वरिष्ठ पत्रकार डॉ. एल. सी. भारतीय, सालासर बालाजी मंदिर के पुजारी रामवतार पुजारी, कमल पुजारी ग्राम बिलोंची के सरपंच/प्रशासक मामराज गुर्जर, अपैक्स विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. पंकज शर्मा, पूर्व निरीक्षक संस्कृत शिक्षा रमेश वशिष्ठ, सोहन दोतोलिया डॉ. सीताराम दोतोलिया, एडवोकेट रामशंकर शर्मा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि प्रो. सोमदेव शतांशु ने कहा कि 'संजीवनी शतक' जैसी कृतियाँ भारतीय भक्ति-साहित्य की परंपरा को सुदृढ़ करती हैं तथा संस्कृत को लोकजीवन से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनती हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. वाई. एस. रमेश ने कहा कि श्री सालासर बालाजी सम्पूर्ण राष्ट्र की जनआस्था के प्रेरणास्त्रोत हैं। हनुमानजी का यह स्वरूप सेवा, शौर्य, त्याग और श्रद्धा का जीवंत प्रतीक है।

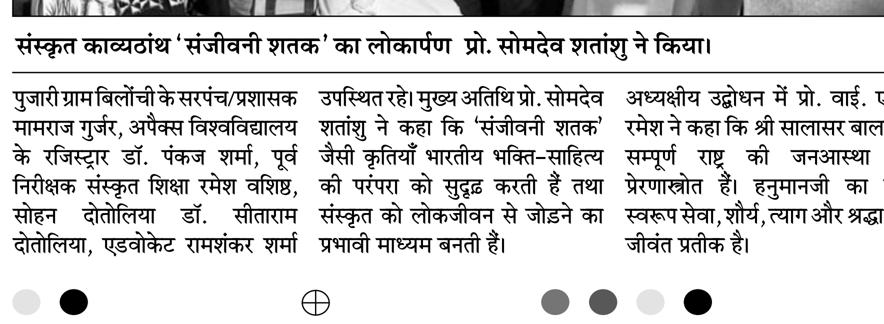

संस्कृत काव्यठांथ 'संजीवनी शतक' का लोकार्पण प्रो. सोमदेव शतांशु ने किया।

रक्तदान शिविर

मनोहरपूर । मनोहरपुर में 22 दिसंबर को विधायक मनीष यादव के जन्मदिन और रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए नगर कांग्रेस कमेटी, मनोहरपुर के कार्यकर्ताओ की बैठक का आयोजन किया गया, इस दौरान नगर अध्यक्ष अल्लाउद्दीन खा, सेवादल अध्यक्ष राकेश हलकारा, सामाजिक कार्यकर्ता महेश जड़वाल, युवा नेता कैलाश जुर्जर आदि ने अपने विचार रखे।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल राजेश कुमार छीपा पुत्र श्री कैलाश चन्द छीपा तथा बीना देवी पत्नी कैलाश चन्द छीपा की पुत्री / पोत्री रिया छीपा उनके कहे में नही है और वह अपनी मर्जी के अनुसार ही जिन्दगी जी रही है तथा रिया ने अपनी मर्जी मुताबिक मेरे मुवक्किलान अनुमति के बिना अपना विवाह कर लिया है जिस कारण मेरे मुवक्किलान ने अपनी उक्त पुत्री / पोत्री रिया छीपा को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से एवं अपने परिवार से बेदखल कर दिया है जो कोई व्यक्ति रिया छीपा से किसी भी तरह का संव्यवहार व लेन-देन करेगा उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा कृपया सूचित रहे। दिनांक (गणेश बूसर) एडवोकेट मो.नं. 9782928868

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य शिवराम सिंह पुत्र श्री सम्पत सिंह के स्वामित्व की अचल सम्पत्ति प्लॉट नम्बर-253, गणेश विहार, विजयपुरा, आगरा रोड, जयपुर मे स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 138.88 वर्गगज़ है। जिसे पूर्व मे नन्दकंवर पत्नी सम्पत सिंह ने जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र 16.03.2012 को खरीदा। नन्दकंवर के देहान्त के बाद उक्त सम्पत्ति पर उनके विधिक उत्तराधिकारियों में सम्पत सिंह, शिवराम सिंह, गजराज सिंह राजावत संयुक्त मालिक, स्वामी व अधिकारी काबिज हुये तथा 26.11.2025 को सम्पत सिंह, गजराज सिंह राजावत ने उक्त सम्पत्ति पर अपना हिस्सा शिवराम सिंह के हक मे रजिस्टर्ड हकत्याग कर दिया। यदि सर्वसाधारण या रिश्तेदारों को उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध मे आपत्ति हो तो 7 दिवस मे इन नम्बरो 9785212125, 8890917832 पर सूचित करें। जयपुर दिनांक-18.12.2025 (वेद प्रकाश वर्मा) एडवोकेट मोबाईल नम्बर- 8890917832

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर- 0141-4901853
क्रमांक : 4870 **आम जाहिर सूचना** दिनांक : 09.12.2025
राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर द्वारा बेसमेंट दुकान संख्या 3/BS/9 शिवम अपार्टमेंट योजना - जवाहर नगर जयपुर, क्षेत्रफल 18.900 वर्ग मीटर का आवंटन श्रीमती कोयल कर्नावट पत्नी श्री जतन कर्नावट को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3187 दिनांक 21.07.2015 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 4296 दिनांक 11.09.2015 जारी किया गया था। उनके द्वारा बेसमेंट दुकान का भौतिक कब्जा दिनांक 20.11.2017 को प्राप्त कर लिया गया था। श्रीमती कोयल कर्नावट की मृत्यु दिनांक 16.11.2019 को हो जाने के कारण श्री सुदर्शन कर्नावट पुत्र श्री जतन मल कर्नावट के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की छाया प्रति, शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति, सजरा रिपोर्ट प्रस्तुत कर उक्त बेसमेंट दुकान का प्रतिस्थापन अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है। अत: उक्त बेसमेन्ट दुकान के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति / बैंक / संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री सुदर्शन कर्नावट पुत्र श्री जतन मल कर्नावट के पक्ष में बेसमेन्ट दुकान के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी। सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ. मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत–प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
कमांक:- 9156 **जाहिर आम–सूचना** दिनांक 18/12/25
श्री जगदीश सिंह पुत्र श्री बाला सिंह एवं श्रीमती सरस्वती पत्नी श्री जगदीश सिंह को वरियता क्रमांक P-II/G.V/HIG-II/SFS/VILLA/2023 ग्रीनवुड मिशन सेक्टर-28 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर में निर्धारित किया जाकर आरक्षण पत्र क्रमांक 3252 दिनांक 26.06.2025 को जारी किया गया। तत्पश्चात आवास आवंटन लॉटरी दिनांक 07.11.2025 के द्वारा आवास संख्या 28/GWM-60 (VILLA) आवंटित किया गया। श्री जगदीश सिंह की मृत्यु दिनांक 15.09.2025 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती सरस्वती पत्नी श्री जगदीश सिंह ने उक्त सम्पूर्ण पंजीकरण/ आवंटन को अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। अतः उक्त सम्पूर्ण आवास/ फ्लैट का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/ पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती सरस्वती पत्नी श्री जगदीश सिंह का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम राज. आवासन मण्डल, जयपुर

न्यायालय सिविल न्यायाधीश, हिण्डौनसिटी
आम जनता नईमण्डी हिण्डौन जरिये निरंजनलाल आदि **बनाम** अधिशाषी अभियंता पीएचईडी आदि
दावा/प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा
यहकि उपरोक्त उनवानी प्रकरण न्यायालय सिविल न्यायाधीश हिण्डौन के यहां आम जनता नईमण्डी हिण्डौन की ओर से निरंजनलाल आदि वादीगण द्वारा अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग आदि के विरूद्ध प्रतिनिधिक वाद के अनुसरण में पेश किया है व उसके साथ प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा भी पेश की है। जिसके सम्बंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या कोई प्रतिवाद पेश करना हो तो वे न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20.12.2025 को उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। बसूरत दीगर विधि अनुरूप निस्तारित फरमा दिया जावेगा। आज दिनांक 16.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
आज्ञा से-सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट हिण्डौन सिटी जिला करौली (राज.)

कार्यालय चिकित्सा अधिकारी प्रभारी सामु.स्वा.केन्द्र, किशनगढबास
क्रमांक-529 दिनांक-18.12.2025
सामु.स्वा.केन्द्र किशनगढ बास के आदेश क्रमांक निविदा/2026/516 दिनांक 10.12.2025 द्वारा निविदा प्रक्रिया अपरिहार्य कारणों के कारण आगामी आदेशों तक निरस्त की जाती है।
चिकित्सा अधिकारी प्रभारी सामु.स्वा.केन्द्र किशनगढबास

आम-सूचना
[illegible]
दिनेश जोशी अधिवक्ता, गोविन्द नगर दौसा मो. न. 9414494445

सार्वजनिक सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
[illegible]

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
[illegible]
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर प्रथम

न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश क्रम संख्या-1, गंगापुर सिटी
अशोक कुमार बनाम हरखवास आम
प्रार्थना-पत्र बाबत जारी किये जाने उत्तराधिकारी प्रमाण-पत्र
मुकदमा नम्बर
नोटिस हरखास आम
[illegible]
आज्ञा से अपर जिला न्यायाधीश सं.1 गंगापुर सिटी

कार्यालय ग्राम पंचायत ऐबरा, पंचायत समिति- मलारना डूंगर जिला- सवाई माधोपुर
क्रमांक- 2025-26/36 दिनांक 12/12/2025
ई-निविदा सूचना संख्या - 05/2025-26
[illegible] www.eproc.rajasthan.gov.in [illegible]
प्रशासक ग्राम पंचायत ऐबरा — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत ऐबरा

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय
कार्यालय भू-सम्पत्ति अधिकारी, जोबनेर 303329, जिला जयपुर (राजस्थान) फोन व फैक्स नं. 01425-254982
No.:- F.13/SKNAU/EO/TENDER/2025-26/1705-08 दिनांक:- 16/12/2025
निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर में COA, Navgaon मे Additional work of Quarter repair के कुल लागत 9.80 लाख के एक कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में द्वि लिफाफा पद्धति से मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। बिड से सम्बधित विवरण वेब साईट http://sppp.raj.nic.in, eproc.rajasthan.gov.in तथा www.sknau.ac.in पर देखा जा सकता है। बिड की अन्तिम दिनांक 22.12.2025 समय अपराह्न 02.00 बजे तक है।
UBN: SKN2526WSOB00339
राज.संवाद/सी/25/16035 भू-सम्पत्ति अधिकारी

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. AGRICULTURE UNIVERSITY) Kumher, Distt.- Deeg, PIN- 321201
No.:- F. /E Tender/COA-K/2025/6327 Dated :- 17/12/2025
NOTICE INVITING E-BID
Bids are invited up to 05.00 P.M. of 01.01.2026 for Supply & Installation of various Laboratory Equipment's & other items at College of Agriculture, Kumher (Deeg). The details available in the Bidding Documents which can be availed from the office of The Dean, College of Agriculture, Kumher (Deeg) 321201 or can be accessed or downloaded from State Procurement Portal website sppp.raj.nic.in or https://eproc.rajasthan.gov.in or university website www.sknau.ac.in. The bidders after filling up properly can be uploaded on website https://eproc.rajasthan.gov.in along with payment of Rs. 1500/- through banker's cheque/demand draft in favour of Dean, College of Agriculture, Bharatpur. UBN : SKN2526GLOB00342
Raj.Samwad/C/25/16039 DEAN

संक्षिप्त

तीन आरोपी गिरफ्तार

अलवर। सरिस्का बाघ परियोजना की अकबरपुर रेंज में नर सांभर के शिकार मामले में वन विभाग ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से शिकार में प्रयुक्त एक बंदूक भी जब्त की गई है। अकबरपुर रेंजर राजेंद्र शर्मा ने बताया कि यह घटना 24 नवंबर को वन खंड पृथ्वीपुरा स्थित छिला वाला एनीकट के पास हुई थी। इस मामले में कुल सात आरोपियों को चिन्हित किया गया है। इनमें से दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जा चुका है, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था। बुधवार को गिरफ्तार किए गए तीसरे आरोपी की पहचान हारून के रूप में हुई है।

सुशासन सप्ताह 19 से

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि 19 से 25 दिसम्बर तक सुशासन सप्ताह मनाया जाएगा, जिसके तहत जिले में आयोजित हो रहे ठाामीण सेवा शिविर के फोलोअप कैम्प के साथ लोक शिकायतों के निस्तारण एवं उन्नत सेवा प्रदायगी के लिए प्रशासन गांव की ओर शिविर आयोजित किए जाएंगे।

सरपंच ने मीणा महासभा के नव नियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई

सिकराय। आदिवासी मीणा महासभा की जिला बैठक कडी की कोठी घूमना में आयोजित की गई बैठक में महासभा की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह एवं सामाजिक कुरीतियों को दूर करने व शिक्षा पर विशेष जोर जैसे मुद्दों पर आयोजित की गई । जिला बैठक की अध्यक्षता गंगासाहय सरपंच नारखोरा ने की ।

नवनियुक्त पदाधिकारी को महासभा के जिला अध्यक्ष हरिया सरपंच द्वारा शपथ दिलाई। नवनियुक्त पदाधिकारी जिसमें जिला संगठन महामंत्री मुखराज मीना एडवोकेट एवं तहसील महासचिव हरसहाय कोठिन बनवारी सरपंच चांदेरा व विक्रम सांथा सिकराय तहसील अध्यक्ष कमल मीणा सरपंच नांदरी है मुख्य वक्ता के रूप में मुरारी सरपंच ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाज में तेजी से फैल रहे नशे को लेकर युवाओं को रोकथाम हेतु आगे आने के लिए कहा और नशे से वर्तमान में हो रहे सामाजिक नुकसान पर प्रकास डाला नशा नास की जड़ है नशे के दुष्परिणामों के बारे में सभी को आगाहा किया किस प्रकार भविष्य मे आगे आने वाली पीढ़ी के पतन का मुख्य कारण बन रहा है ।

कंचन लाल रिटायर्ड ने बताया कि समाज में लगातार हो रहे युवाओं

राजस्थान आदिवासी मीणा महांसभा की जिला बैठक का आयोजन हुआ ।

■ नशे की रोकथाम के लिए समाज के युवा आगे आए

के विवाह विच्छेद समाज के लिए बड़ा चिंताजनक विषय है इस पर सभी को एकजुट होकर सुधार की आवश्यकता है साथ ही उन्होंने कहा की विवाह विच्छेद का मुख्य कारण आपसी तालमेल की कमी नजर आ रही है साथ ही इसमें दोनों परिवार आपस में बच्चों में सामंजस बिठाने में असफल रहे हैं यह भविष्य में बहुत चिंताजनक विषय है बनता जा रहा है इसलिए सभी को सजक रहने के लिए आठाह किया गया और शांति से अपने रिश्ते बचाने की अपील की गई। मुखराज मीणा एडवोकेट ने समाज की युवा पीढ़ी के बच्चे और बच्चिया सोशल मीडिया पर बढ़ते रील्स के क्रेज पर चिंता जताई । कमल सरपंच नांदरी तहसील अध्यक्ष ने सभी सामाजिक पंच पटेलो को एक होकर सभी कुर्तियां पर विराम लगाने के लिए अपील की गई । हरिया सरपंच जिला अध्यक्ष ने सभा को संबोधित करते हुए सभी को समाज के प्रति समर्पित होकर आने वाली पीढ़ी के भविष्य को ध्यान में रखकर एसटी वर्ग को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आव्हान किया ।

भूरिया पटेल रामधन पटेल श्रीफल पटेल राजाराम पटेल तेजराम पटेल चौथीराम सरपंच रामपुर भोपा मंगल राम मुरारी सरपंच हेमाराम पटेल अंगद राम सरपंच पहलाद सरपंच बनवारी सरपंच गिर्राज घूमने मगनलाल मीडिया कांजी पटेल ने सभा को संबोधित किया इस दौरान लोकेश बजेडा भजनलाल मीडिया रामनिवास कोठीन चिरंजीलाल बैजू पडा शिवराम महेश्वर महेश गुरूजी शीशराम गुरुजी बद्री सरपंच मिश्रीलाल करोडी शिवलाल नेता रामचरण और सैकडों की संख्या में सामाजिक पंच पटेल मौजूद रहे । मंच संचालन महेश दांतली द्वारा किया ।

सार-समाचार

खेत से केबल सहित स्टार्टर चोरी

पावटा । विराटनगर क्षेत्र में ग्रामीण व किसान चोरों से परेशान है । विराटनगर क्षेत्र में आए दिन चोरियां हो रही है। बीती रात भी थाना क्षेत्र के मेड ग्राम के मालीवाड़ा में चोरों ने एक किसान के खेत से केबल और स्टार्टर सहित सिंचाई के उपकरण ले गए। किसान लालाराम सैनी ने बताया कि सुबह जब वह अपने खेत में आया तो देखा कि स्टार्टर के बॉक्स से स्टार्टर, कटआउट, ऑटो, घड़ी , केबल सहित सिंचाई के उपकरण गायब है। वहीं मौजूद किसानों ने बताया कि गांव में अधिकतर किसानों के घरों में खेतों से पानी आता है। किसानों ने बताया कि हर बार चोरी की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद भी अभी तक इतनी चोरी होने के बाद भी विराटनगर पुलिस ने चोरी का खुलासा तो दूर चोरियों पर अंकुश तक नहीं लगा पा रही है । जिससे विराटनगर क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद है। थाने में सूचना देने के बावजूद केवल औपचारिकता निभाई जाती है, न तो मौके पर गंभीर जांच होती है और न ही चोरों की तलाश में तेजी दिखाई जाती है। इससे किसानों में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में रात्री गश्त नाम मात्र की है, जिसका फायदा असामाजिक तत्व उठा रहे हैं। चोरी की बढ़ती वारदातों से किसानों की मेहनत और आजीविका पर सीधा असर पड रहा है। इसी महीने 5 दिसंबर को भी सोठाना ग्राम के गोपीपुर में एक किसान की बकरियां चोरी हो गई थी । ग्रामीणों ने पुलिस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया था वह धरना भी लगाया था पुलिस ने 15 तारीख का चोरों को पकड़ने का आश्वासन दिया था।

सीएम को जन्मदिन पर बधाई

पावटा । राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के सेवा, सुशासन एवं विकास के दो स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के अवसर तथा प्रदेश के विकासपुरुष, भागीरथ, यशस्वी एवं कर्मशील मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी, शाहपुरा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से आत्मीय भेंट कर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर रत्ना कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी एवं सशक्त नेतृत्व में राजस्थान निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, पारदर्शी प्रशासन तथा विकासोन्मुख नीतियों से प्रदेश के हर वर्ग को लाभ मिल रहा है। उन्होंने ईश्वर से मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर यशस्वी नेतृत्व की कामना की।

जेल से रिहाई पर समर्थकों ने जुलूस निकाला, 4 युवक गिरफ्तार

किशनगढ़ बास। किशनगढ़ बास उपकारागृह में बंद भिवाड़ी के फूलबाग थाना क्षेत्र के आरोपियों की बुधवार शाम रिहाई के दौरान कानून-व्यवस्था भंग करने की कोशिश का मामला सामने आने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर 4 युवकों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की जमानत पर रिहाई की सूचना पर उनके समर्थक लग्जरी गाड़ियों में सवार होकर जेल परिसर के बाहर स्वागत करने पहुंचे थे।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों के बैंक खातों, साइबर गतिविधियों एवं आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर रही है। वहीं मौके से फरार अन्य लोगों, जब्त वाहनों के मालिकों तथा पूरे घटनाक्रम से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है।

■ भिवाड़ी फूल बाग थाना क्षेत्र के आरोपियों की किशनगढ़ बास जेल से रिहाई होने पर पहुंचे थे युवक

जानकारी के अनुसार जब आरोपियों की रिहाई पर जुलूस निकालने और हवाबाजी की तैयारी की भनक किशनगढ़ बास थाना पुलिस को लगी, तो पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। पुलिस को देखकर कुछ लोग फरार हो गए, जबकि चार युवकों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही उपकारागृह के बाहर खड़ी सात संदिग्ध गाड़ियों को भी जब्त कर लिया गया। खैरथल-तिजारा पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के निर्देशन एवं पुलिस उपाधीक्षक लाल सिंह यादव के सुपरविजन में किशनगढ़ बास थाना अधिकारी बनवारी लाल मीणा के नेतृत्व में यह प्रभावी कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई फूलबाग थाना भिवाड़ी में दर्ज एम वी एल सोसायटी के पास दो पक्षों के बीच हुए आपसी झगड़े के मामले में हत्या के प्रयास के आरोप में पूर्व से गिरफ्तार आरोपियों की जमानत पर रिहाई के दौरान की गई।

पुलिस ने मौके से विनोद दायमा पुत्र शमशेर सिंह दायमा गुर्जर (32 वर्ष) निवासी सैदपुर थाना फूलबाग भिवाड़ी, प्रदीप सैनी पुत्र विनोद सैनी (18 वर्ष) निवासी गंज किशनगढ़ बास, अशोक कुमार पुत्र विजय कुमार गुर्जर (34 वर्ष) निवासी नांगल रानिया थाना मुंडावर तथा सौरभ पुत्र सुनील गुर्जर (18 वर्ष) निवासी सैदपुर थाना फूलबाग भिवाड़ी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

3 छात्रों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

चाकसू । राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के तत्वाधान में आयोजित अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कस्बे के कस्तूरी देवी कॉलेज के खिलाड़ियों ने सर्वाधिक 19 मेडल प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वहीं तीन खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ है।

कॉलेज के सह निदेशक सुमित शर्मा ने बताया कि खिलाड़ियों ने लगातार 5 वर्षों से एथलीट प्रतियोगिता में टीम चैंपियनशिप बरकरार रखता आ रहा है।जिसमे योगेश गर्जर, विकास चौधरी, विकास कुमार गुर्जर, जुझार सिंह, मोहन सिंह, मनराज मीना, सुनिल यादव, पवन ने गोल्ड मेडल प्राप्त किये। जिसमे से 3 विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ। कॉलेज सभी खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करता है। इस अवसर पर कॉलेज निदेशक राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, ने सभी खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया व उनके उज्जवल भविष्य कि कामना कि कोच महेश योगी ने खिलाडियो को प्रोत्साहित किया।

विकास प्रदर्शनी का समापन

भरतपुर (निस)। राज्य सरकार के सफल दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले में आयोजित किए जा रहे विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत बीडीए ऑडिटोरियम में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय विकास प्रदर्शनी का गुरुवार को समापन हुआ। समापन दिवस पर प्रदर्शनी में उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। बड़ी संख्या में आमजन एवं विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों, उपलब्धियों एवं नवाचारों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

अंतिम दिन शिक्षा भारती बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की लगभग 100 छात्राओं ने प्रदर्शनी का भ्रमण किया। विद्यालय की कक्षा बारहवीं की सपना सिंह, कक्षा ग्यारहवीं की रेणु दीक्षित, सोनम कुंतल, कक्षा दसवीं की राशि सहित अन्य विद्यार्थियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का गहनता से अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास सहित अन्य विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उत्सुकता के साथ प्राप्त की। स्टॉलों पर प्रदर्शित विकास मॉडल, सूचना पैनल, योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट एवं नवाचारों ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से आकर्षित किया।

■ बड़ी संख्या में आमजन एवं विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों, उपलब्धियों एवं नवाचारों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

विद्यार्थियों ने विभागीय अधिकारियों से संवाद कर योजनाओं की पात्रता, लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी ली। विद्यार्थी सपना सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा युवाओं, महिलाओं, किसानों एवं श्रमिक वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए प्रभावी कार्य किए गए हैं। शिक्षा, पेयजल, सडक निर्माण, बिजली एवं चिकित्सा सुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है तथा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जा रहा है। वहीं रेणु दीक्षित ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया गया है, जिससे प्रदेश को हरा-भरा बनाने की दिशा में सार्थक पहल हुई है।

भरतपुर जिले में अनेक विकास कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा कई कार्य प्रगति पर हैं, जिससे आने वाले समय में नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी।

सेल्फी पॉइंट बना आकर्षण का केंद्र : प्रदर्शनी परिसर में स्थापित मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सेल्फी पॉइंट विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा, जहां राशि, नंदिनी, वैष्णवी, सीमा, रेखा, ममता विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक फोटो खिंचवाए। इस अवसर पर सूचना एवं संपर्क विभाग के द्वारा राज्य सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।

सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा प्रचार-प्रसार सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक लेखाधिकारी नवीन कुमार पहाड़िया, सहायक प्रशासनिक अधिकारी मनोज मीणा, वरिष्ठ सहायक रश्मि कुमारी, सूचना सहायक सुनील शर्मा, कनिष्ठ सहायक चंचल, दीपक शर्मा, लुकमान, भीम सिंह गुर्जर सहित विभागीय कार्मिक उपस्थित रहे।

सांभरझील में पेंशनर्स के हितों के लिए संघर्ष करने का आव्हान

सांभरझील, (निसं)। राजस्थान पेंशनर्स समाज उप शाखा साम्भर के द्वारा आर्य समाज भवन में डॉ . ज्ञान प्रकाश दायमा की अध्यक्षता में पेंशनर दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने पेंशनर्स दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला । मुख्य संरक्षक डॉ. ओमप्रकाश दायमा ने पेंशनर्स के हितों के लिए संघर्ष करने तथा पेंशनर्स को उनके अधिकार दिलाने वाले मसीहा डीएस नकारा के विग्रह पर माल्यार्पण कर पेंशनर्स के लिए उनके योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम में पेंशनर्स की समस्याओं पर विचार मंथन किया गया तथा उनका निराकरण किया गया।।कार्यक्रम के समापन के उपरांत सभी पेंशनधारकों ने पूर्व वेतन आयोगों के अनुरूप ही आठवें वेतन आयोग में भी पेंशनभोगियों को लाभ दिए जाने हेतु पुनर्विचार करवाने एवं तद्नुसार संशोधित संदर्भ की सूची जारी कराने बाबत उपखंड अधिकारी के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री व वित् मंत्री को ज्ञापन दिया। इस अवसर पर रामलाल गुर्जर पन्नालाल गोठवाल,आनंद प्रकाश दायमा, बाबूलाल चावला, मूलचंद चावला शरद भटनागर नफीसउल हसन उस्मानी, सीताराम बरड, मूलचंद वर्मा, रवि शंकर सामरिया, नंद कुमार प्रजापति, रामेश्वर लाल कुमावत, ओम प्रकाश मालाकार, श्रीकृष्ण शर्मा, गौरीशंकर जांगिड, वैद्य गोविंद नारायण, दुर्गा लाल निरंजन सूत्रकार, आसकरण वर्मा की मौजूदगी रही।

सांभर में पेंशनर्स समाज ने अपनी मांगों को लेकर एसडीएम को ज्ञापन दिया।

मोर्चरी के बाहर हंगामा

भरतपुर । एक व्यक्ति के शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए परिजनों को 5 घंटे से ज्यादा इंतजार करना पडा। पुलिस समय पर नहीं पहुंची, जिससे नाराज परिजनों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। परिजनों और पुलिसकर्मियों में नोंक-झोंक भी हुई। बाद में थाना प्रभारी पहुंचे, तब जाकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू हुई। मृतक के परिजन जीतू सिंह ने बताया कि उनके ताऊ का लड़का हरेंद्र पुत्र चरण सिंह अपने दोस्त राघव सिंह के साथ बुधवार रात 8रू30 बजे स्कूटी पर चिकसाना की ओर गए थे.जहां अज्ञात वाहन की टक्कर से हरेंद्र की मौके पर मौत हो गई जबकि दोस्त राघव गंभीर घायल हो गया.चिकसाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची.दोनों को आरबीएम अस्पताल लेकर आई.जहां मृतक के शव को मोर्चरी में रखवाया वही घायल का उपचार आरबीएम अस्पताल के चल रहा है. गुरुवार सुबह 8 बजे परिजन मोर्चरी पहुंचे .लेकिन पांच घंटे से ज्यादा इंतजार करने के बाद जब चिकसाना थाना पुलिस नहीं पहुंची तो परिजनों का सब्र का बांध टूट गया.परिजनों ने पुलिस के खिलाफ नाराजगी जताई ।

मन्दिर के कायाकल्प के लिए 9.15 करोड़ रुपये मंजूर

चौमूं / कालाडेरा । जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा सामोद स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल वीर हनुमान जी (खोल) के दर्शनार्थियों की सुविधा और मन्दिर परिसर के सौंदर्यीकरण हेतु विभिन्न विकास कार्यों के लिए 9 करोड़ 15 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं स्वायत्त शासन विभाग मंत्री झाबर सिंह खर्रा का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है। जेडीए द्वारा मन्दिर क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टि से 2.52 करोड़ रुपये की लागत से रिटेनिंग वॉल बनाई जाएगी, सुरक्षा हेतु नई बाउंड्री वॉल का निर्माण और पुरानी दीवारों को ऊँचा करने का कार्य लगभग 1.87 करोड़ रुपये से किया जाएगा, श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन हेतु 96.58 लाख की लागत से सीसी रोड और 1.68 करोड की लागत से आधुनिक पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही इंटरलॉकिंग टाइल्स का कार्य 1.28 करोड रुपये और श्रद्धालुओं की

■ पूर्व विधायक शर्मा ने जताया मुख्यमंत्री एवं स्वायत्त शासन मंत्री का आभार

■ राजस्थान सरकार धार्मिक पर्यटन और आस्था के केंद्रों के संरक्षण हेतु निरंतर कार्य कर रही है

सुविधा हेतु दो नए टॉयलेट ब्लॉक्स 46.81 लाख रुपये का निर्माण भी शामिल है।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि राजस्थान सरकार धार्मिक पर्यटन और आस्था के केंद्रों के संरक्षण हेतु निरंतर कार्य कर रही है। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा सामोद मन्दिर के लिए स्वीकृत यह बजट न केवल यहाँ की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ करेगा, बल्कि इससे स्थानीय पर्यटन और रोजगार को भी बढावा मिलेगा।

स्थापना दिवस 26 को

चाकसू । मानवाधिकार सहयोग संघ (एडीसीए) अपने स्थापना दिवस के पावन अवसर पर 26 दिसंबर को एक भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन करने जा रहा है। यह आयोजन मानवाधिकारों की रक्षा, जन-जागरूकता एवं सामाजिक न्याय के संकल्प को समर्पित होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी. एस. चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव श्री राकेश कुमार तंवर, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष (नारी शक्ति) भारती स्वामी, प्रदेश अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश बागला, युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोक जाट एवं प्रदेश महासचिव श्री प्रीतम शर्मा के मार्गदर्शन एवं निर्णयानुसार एडीसीए परिवार द्वारा यह आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष अवसर पर सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम, सम्मान समारोह एवं विचार-विमर्श आयोजित किए जाएंगे । स्थापना दिवस समारोह का मुख्य उद्देश्य मानवाधिकारों के प्रति जनचेतना को सशक्त बनाना तथा संगठन द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों को जन-जन तक पहुँचाना है। यह भव्य आयोजन जाट महासभा भवन, चौमू, जयपुर में संपन्न होगा।

पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रभात फेरी निकाली

पावटा। राज्य सरकार के 02 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य मे पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को नर्मदा देवी बिहारी लाल जोशी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिता, वृक्षारोपण तथा प्रभात फेरी जैसे जागरूकता अभियान चलाए गए। इस दौरान चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिता में बच्चों एवं युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त समाज एवं हरित भविष्य का संदेश दिया। निर्णायक मंडल द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्थानों

■ राबाउमावि पावटा में पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

■ चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिता में बच्चों एवं युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

पर वृक्षारोपण किया गया, जिसमें नीम, पीपल, गुलमोहर एवं अन्य छायादार व फलदार पौधे लगाए गए। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने लगाए गए पौधों की देखरेख का संकल्प दिलाया। इसके अलावा सुबह के समय प्रभात फेरी निकालकर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। प्रभात फेरी के दौरान पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ, स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ जीवन जैसे नारे लगाए गए। कार्यक्रम में कार्यवाहक प्रधानाचार्य राजेश कुमार गुर्जर सहित वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह हमारी दैनिक जिम्मेदारी है। इस तरह के कार्यक्रमों से समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण मिलेगा। इस दौरान कार्यवाहक प्रधानाचार्य राजेश कुमार गुर्जर, एनएसएस प्रभारी नीतू जेवरिया, सुरेन्द्र स्वामी, राजेंद्र जाट, रामनिवास यादव, मधुसूदन शर्मा, सुमन यादव, हेमलता, सुनीता, राजेंद्र, रघुवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को जूते, जुराब बांटे

राजगढ । खंड क्षेत्र में कार्यरत सर्व समाज हैल्प टीम समिति की ओर से दुब्बी ग्राम के राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय में विद्यार्थियों को जूते जुराब वितरित किए। हेल्प टीम की इस पहल की सभी ने सराहना की। टीम के वरिष्ठ सदस्य दीनू डीलर, सीताराम अनावडा एवं संयोजक प्रकाश भाबला ने बताया कि सर्व समाज हेल्प टीम समिति राजगढ ने चतुर्थ चरण के दूसरे दिन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के सभी बच्चों को मिठाई खिलाकर नि:शुल्क चरण पादुकाएं जूते-जुराब वितरण किया । रेणू मीना प्रिंसिपल व ठाामीणों ने टीम के नेक कार्य की भुरी भुरी प्रशंसा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता टीम अध्यक्ष महेन्द्र मीना ने की।इस अवसर पर दुब्बी प्रिंसिपल रेणू मीना प्रधानाध्यापिका कमलेश गुप्ता, दीनू राजेश,कमलेश श्रीचंदपुरा व बोदन पटेल, विद्यालय स्टाफ छात्र छात्राएं एवं समिति के सदस्य ग्रामीण उपस्थित रहें।

टोंक में पर्यावरण संरक्षण को लेकर बच्चों ने रैली निकाली

टोंक। पर्यावरण संरक्षण को लेकर गुरूवार को ॅ यह कार्यक्रम राज्य सरकार के 2 साल पूरे होने के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर हुआ,

■ पर्यावरण जागरूकता रैली को कलेक्टर कल्पना अग्रवाल और उपवन संरक्षक वीरेंद्र सिंह कृष्णिया ने कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

इस दौरान कलेक्ट्रेट परिसर से छावनी तक पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें सैकडों स्कूली बच्चों ने भाग लेकर संरक्षण का संदेश दिया। वही, अमृता बाजार में स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जहां महिलाओं द्वारा बनाए गए स्वदेशी उत्पादों की बिक्री हो रही। रैली में प्रशासनिक अधिकारी, वन विभाग का स्टाफ और बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं शामिल रहे। रैली से पहले कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने उपस्थित बच्चों और प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है ।

ॅटोंक पर्यावरण संरक्षण को लेकरं गुरूवार को पर्यावरण जागरूकता रैली को कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने रवाना किया।

उत्तम साहा के बयानों से मेरी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा है। ये आरोप बिना किसी सबूत के लगाए गए हैं। साहा के बयानों को झूठा, दुर्भावनापूर्ण, अपमानजनक और मान हानिकारक बताया है। – सौरव गांगुली

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, मान हानि के केस को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जॉश इंग्लिस

अप्रैल में शादी करने जा रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर जॉश इंग्लिस 26 मार्च से 31 मई तक खेले जाने वाले टूर्नामेंट इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के पूरे सत्र में उपलब्ध नहीं रहेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की छोटी नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने जॉश इंग्लिस को 8.6 करोड़ रूपये में खरीदा था। इंग्लिस ने बताया कि वह अप्रैल में शादी करने जा रहे हैं। इंग्लिस ने एबीसी स्पोर्ट से कहा, ''मैंने आईपीएल नीलामी देखी और मेरी बारी देर से आई। मैं इस साल पूरे सीजन उपलब्ध नहीं रह पाऊंगा। मैं अप्रैल की शुरुआत में शादी करने जा रहा हूं।

क्या आप जानते हैं ?... 31 जनवरी 2025 तक,भारत ने 1058 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें 559 मैच जीते हैं और 445 हारे हैं; 10 मैच टाई रहे और 44 मैचों का कोई परिणाम नहीं निकला।

स्मॉग और प्रदूषण पर बीसीसीआई की बड़ी चिंता

उत्तर भारत में सर्दियों के मैचों पर हो सकता है पुनर्विचार

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाने वाला चौथा टी20 मुकाबला बिना एक भी गेंद फेंके रद्द होने से भारतीय क्रिकेट बोर्ड के भीतर गंभीर मंथन शुरू हो गया है। बता दें कि लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में बुधवार शाम होने वाला यह मैच आधिकारिक तौर पर अत्यधिक धुंध के कारण रद्द घोषित किया गया, लेकिन मौजूद जानकारी के अनुसार असली वजह घना स्मॉग और बेहद खराब दृश्यता रही।

गौरतलब है कि यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में केवल दूसरी बार हुआ है जब किसी मुकाबले को धुंध के चलते पूरी तरह रद्द करना पड़ा है। मैच शाम सात बजे शुरू होना था, लेकिन हालात लगातार बिगड़ते चले गए। छह बार निरीक्षण के बाद करीब साढ़े नौ बजे अंपायरों ने मुकाबला रद्द करने का फैसला लिया है। इससे पहले खिलाड़ी वार्म–अप भी समय से पहले सीमित कर चुके थे और दर्शकों का एक बड़ा हिस्सा स्टेडियम छोड़ने लगा था। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने इस घटनाक्रम को गंभीर मानते हुए साफ कहा है कि बोर्ड को सर्दियों में उत्तर भारत में मैचों की मेजबानी पर दोबारा विचार करना पड़ेगा। उन्होंने माना कि वायु प्रदूषण अब सामान्य असुविधा नहीं, बल्कि एक आपात स्थिति बन चुका है और इसे उसी तरह देखा जाना चाहिए है।

मौजूद आंकड़ों के अनुसार, मैच के दौरान लखनऊ का एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 के पार पहुंच गया था, जो 'खतरनाक' श्रेणी में आता है। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को वार्म–अप के दौरान सर्जिकल मास्क पहने देखा गया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुईं और बोर्ड की योजना पर सवाल और गहरे हो गए हैं।

राजीव शुक्ला स्वयं भी निरीक्षण के दौरान मैदान पर उतरे थे और अधिकारियों से चर्चा के बाद उनका हावभाव हालात की गंभीरता को साफ दर्शा रहा था। चूंकि इस मुकाबले के लिए कोई रिजर्व डे नहीं रखा गया था, इसलिए अब दोनों टीमें सीरीज के निर्णायक मुकाबले के लिए अहमदाबाद रवाना होंगी, जहां भारत 2–1 से आगे है।

आलोचना का बड़ा कारण इस पूरे दौरे का वेन्यू चयन भी बन रहा है। दक्षिण अफ्रीका का यह दौरा नवंबर–दिसंबर में न्यू चंडीगढ़, धर्मशाला और लखनऊ जैसे शहरों में खेला गया, जहां इस समय ठंड, धुंध और प्रदूषण आम समस्या रहते हैं। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते धर्मशाला में खेले गए टी–20 में तापमान 10 डिग्री से नीचे चला गया था और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने भी हालात को काफी चुनौतीपूर्ण बताया था। अब इस घटना के बाद यह लगभग तय माना जा रहा है कि बीसीसीआई भविष्य में खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उत्तर भारत में सर्दियों के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों पर सख्त और दूरगामी फैसले लेने की दिशा में बढ़ सकता है।

शुभमन गिल को पैर के अंगूठे में चोट लगी, आखिरी दो टी-20 अंतर्राष्ट्रीय से बाहर रहने की संभावना

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। खराब फॉर्म से जूझ रहे भारत के उप कप्तान शुभमन गिल पैर के अंगूठे में चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी दो टी20 अंतराष्ट्रीय मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। टीम के करीबी सूत्रों ने पीटीआई को यह जानकारी दी। पता चला है कि गिल को ट्रेनिंग सत्र के दौरान चोट लगी और उनके जल्दी ठीक होने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, "शुभमन ने चौथे टी20 अंतराष्ट्रीय मुकाबले से एक दिन पहले नेट में लंबे बल्लेबाजी सत्र में हिस्सा लिया था।सत्र के आखिर में उनके पैर के अंगूठे पर चोट लग गई। उन्हें दर्द हो रहा था और वह लंगड़ा रहे थे। बुधवार को उनके लिए खेलना मुश्किल होता इसलिए वह टीम के साथ नहीं आए क्योंकि उनके इस मैच में खेलने की बहुत कम संभावना थी।''

उन्होंने कहा, "इस समय यह कहना मुश्किल है कि वह अहमदाबाद में खेलेंगे या नहीं।'' न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतराष्ट्रीय श्रृंखला टी20 विश्व कप से पहले भारत की आखिरी श्रृंखला है और उस द्विपक्षीय सीरीज और विश्व कप के लिए टीम समान रहने वाली है इसलिए राष्ट्रीय चयन समिति और टीम प्रबंधन अपने शीर्ष क्रम के एक विशेषज्ञ बल्लेबाज को लेकर सभी जरूरी सावधानियां बरतना चाहेंगे। गिल कोलकाता में पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन लगी गर्दन की चोट के कारण दक्षिण के खिलाफ टेस्ट और एकदिवसीय श्रृंखला से भी बाहर हो गए थे जिसके लिए उन्हें दो दिन अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा था।

वेस्टइंडीज ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के लिए टीम की घोषणा की

एंटीगुआ, 18 दिसंबर। वेस्टइंडीज ने सलामी बल्लेबाज जोशुआ डोर्न की अगुवाई में अगले वर्ष जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले आईसीसी अंडर–19 पुरुष क्रिकेट विश्व के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाबवे और नामीबिया में खेला जायेगा। डोर्न ने पिछले वर्ष ही प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पर्दापण किया था। ऑलराउंडर जोनाथन वैन लांगे को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। टीम में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी ज्वेल एंड्रयू भी शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, 15 सदस्यीय टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने 2025 के क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं और अंतरराष्ट्रीय तैयारी सीरीज के दौरान प्रभावित किया। इनमें इंग्लैंड और श्रीलंका के खिलाफ सीरीज शामिल हैं। यह दोनों सीरीज वेस्टइंडीज ने जीती थीं। वेस्टइंडीज अंडर–19 टीम इस प्रकार है:– जोशुआ डोर्न (कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, शमर एप्पल, शाक्वान बेले, जैकरी कार्टर, तानेज फ्रांसिस, आरजाई गिटेंस, विटेल लॉज, मीका मैकेंजी, मैथ्यू मिलर, इसरा–एल मॉर्टन, जेकीम पोलार्ड, आदियान राचा, कुणाल तिलोकानी और जोनाथन वैन लांगे।

पाकिस्तान ने अंडर-19 विश्वकप 2026 के लिए टीम का किया ऐलान

कराची, 18 दिसंबर। पाकिस्तान ने अगले वर्ष 15 जनवरी से छह फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले अंडर–19 विश्वकप और जिम्बाब्वे में होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए उन्नीस साल के मध्यमक्रम के बल्लेबाज फरहान यूसुफ की अगुवाई में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। पाकिस्तान अंडर–19 टीम इस प्रकार है:– फरहान यूसुफ (कप्तान), उस्मान खान (उप–कप्तान), अब्दुल सुभान, अहमद हुसैन, अली हसन बलूच, अली रजा, दानियाल अली खान, हमजा जहूर (विकेटकीपर), हुजैफा अहसान, मोमिन कमर, मोहम्मद सैयाम, मोहम्मद शयान (विकेटकीपर), निकब शफीक, समीर मिन्हास, उमर जैब।

स्पेनिश टेनिस स्टार अल्काराज ने कोच फेरेरो से नाता तोड़ा

मैड्रिड, 18 दिसंबर। दुनिया के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपने कोच जुआन कार्लोस फेरेरो के साथ चली आ रही सात साल की साझेदारी को समाप्त कर दिया है। नये साल की शुरुआत से सैमुअल लोपेज, अल्काराज के नये कोच होंगे। 22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने फेरेरो के साथ तब काम करना शुरू किया था जब वह 15 साल के थे। फेरेरो के मार्गदर्शन में वह रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे और कुल छह ग्रैंड स्लैम खिताब और 22 टूर्नामेंट जीते। अल्काराज ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच पर जारी एक बयान में बताया, हम शीर्ष पर पहुंचने में कामयाब रहे हैं और मुझे लगता है कि अगर हमारे खेल के रास्ते अलग होने हैं, तो यह तब होना चाहिए जब हम सबसे ऊंचे मुकाम पर हों। वह मुकाम जिसके लिए हमने हमेशा प्रयास किया और हमेशा वहां पहुंचने की उम्मीद की। स्पेनिश स्पोर्ट्स अखबार डियारियो एएस की रिपोर्ट में बताया गया है कि पाब्लो कैरेनो बुस्टा को कोचिंग देने वाले सैमुअल लोपेज 2026 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिए अल्काराज के नए कोच होंगे।

अंडर-14 वर्ष की प्रतियोगिता हेतु जयपुर की रिया का चयन

जयपुर, 18 दिसंबर। 69 वी नेशनल स्कूल गेम्स 2025–2026 फुटबॉल अंडर–14 वर्ष की प्रतियोगिता का आयोजन दिनाक 18 से 22 तक रांची (झारखण्ड) में आयोजन किया जा रहा है जिसमे पी.म. केन्द्रीय विद्यालय कर्माक 1 बजाज नगर, जयपुर की छात्रा रिया का चयन हुआ हैं।

अनाहत में भारत का ओलंपिक भविष्य आकार लेता दिख रहा है : चिनप्पा

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। दो दशक से भी अधिक समय से भारत की शीर्ष स्क्वैश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा का मानना है कि अनाहत सिंह में भारत का ओलंपिक भविष्य आकार लेता दिख रहा है। ओलंपिक्स डॉट कॉम से बातचीत में चिनप्पा ने कहा, इतने सालों तक शीर्ष स्तर पर रहने के बाद, आप यह पहचानना सीख जाते हैं कि कौन वहां रहने लायक है। आप इसे जल्दी समझ जाते हैं। शांत स्वभाव, आत्मविश्वास, जिस तरह से वह (अनाहत सिंह) मैचों को नियंत्रित करती है। इस महीने की शुरुआत में चेन्नई में स्क्वैश विश्व कप में चिनप्पा और अनाहत ने एक युवा भारतीय टीम को ऐतिहासिक पहला स्वर्ण पदक दिलाया, जिसके बाद यह विश्वास और भी गहरा हो गया है। दो बार की एशियन चैंपियन और पूर्व वर्ल्ड नंबर 10 जोशना के लिए, इस नतीजे ने इस बात की पुष्टि कर दी कि वह कुछ समय से क्या देख रही थीं और उनका यह विश्वास कि भारत के पास एलएस 2028 ओलंपिक में पदक जीतने का शानदार मौका है। चिनप्पा ने कहा, उसमें भारत की शीर्ष स्क्वैश खिलाड़ी बनने की सारी खूबियां हैं। टीम (स्क्वैश विश्व कप में) अनुभवहीन थी लेकिन निडर थी। अनाहत सबसे अलग दिखी क्योंकि वह पहले से ही एक विनर की तरह सोचती है। चिनप्पा ने बताया कि 17 साल की अनाहत सिंह की मानसिक स्पष्टता ही उसे दूसरों से अलग करती है।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को चुनाव कराना अनिवार्य

आईपीएल मैच जयपुर में तभी आयोजित किए जा सकते है जब आरसीए अपनी व्यवस्था में सुधार करें : धूमल

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को अल्टीमेटम जारी करते हुए कहा है कि आईपीएल मैच जयपुर में तभी आयोजित किए जा सकते हैं जब आरसीए अपनी व्यवस्था में सुधार करे। विशेष रूप से, बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि आईपीएल मैचों की मेजबानी के लिए पात्र होने के लिए एसोसिएशन को चुनाव कराना अनिवार्य है।

आईपीएल के चेयरमैन अरुण सिंह धूमल ने हाल ही में अबू धाबी में हुई नीलामी के दौरान चुनिंदा मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, ''हमने पिछली बार राज्य निकाय को लिखा था कि जब तक वे आरसीए चुनाव नहीं कराते और एक निर्वाचित निकाय का गठन नहीं करते, तब तक हमारे लिए आईपीएल को आयोजन स्थल पर ले जाना मुश्किल होगा।'' ''अभी तक उन्होंने चुनाव नहीं कराए हैं, और इस तरह, फ्रेंचाइजी को यह देखना होगा कि क्या वे इसे अपने खेलों की मेजबानी के लिए पर्याप्त रूप से उपयुक्त पाते हैं या नहीं।''

एक बार जब हम वह उचित जांच–पड़ताल कर लेंगे और यदि आरसीए अपने चुनाव सुचारू रूप से और निष्पक्ष तरीके से आयोजित करने में सक्षम होता है, तो हम उसे विजेता मानेंगे।

राजस्थान रॉयल्स एसोसिएशन (आरसीए) का संचालन राज्य सरकार द्वारा नियुक्त एक तदर्थ समिति द्वारा किया जाता है, और दीन दयाल कुमावत की अध्यक्षता वाली यह समिति एसोसिएशन का संचालन कर रही है। जयपुर पिछले 18 वर्षों से राजस्थान रॉयल्स का घरेलू मैदान रहा है, और आरआर प्रबंधन ने पुणे में मैच आयोजित करने के विकल्प पर विचार किया है और इस संबंध में शहर का दौरा भी किया है।

आरसीए ने कहा कि उसे बीसीसीआई की ओर से कोई सूचना नहीं मिली है, लेकिन वह आरआर प्रबंधन के संपर्क में है। कुमावत ने गुरुवार को क्रिकबज़ से कहा, ''हमारी ओर से, हम एसएमएस स्टेडियम (जयपुर) में आईपीएल मैच आयोजित करने के लिए तैयार हैं। हमने आरआर प्रबंधन के साथ बातचीत की है। अगर बीसीसीआई को आरसीए से कोई आपत्ति है, तो हम राज्य सरकार से इस बारे में बात करेंगे और उनका समाधान निकालेंगे।'' बीसीसीआई के रुख के बारे में विस्तार से बताने के लिए पूछे जाने पर धूमल ने आगे कहा, ''हमने उन्हें पिछले साल ही बता दिया था कि अगर वे ये चुनाव नहीं करा पाते हैं, तो हमारे लिए वहां टूर्नामेंट आयोजित करना मुश्किल होगा।

फिलहाल ऐसा नहीं हुआ है। इसलिए, जब तक वे चुनाव नहीं करा लेते और एक नई निर्वाचित समिति नहीं आ जाती, और आईपीएल मैचों के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो जातीं, तब तक हम स्थिति पर नजर रखेंगे और उचित समय पर सही कदम उठाएंगे।'' इस बीच, धूमल ने कहा कि बीसीसीआई को बेंगलुरु में आईपीएल मैचों की मेजबानी को लेकर पूरा भरोसा है।

बेंगलुरु भी आईपीएल का एक ऐसा केंद्र है जिस पर 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के बाद से सवाल उठ रहे थे। धूमल ने कहा, ''मैंने केएससीए के अधिकारियों से बात की है। वे राज्य सरकार के संपर्क में हैं। उनकी एक सार्थक बैठक हुई है, और हमें पूरा विश्वास है कि हमें बेंगलुरु ही आयोजन स्थल के रूप में मिलेगा।''

सात्विक-चिराग ने बीडब्ल्यू वर्ल्ड टूर फाइनल्स में दूसरी जीत दर्ज की

हांगझोऊ (चीन), 18 दिसंबर। भारत की टॉप पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने गुरुवार को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स 2025 ग्रुप बी में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आज यहां खेले गये मुकाबले में बैडमिंटन रैंकिंग में तीसरे नंबर पर मौजूद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने दुनिया की नंबर 8 इंडोनेशियाई जोड़ी फजर अल्फियान–मुहम्मद शोहिबुल फिक्री को 60 मिनट में 21–11,16–21,21–11 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की अपनी दावेदारी मजबूत की।

लगातार दो जीत के बावजूद, सात्विक और चिराग अभी तक नॉकआउट स्टेज के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाए हैं, क्योंकि ग्रुप बी की चार में से तीन जोड़ियां अभी भी दौड़ में हैं। हालांकि, इंडोनेशियाई जोड़ी दो हार के बाद बाहर हो गई है।

हर ग्रुप (ए–बी) की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी–चिराग शेट्टी और फजर अल्फियान–मुहम्मद शोहिबुल फिक्री के बीच पहला गेम एकतरफा रहा, जिसमें भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत करते हुए 6–0 की बढ़त बना ली। फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिक्री ने कुछ देर के लिए वापसी की कोशिश की, और अंतर को 13–9 तक कम कर दिया, लेकिन शुरुआती बढ़त निर्णायक साबित हुई। 15–10 से, भारतीयों ने लगातार पांच पॉइंट हासिल करके 20–10 की बढ़त बनाई और आसानी से गेम जीत लिया।

दूसरे गेम में इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने जोरदार वापसी की। शुरुआत में 3–3 से बराबरी पर रहने के बाद, उन्होंने लगातार पांच पॉइंट हासिल करके 8–3 की बढ़त बना ली। भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 11–11 और फिर 12–12 से बराबर कर लिया, लेकिन इंडोनेशियाई जोड़ी टिकी रही।

भव्य की घातक गेंदबाजी से जयपुरिया विद्यालय की एकतरफा जीत

जयपुर, 18 दिसम्बर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन–नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गये एन.बी. क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा, पर खेले गये पूल जी के मैच में नैना जयपुरिया विद्यालय के भव्य शर्मा 20 रन पर 4 विकेट, हेमन्य भारद्वाज 4 रन पर 2 विकेट, अभिषेक राठौड़ 21 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत एलिट स्पोर्टस एकेडमी को 9 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर नैना एलिट स्पोर्टस एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया लेकिन शुभम शर्मा 24 रन, लवेश सैनी 15 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज जयपुरिया विद्यालय के गेंदबाजों भव्य शर्मा 20 रन पर 4 विकेट, हेमन्य भारद्वाज 4 रन पर 2 विकेट, अभिषेक राठौड 21 रन पर 2 विकेट, कबीर 4 रन पर 1 विकेट की शानदार गेंदबाजी के समक्ष नहीं टिक सके और पूरी टीम 16.1 ओवर में मात्र 84 रन पर सिमट गयी। जवाबी पारी में आरूष मक्कड़ 39 रन नाबाद, दर्शिल घीया 27 रन, कनिष्क 13 रन नाबाद की मदद से विजय लक्ष्य 87 रन 1 विकेट खोकर 11.3 ओवर में हासिल कर 9 विकेट से एक तरफा जीत दर्ज कर ली। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच भव्य शर्मा जयपुरिया विद्यालय रहें।

रोहन के ऑलराउंड खेल से जीती शास्त्री क्रिकेट अकादमी

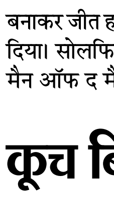

जयपुर, 18 दिसम्बर। जयपुर कप सीजन– 1 में सोलफिल क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 29.3 ओवर में 162 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। राहुल खंडेलवाल ने 46 और मनन सिंह शेखावत ने 32 रन का योगदान दिया। शास्त्री क्रिकेट अकादमी की ओर से रोहन राजभर और हिमांशु नेहरा ने तीन–तीन विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शास्त्री क्रिकेट अकादमी 25.1 ओवर में 163 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। रोहन राजभर ने 60 और जसन ने 37 रनों का योगदान दिया। सोलफिल क्रिकेट अकादमी की ओर से गणेश चौधरी ने तीन विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच रोहन राजभर को चुना गया।

टॉ लेथम और डेवन कॉन्वे के शतक, न्यूजीलैंड 334/1

माउंट मॉन्गानुई (न्यूजीलैंड), 18 दिसंबर। कप्तान टॉम लेथम (137) और डेवन कॉन्वे (नाबाद 178) की शतकीय पारियों के दम पर न्यूजीलैंड ने तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन गुरुवार को स्टंप्स के समय एक विकेट पर 334 का स्कोर खड़ाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली हैं।

आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी टॉम लेथम और डेवन कॉन्वे की सलामी जोड़ी ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 323 रन जोड़े। दोनों बल्लेबाजों ने सावधानी से शुरुआत की और पहले आठ ओवर में सिर्फ 11 रन बनाए। हवा और पिच दोनों से बल्लेबाजों को मदद मिल रही थी।

लंच ब्रेक के बाद दोनों ने अपने–अपने अर्धशतक पूरे किये। लगभग 20 मिनट तक बारिश की वजह से खेल रुका रहा, लेकिन इससे न्यूजीलैंड की लय नहीं टूटी। कॉनवे ने कुछ शानदार बाउंड्री लगाकर अपना छठा टेस्ट शतक बनाया। वेस्टइंडीज पहले दो सत्र में एक भी मौका नहीं बना पाई और लंच के बाद वाले सेशन में एक भी मेडन ओवर नहीं हुआ।

इसी दौरान लैथम ने सीरीज का अपना दूसरा शतक बनाया। एक समय ऐसा लग रहा था कि यह बिना विकेट वाला दिन रहेगा। रोच ने दूसरी नई गेंद से 87वें ओवर में लैथम को आउट करके सफलता दिलाई, जिसमें रॉस्टन चेज ने फर्स्ट स्लिप पर शानदार कैच पकड़ा। टॉम लेथम ने 246 गेंदों में एक छक्का और 15 चौके लगाते हुए 137 रनों की शतकीय पारी खेली।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जेकब डफी ने डेवन कॉन्वे के साथ मोर्चा संभाला और दिन का दूसरा विकेट नहीं गिरने दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय न्यूजीलैंड ने एक विकेट पर 334 रन बना लिये थे और डेवन कॉन्वे (नाबाद 178) और जेकब डफी (नौ) रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

अचीवर्स ने जयपुर को हराया

जयपुर, 18 दिसम्बर। पीपीसी पोलो ग्राउंड पर जयपुर पोलो टीम और ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच मैच खेला गया जिसमें ऑप्टिमस अचीवर्स ने जयपुर को 4 के मुकाबले 8 गोल से हराया। ऑप्टिमस अचीवर्स पोलो टीम की ओर से शमशीर अली ओर मैन्युअल पराडो ने 4– 4 गोल किए। जयपुर पोलो टीम की ओर से केवल लांस वाटसन ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए 4 गोल किये पर टीम को विजय प्राप्त नहीं करा सके।

कूच बिहार ट्रॉफी : राजस्थान-जम्मू कश्मीर मैच, नावेद की अर्द्धशतकीय पारी से राजस्थान मजबूत

जयपुर, 18 दिसंबर। राजस्थान पहली पारी 207 आल आउट, जम्मू पहली पारी 65 आल आउट, राजस्थान दूसरी 335 आल आउट, नावेद खान के अर्धशतक की सहायता जम्मू एंड कश्मीर टीम के विरुद्ध राजस्थान मजबूत स्तिथि। टीम के लिए आदित्य सैनी 86, रजत बघेल 73,नावेद खान 87 रन। जम्मू एंड कश्मीर दूसरी पारी 256 / 5, आज तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक जम्मू एंड कश्मीर टीम ने कामक्ष शर्मा के शतक के सहायता से 5 विकेट के नुकसान पर 256 रन बना लिए थे। टीम के लिए कामाक्ष शर्मा 122 ,अरमान शर्मा 31, अर्जुन शर्मा 21, फैज़ान नाबाद 33 व शिवा नाबाद 18 रन बनाकर खेल रहे हैं। राजस्थान के गेंदबाज प्रखर शर्मा 54 / 2 व हनी प्रताप , केतन , जतिन प्रत्येक 1 – 1 विकेट। मध्य क्षेत्र अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 14 एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता के आज खेले गए मैचों का परिणाम :– झुंझनू – जयपुर मैच (जयपुर जीती), झुंझनू पारी124 आल आउट। टीम के लिए सनी 34 रन। जयपुर के गेंदबाज गौरव, मनवीर , प्रियांशु शर्मा 3 – 3 विकेट। दौसा – उदयपुर मैच (उदयपुर जीती), दौसा पारी 89 आल आउट। टीम के लिए प्रतुल शर्मा 30 रन। उदयपुर के गेंदबाज धीमान कलाल 4 / 5 , रुद्राक्ष मेनारिया 23 / 4 विकेट। उदयपुर पारी 91 / 4, टीम के लिए महेश 26 रन। दौसा के गेंदबाज कयांश 19 / 2 विकेट।

विश्वनाथन आनंद बने द हॉस्टल कंपनी के ब्रांड एंबेसडर

बेंगलुरु, 18 दिसंबर। भारत के पहले शतरंज ग्रैंडमास्टर और पूर्व विश्व के नंबर वन खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को देश के सबसे बड़े बैकपैकर हॉस्टल बुकिंग प्लेटफॉर्म, द हॉस्टल कंपनी ने अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। इस अवसर पर द हॉस्टल कंपनी के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी पलाश गोयल ने कहा, ''विशी सर शायद हमारे मुख्य कस्टमर न हों।

अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी, जम्मू के विरुद्ध राजस्थान मजबूत स्थिति में

जयपुर, 18 दिसंबर। आरसीए अंडर 14 ट्रॉफी (आज खेल गए मैचों में आदित्य शर्मा का शानदार दोहरा शतक, आयुष रविंद्र की शतकीय पारी, धीमान, अथर्व, अनमोल, दुष्यंत, अभिमन्यु, मयंक के पांच विकेट) बीसीसीआई अंडर 16 विजय मर्चेंट टॉफी के आज से शुरू हुए राजस्थान पंजाब मैच के पहले दिन राजस्थान के गेंदबाज रोहन चौधरी की शानदार गेंदबाजी की सहायता से राजस्थान ने पंजाब को पहली पारी में सस्ते में सीमेटा।

पंजाब पहली पारी, 156 आल आउट

टीम के लिए साहिबजोतवीर47, पारस23, अभिषेक 23 रन

राजस्थान के गेंदबाज रोहन चौधरी 32 / 6 व आशीष 12 / 2 विकेट

राजस्थान पहली पारी, 99 / 5

पहले दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 99 रन बना लिए थे। टीम के लिए शिफॉन खान 35, कुमार वासुदेव नाबाद 24, सौरव सैनी 18 व वसिष्ठशर्मा 16 रन।

हरियाणा को हराकर झारखंड ने जीता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब

पुणे, 18 दिसंबर। इशान किशन (101) की विस्फोटक शतकीय और कुमार कुशाठा (81) की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत झारखंड ने गुरुवार को फाइनल मुकाबले में हरियाणा को 69 रनों से हराकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया। इशान किशन को 'प्लेयर ऑफ द मैच' तथा अनुकूल रॉय को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज से पुरस्कार से नवाजा गया। 263 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा की शुरुआत खबरा रही और उसने 36 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। इसके बाद यशवर्धन दलाल और निशांत सिंधू ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए 67 रन जोड़ कर अपनी टीम में जीत की उम्मीद जगाई। 10वें ओवर में अनुकूल रॉय ने निशांत सिंधु 15 गेंदों में (31) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। इसी ओवर में उन्होंने यशवर्धन दलाल 22 गेंदों में (53) को भी अपना शिकार बनाकर हरियाणा के मैच जीतने की उम्मीदों को तगड़ा झटका दिया। सामंत जाखड ने 17 गेंदों में 38 रन बनाये। अंशुल काम्बोज (11) और इशांत भारद्वाज (17) रन बना कर आउट हुये। झारखंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे हरियाणा की पूरी टीम 18.3 ओवरों में 193 रनों के स्कोर पर सिमट गई। झारखंड के लिए सुशांत मिश्रा और बाल कृष्ण ने तीन–तीन विकेट लिये। अनुकूल राय और विकास सिंह को दो–दो विकेट मिले। इससे पहले आज यहां हरियाणा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी झारखंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट पर 262 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। झारखंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में विराट सिंह (दो) का विकेट गंवा दिया।

रबी सीजन में किसानों को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति होगी- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सौर ऊर्जा व बैटरी स्टोरेज की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए

जयपुर, 18 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गत 2 वर्षों में लिए गए निर्णयों से प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। साथ ही, किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए भी ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि रबी सीजन में किसानों के लिये पर्याप्त और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की समीक्षा बैठक ली तथा माँग के अनुरुप विद्युत उत्पादन का संतुलन बनाने के लिए स्थाई कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को विद्युत आपूर्ति की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय एवं ऊर्जा विभाग के उच्चाधिकारियों ने भाग लिया।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में विद्युत आपूर्ति के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने राज्य में विद्युत आपूर्ति में आ रही समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिम्मेदार कार्मिकों और अधिकारियों की फील्ड विजिट में वृद्धि के लिए निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में बिजली की मांग के अनुरूप विद्युत उत्पादन का संतुलन बनाने की स्थायी कार्ययोजना तैयार कर मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि एवं वितरण तंत्र को मजबूत बनाने के लिए योजना के अनुरूप कार्य करें। उन्होंने ऊर्जा विभाग को प्रदेश में बैटरी स्टोरेज के साथ ही, सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए नवीन क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने "पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना" के संचालन में प्रगति लाने के लिए भी निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्यमंत्री को ऊर्जा विभाग की ओर से प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की जानकारी दी गई। इस अवसर पर ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं ऊर्जा विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

प्र.मंत्री मोदी 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से सम्मानित

मस्कट, 18 दिसम्बर। ओमान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ ओमान से सम्मानित किया है। ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद ने गुरुवार को मस्कट में प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मान से नवाजा।

मोदी दो दिन की यात्रा पर ओमान गए हुए हैं। इससे पहले मोदी को इथियोपिया ने भी अपने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा था।

- यह ओमान का सर्वोच्च सम्मान है और सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद ने मस्कट में मोदी को इस सम्मान से नवाज़ा।

मोदी और सुल्तान अल सईद की मौजूदगी में भारत और ओमान ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर भी किए।

विपक्ष के भारी विरोध के बीच जी राम जी बिल लोकसभा में पारित

यह बिल दो दशक पुराने ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून मनरेगा का स्थान लेगा

- विकसित भारत जी राम जी बिल पर लोकसभा में बुधवार देर रात तक लगभग 9 घंटे चर्चा चली तथा कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बहस का जवाब दिया।

नयी दिल्ली, 18 दिसंबर। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार देने वाली दो दशक पुरानी महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह लेने वाले "विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी -जी राम-जी (विकसित भारत जी राम जी) विधेयक 2025" को लोकसभा ने विपक्षी दलों के कड़े विरोध और भारी हंगामे के बीच गुरुवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

लोकसभा में वीबी -जी राम-जी विधेयक पर बुधवार देर रात तक करीब नौ घंटे चर्चा चली और सभी दलों के सदस्यों ने इसमें हिस्सा लिया। चर्चा के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बताया कि चर्चा में 98 सदस्यों ने हिस्सा लिया।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को चर्चा का जवाब दिया जिसके बाद विधेयक को पारित कर दिया गया। चौहान ने कहा कि विधेयक महिला, युवा, गरीबों के जीवन में बदलाव लाने के साथ ही बापू के सपनों और उनके आदर्शों को जिंदा रखने में अहम भूमिका निभाएगा और यह कानून गरीबों की जिंदगी बदलकर आदर्श ग्राम स्थापित करेगा जिसमें लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मनरेगा कानून 2005 में तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के कार्यकाल में बना था और उस सरकार का यह उसके प्रमुख कार्यक्रमों में से एक था। मनरेगा के जरिए ग्रामीण क्षेत्र में हर परिवार को न्यूनतम 100 दिन सालाना रोजगार की कानूनी गारंटी दी गयी। वीबी जी राम जी विधेयक में 100 के स्थान पर न्यूनतम 125 दिन के रोजगार की गारंटी का प्रस्ताव है। खेती-बाड़ी में श्रमिकों की कमी की समस्या को ध्यान में रखते हुए बुवाई-कटाई के मौसम में वर्ष में 60 दिन तक इस योजना के काम को स्थगित रखा जा सकता है। यह फैसला राज्य सरकारों के हाथ में होगा कि किस समय इसे स्थगित रखना है।

इसे केंद्र प्रायोजित योजना बनाया गया है और केंद्र तथा राज्य का अंशदान 60:40 के अनुपात में होगा। पूर्वोत्तर और हिमालय क्षेत्र के राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 90 प्रतिशत धन केंद्र देगा। जिन केंद्र शासित प्रदेशों में विधायिका नहीं है वहां पूरा खर्च केंद्र उठाएगा।

मनरेगा खत्म करने की साजिश का सख्त विरोध करेंगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा मोदी सरकार का विकसित भारत जी राम जी बिल गरीब विरोधी है

नयी दिल्ली, 18 दिसंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि "विकसित भारत गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (संशोधन) विधेयक 2025 गरीब विरोधी है और यह सरकार की मनरेगा को खत्म करने की रणनीति है, जिसका सख्त विरोध किया जाएगा।

- कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा रोजगार अवधि 100 से 125 दिन करना एक चालाकी है, इस स्कीम से आने वाले दिनों में मनरेगा योजना खत्म हो जाएगी।

वाड्रा ने लोकसभा में वीबी-जी-राम-जी (संशोधन) विधेयक 2025 के पारित होने के बाद, संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि "यह बिल गरीबों के खिलाफ है। वे और उनकी पार्टी इस विधेयक का विरोध करेगी। इस विधेयक से आने वाले महीनों में मनरेगा खत्म हो जाएगा। जैसे ही इसका बोझ राज्यों पर पड़ेगा, यह योजना धीरे-धीरे खत्म हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि मनरेगा को खत्म करने वाले इस विधेयक का उनका गठबंधन पूरी तरह से विरोध करेगा। सभी विपक्षी दल इस मुद्दे पर सहमत हैं और एकजुट हैं।

वाड्रा ने इस विधेयक को मनरेगा खत्म करने की योजना बताते हुए कहा "100 दिन से 125 दिन की मजदूरी वाली बात सिर्फ एक चालाकी है। इस बिल से आने वाले समय में मनरेगा स्कीम खत्म हो जाएगी। जैसे ही बजट का बोझ राज्य सरकारों पर पड़ेगा, वैसे ही धीरे-धीरे मनरेगा बंद होने लगेगी। मनरेगा योजना देश के गरीब से गरीब लोगों के लिए रोजगार का सहारा थी, जो कोरोना जैसे मुश्किल हालात में भी उनके साथ थी। यह विधेयक गरीब-मजदूरों के खिलाफ है, हम इसका सख्त विरोध करेंगे।"

इससे पहले कांग्रेस तथा विपक्षी दलों के नेताओं ने संसद भवन परिसर में इस विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन और नारेबाजी करते हुए सरकार से इसे वापस लेने की मांग की। इस प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, डीएमके के टीआर बालू, समाजवादी पार्टी के धर्मेन्द्र यादव, आरएसपी के एन के प्रेमचंद्रन सहित, कई दलों के सांसद शामिल हुए।

प्रदर्शन के बाद खरगे ने कहा, "यह मनरेगा का केवल नाम बदलने का मामला नहीं है, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी रोज़गार योजना की योजनाबद्ध हत्या है। नये विधेयक के जरिए भाजपा सरकार उस अधिकार को छीन रही है, जो कांग्रेस ने दिया था। यह काम के अधिकार को छीनने की कोशिश है।

'इंडिगो का बुरा समय बीत चुका है'

नयी दिल्ली, 18 दिसंबर। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने गुरुवार को कहा कि बुरा समय बीत चुका है और 19 साल पुरानी विमान सेवा कंपनी को सिर्फ संकट के "तीन दिन" के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिये।

एल्बर्स ने कर्मचारियों के नाम जारी एक वीडियो संदेश में, कठिन समय में साथ देने के लिए कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, "बुरा समय अब पीछे छूट चुका है। कंपनी आज 2,200 उड़ानों का परिचालन कर रही है। यह टीमवर्क का नतीजा है।"

'जी राम जी बिल की प्रति फाड़कर विपक्ष ने लोकतंत्र को कलंकित किया'

नयी दिल्ली, 18 दिसंबर। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को संसद में विकसित भारत: रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) विधेयक की प्रति फाड़ने पर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के सांसदों के आचरण की आलोचना करते हुए, इसे लोकतंत्र को कलंकित करने वाला बताया।

- केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने जी राम जी बिल पर बहस का जवाब देते हुए विपक्षी दलों की आलोचना की

चौहान ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आज लोकसभा में विपक्षी दल कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के सांसदों के आचरण से संसदीय मर्यादाएं तार-तार हुई हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अपने कृत्य से लोकतंत्र को भीड़तंत्र और गुंडातंत्र में बदला है। चौहान ने कहा, "आप जानते हैं कि विकसित भारत: रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जीरामजी) विधेयक पर चर्चा थी। संसद में बुधवार को इस विधयेक पर चर्चा शुरू हुई, हमने पूरी गंभीरता से माननीय सांसदों की बातें सुनीं, क्योंकि चर्चा ही लोकतंत्र की प्राण है। लेकिन विपक्ष द्वारा जैसे अमर्यादित आचरण का प्रदर्शन हुआ, कागज फाड़कर उछाले गए, तो क्या ये बापू का अपमान नहीं है।

'नारी सशस्त्रीकरण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकारात्मक असर या गुंजाइश पैदा करने की स्थिति में नहीं होता। पीके यह बात समझते ही हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि फिर इस मुलाकात का उद्देश्य क्या था?

राहुल गांधी की तुलना में पीके का तालमेल प्रियंका के साथ बेहतर रहा है। जब उनसे 2017 के उत्तर प्रदेश चुनाव में कांग्रेस की चुनावी रणनीति संभालने को कहा गया था, तब पीके की पहली पसंद प्रियंका को मुख्यमंत्री पद के चेहरे के तौर पर प्रोजेक्ट करने की थी। वर्ष 2022 में भी, जब पीके ने कांग्रेस नेतृत्व के सामने पार्टी को फिर से मजबूत करने के लिए कई प्रस्तुतियाँ दी थीं, उस समय, खबरों के मुताबिक, प्रियंका इस पक्ष में ज्यादा थीं कि उनसे पार्टी में शामिल होने का अनुरोध किया जाए।

पीके अपने करियर को इस तरह परिभाषित करते हैं-दस साल वर्ल्ड बैंक में, दस साल राजनीतिक रणनीतिकार के रूप में और अब दस साल बिहार की स्थिति सुधारने के लिए। 'एकला चालो' के अपने घोषित रास्ते से किसी भी तरह का हटना उनके लिए राजनीतिक आत्महत्या के समान होगा।

समझा जाता है कि व्यावहारिक सोच रखने वाले पीके ने प्रियंका के साथ हुई इस मुलाकात में, अनौपचारिक रूप से और बिना किसी पारिश्रमिक के, अपनी सेवाएँ देने की पेशकश की है।

राजनीति की राह अनिश्चित होने के कारण, पीके का मानना है कि मौजूदा निराशाजनक हालात के बावजूद, कांग्रेस की किस्मत फिर से पलट सकती है। जेएसपी सूत्रों के अनुसार, प्रियंका को उन्होंने यह सलाह भी दी है कि देश की राजनीति में बढ़ते लैंगिक रुझान को देखते हुए, उन्हें पार्टी के कामकाज में और अधिक प्रमुख भूमिका निभानी चाहिए, ताकि पिछले वर्षों में राहुल के खिलाफ चलाए गए नकारात्मक प्रचार को संतुलित किया जा सके।

'महबूबा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नीतीश कुमार ने इस सप्ताह की शुरुआत में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में एक महिला डॉक्टर का बुर्का खींच कर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था। वह महिला डॉक्टर अपनी नियुक्ति पत्र लेने आई थीं। अब्दुल्ला ने कहा, "अगर (बिहार) के मुख्यमंत्री को उसे (मुस्लिम महिला) आदेश सौंपना नहीं चाहते थे, तो वे उसे अलग रख सकते थे। लेकिन, उसे इस तरह से अपमानित करना पूरी तरह गलत है।"

सरिस्का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रेंजर शंकर सिंह ने बताया, आग करीब 100 हेक्टेयर के क्षेत्र में फैल गई थी, लेकिन आग लगने का कारण पूरी तरह सामने नहीं आया है। एक युवक जंगल में मिला है, जिसने अलाव तापने की बात कही है। वह मानसिक रूप से विक्षिप्त नज़र आता है।

लाल किला बम विस्फोट मामले में एक और मुख्य आरोपी गिरफ्तार

आरोपी यासिर अहमद दार शोपियां का निवासी है

नयी दिल्ली, 18 दिसंबर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार विस्फोट मामले में एक और मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस विस्फोट में 11 लोगों की मौत हुयी थी और कई अन्य घायल हुए थे।

- एनआईए ने यासिर को नई दिल्ली से यूएपीए तथा भारतीय न्याय संहिता के तहत गिरफ्तार किया है।

इस मामले में गिरफ्तार होने वाला नौवां व्यक्ति यासिर अहमद डार है जो जम्मू कश्मीर के श्रीनगर के शोपियां का निवासी है। उसे केंद्रीय एजेंसी ने नयी दिल्ली से गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया है।

एनआईए की जांच से राष्ट्रीय राजधानी को दहला देने वाले इस कार बम विस्फोट के पीछे की साजिश में डार की सक्रिय भूमिका का खुलासा हुआ है। वह इस साजिश का एक सक्रिय भागीदार था और उसने आत्मघाती अभियानों को अंजाम देने के लिए कसम खाई थी।

जांच से यह भी पता चला है कि डार इस मामले के अन्य आरोपियों के साथ निकट संपर्क में था, जिनमें बमबारी को अंजाम देने वाला मृत अपराधी उमर उन नबी और मुफ्ती इरफान शामिल हैं।

केंद्रीय एजेंसी विभिन्न राज्य एजेंसियों के साथ मिलकर इस आतंकी हमले के पीछे की पूरी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए तेजी से काम कर रही है। इस महीने की शुरुआत में एजेंसी ने जम्मू कश्मीर और उत्तर प्रदेश में कई आरोपियों और संदिग्धों के ठिकानों पर व्यापक तलाशी ली थी और वहां से कई डिजिटल उपकरण और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की थी। इससे पहले मुख्य आरोपी डॉक्टर मुजम्मिल शकील गनी और डॉक्टर शाहीन सईद के ठिकानों तथा फरीदाबाद के अल फलाह विश्वविद्यालय परिसर और अन्य स्थानों पर भी इसी तरह छापे मारे गये थे।

कोलकाता अलीपुर ज़ू में बाघिन की मौत

कोलकाता, 18 दिसंबर। ओडिशा के नंदनकानन से लाई गई 34 महीने की एक बाघिन की दक्षिण कोलकाता के अलीपुर चिड़ियाघर में अज्ञात बीमारी से मौत हो गई।

- ज़ू में सितम्बर में भी दो बाघों की मौत हो चुकी है। मृत बाघिन ओडिशा के नंदनकानन से लाई गई थी।

रॉयल बंगाल टाइगर की यह तीसरी मौत है, जिससे पश्चिम बंगाल में पशु प्रेमियों की चिंता बढ़ गई है।

उल्लेखनीय है कि यह बाघिन फरवरी 2023 में ओडिशा के नंदनकानन में पैदा हुई थी और उसी साल अगस्त में कोलकाता लाई गई थी। बुधवार को अलीपुर चिड़ियाघर में अपने पिंजरे में वह मृत पाई गई। अलीपुर चिड़ियाघर की निदेशक तृप्ति साह ने बताया कि पोस्टमॉर्टम किया गया है और युवा बाघिन की असमय मौत के कारणों का पता लगाने के लिए विसरा जांच किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बाघिन हीमोप्रोटोज़ोअन पैरासाइट से होने वाले संक्रमण से पीड़ित थी। उसे चिड़ियाघर के स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। यह पैरासाइट टिक्स या काटने वाली मक्खियों से फैलता है, जिससे बुखार, एनीमिया और पीलिया होता है। ये पैरासाइट पालतू जानवरों को भी प्रभावित करता है। विसरा जांच से मौत के सही कारण का पता चलेगा। जाने-माने भारतीय वन्यजीव संरक्षक, फोटोग्राफर और पर्यावरणविद् बिस्वजीत रॉय चौधरी ने युवा बाघिन की मौत पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, "मुझे संदेह है कि चिड़ियाघर के अंदर कुछ पैरासाइट हाल की मौतों के लिए जिम्मेदार हैं।"

'अगर केरल में जीतना है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसका उत्तर है, क्या काम? असल में उनके पास या तो बहुत कम काम है या कोई काम ही नहीं है। अधिकांश राज्य के फैसले के.सी. वेणुगोपाल द्वारा ही लिए जाते हैं।

और बिना उनके "ओके" के, वे कोई निर्णय नहीं ले सकते।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल, जो पंजाब के एआईसीसी महासचिव हैं, वेणुगोपाल की सहमति के बिना कोई निर्णय नहीं लेते।

नेताओं का कहना है कि पंजाब एक समृद्ध राज्य है, जिसमें बहुत पैसा है, और वेणुगोपाल एक ऐसा समूह नियंत्रित करते हैं, जो केवल उन्हें जवाब देता है।

राजस्थान के प्रभारी रंधावा भी इस समूह का हिस्सा हैं और रंधावा के माध्यम से वेणुगोपाल राजस्थान को नियंत्रित करते हैं।

रंधावा के अशोक गहलोत, पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा और सीएलपी नेता टीकाराम जूली के साथ करीबी रिश्ते हैं।

जिला अध्यक्षों की नियुक्ति भी इस समूह द्वारा की गई है, जिससे राज्य नेताओं में काफी नाराजगी पैदा हुई है और राहुल गांधी के जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की पूरी अवधारणा को नकार दिया गया है।

अशोक गहलोत पुनर्वासित होने के लिए इच्छुक हैं और वेणुगोपाल ओवरटाइम काम कर रहे हैं, ताकि उन्हें राजस्थान से राज्यसभा में लाया जा सके, भले ही उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ खुली बगावत की थी।

- राजस्थान में प्रभारी रंधावा यह भूमिका निभा रहे हैं तथा वे अशोक गहलोत, डोटासरा व जूली को साथ लेकर राजस्थान में कांग्रेस संगठन चला रहे हैं।
- गहलोत किसी तरह अपना पुनर्वास चाहते हैं तथा वेणुगोपाल अब उन्हें राज्यसभा का सदस्य बनवाना चाहते हैं और इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए वेणुगोपाल तर्क दे रहे हैं कि गहलोत को दिल्ली भेजना इसलिए भी जरुरी है, जिससे नये नेताओं को काम करने का पूरा खुला मौका मिले और इस तर्क का मतलब यह भी नहीं कि नया नेता सचिन पायलट ही होंगे। आजकल रंधावा डोटासरा पर ज्यादा मेहरबान हैं।
- यह व्यंग्य भी सुनाई दे रहा है कि जिस तरह वेणुगोपाल ने राहुल गांधी को सम्मोहित कर रखा है, शायद केरल की जनता को भी सम्मोहित कर लें और कांग्रेस केरल में जीत कर सरकार बना ले।

वेणुगोपाल द्वारा प्रचारित की जा रही लाइन यह है कि गहलोत को दिल्ली लाना आवश्यक है, ताकि राजस्थान में एक नए नेता के लिए जगह बन सके।

स्रोतों का कहना है कि नया नेता सचिन पायलट नहीं हो सकता, क्योंकि वेणुगोपाल डोटासरा को बढ़ावा दे रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि वेणुगोपाल, जो हिंदी और अंग्रेजी दोनों में कमज़ोर हैं, इतने प्रतिभाशाली हैं और उनका प्रभाव पूरे भारत में है और केवल वे ही कांग्रेस के लिए केरल जीत सकते हैं।

इस समय चर्चाएं हैं कि वाम मोर्चा सत्ता में लौटने की तैयारी में है, लेकिन जैसे के.सी. वेणुगोपाल ने अपनी जादूगरी से राहुल का विश्वास हासिल किया, वैसे ही वह केरल में भी जादू कर सकते हैं।

नीति आयोग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने मानव-निर्मित फाइबर का उदाहरण दिया। वैश्विक कपड़ा व्यापार का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा इसी सैगमैंट में केन्द्रित होने के बावजूद, कच्चे माल और जरुरी इनपुट्स पर सख्त नीतियों की वजह से भारत का वैश्विक स्तर पर बड़ा खिलाड़ी बनने का सपना कमज़ोर हो रहा है। सिर्फ दो बड़े घरेलू आपूर्तिकर्ता 35 से 40 प्रतिशत तक ऊँची कीमत वसूल पा रहे हैं और आयात लगभग बंद है। ऐसे में नीचे की कड़ी के निर्माता कीमतों में प्रतिस्पर्धा और निर्यात, दोनों अवसर खो देते हैं। कांत के अनुसार, इसका सीधा असर रोजगार सृजन पर पड़ता है, खासकर ऐसे क्षेत्र में, जो श्रम-प्रधान है।

कांत ने हाल ही में कुछ क्यूसीओ वापस लिए जाने का स्वागत किया, लेकिन अपना रुख साफ रखा। उनके अनुसार, ऐसे आदेश कभी भी इनपुट्स, मध्यवर्ती उत्पादों या पुर्जों पर लागू नहीं होने चाहिए। उनका कहना है कि इस सीमा को बार-बार पार किया गया है, जिससे क्वालिटी एश्योरैंस टूल संरक्षणवाद की दीवार में बदल गया है।

इस सवाल पर, कि क्या क्यूसीओ बिल्कुल भी जायज़ हैं, कांत ने उन्हें सीधे तौर पर पूरी तरह खारिज नहीं किया। अंतिम उत्पादों के लिए, उन्होंने कहा, हर सामान के लिए उन पर केस दर केस के आधार पर विचार किया जा सकता है, बशर्ते सही एनालेसिस, पारदर्शिता और उचित प्रक्रिया हो। जिस बात का उन्होंने कड़ा विरोध किया, वह थी, निर्णय लेने की शक्ति का एक ही मंत्रालय में सिमट जाना। उन्होंने कहा कि मंत्रालयों के बीच जांच और स्टेकहोल्डर से सलाह मशविरा, खासकर एस.एस.एम.ई. के साथ, के बिना यह सिस्टम "गड़बड़ा गया है," उन्होंने रोजाना आने वाले नए क्यू.सी.ओ. को छोटे व्यवसायों के लिए दुःस्वप्न बताया। क्या कांत सरकार के साथ सीधे टकराव में हैं? खुले तौर पर नहीं, लेकिन उनकी टिप्पणियाँ मौजूदा नीति की दिशा से उनके मतभेद को साफ दिखाती हैं। उन्होंने सिर्फ नौकरशाही को दोष देने से बचते हुए यह भी माना कि फैसलों के पीछे एक राजनीतिक प्रक्रिया है, लेकिन इशारा किया कि यह दबाव सबसे ऊँचे राजनीतिक स्तर से नहीं आया है। उनका व्यापक संदेश चेतावनी भरा है: अगर भारत सच में वैश्विक वैल्यू चेन से जुड़ा एक बड़ा मैनुफैक्चरिंग केन्द्र बनना चाहता है, तो क्वालिटी के बहाने आयातित कच्चे माल और इनपुट्स पर रोक लगाकर वह अपने ही विकास के रास्ते में बाधा नहीं डाल सकता।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जोधपुर में भी तीन बेंच गठित कर मौजूदा न्यायाधीशों को इनकी अध्यक्षता की जिम्मेदारी दी गई है।

'बोतलबंद पानी की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुरुआत में ही बेंच ने याचिका के मूल विषय पर सवाल उठाया। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने टिप्पणी की कि देश अभी भी पीने के पानी की बुनियादी समस्या से जूझ रहा है। उन्होंने कहा, "इस देश में पीने का पानी कहां है? लोगों को पीने का पानी तक नहीं मिल रहा है, बोतलबंद पानी की गुणवत्ता तो बाद में आएगी", उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि कोर्ट इस मामले में हस्तक्षेप करने के लिए तैयार नहीं है।

याचिकाकर्ता की वकील, वरिष्ठ अधिवक्ता अनिता शेनॉय ने तर्क दिया कि यह मुद्दा सीधे तौर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित है और उपभोक्ताओं को सुरक्षित और पीने योग्य पैकेज्ड पानी का अधिकार है। उन्होंने खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 की धारा 18 का हवाला देते हुए कहा कि वैधानिक अधिकारियों का कर्तव्य है कि वे सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करें और निर्धारित मानकों को कमज़ोर नहीं किया जा सकता। उन्होंने भारतीय नियमों और अंतर्राष्ट्रीय मानकों, विशेष रूप से विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों, के बीच असमानताओं को भी उजागर किया।

लेकिन बेंच इस तर्क से सहमत नहीं हुई। मुख्य न्यायाधीश ने इस याचिका को "शहर केन्द्रित दृष्टिकोण" के रूप में वर्णित करते हुए कहा कि बड़ी ग्रामीण आबादी रोज़ाना पेयजल प्राप्त करने के लिए भूमिगत जल पर निर्भर है। "यह एक शहर- केन्द्रित दृष्टिकोण है, ग्रामीण क्षेत्रों में लोग भूमिगत जल पीते हैं, और उन्हें कोई परेशानी नहीं होती।"

कोर्ट ने यह भी नोट किया कि अगर याचिका उन क्षेत्रों पर केन्द्रित होती, जहां पीने के पानी की बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं, तो वह मामला अलग तरीके से देख सकते थे। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "पानी की बोतल में यह सामग्री होनी चाहिए, वह सामग्री होनी चाहिए, ये सब लग्ज़री मुकदमे हैं।"

जब वकील ने इस मामले को लग्ज़री मुकदमा कहने पर असहमत होकर इसके सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभावों पर जोर दिया, तो बेंच ने कहा कि वे याचिका मौजूदा वास्तविकताओं को नज़रअंदाज़ कर रही हैं।

सीजेआई ने कहा, "क्या आप सोचते हैं कि हम, यूएसए, ईयू या जापान के दिशा निर्देश लागू कर सकते हैं? चलिए, देश की वास्तविकताओं को देखते हैं। कोई भी गरीबों का मुद्दा नहीं उठाता, यह अमीरों और शहरीकरण का डर है।"

हालांकि, याचिका में कहा गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों की तुलना में भारतीय मानकों की स्वीकार्य सीमाएं पुरानी हैं, पर कोर्ट ने इस पर जाँच से इन्कार कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने की अनुमति दी और उचित प्राधिकृत प्राधिकरण से संपर्क करने का अधिकार दिया।

अंतिम टिप्पणी में, मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "जब गांधी भारत लौटे थे, तो वे सबसे पहले गरीब क्षेत्रों में गए थे। याचिकाकर्ता से कहिए कि वे उन क्षेत्रों में जाएं, जहां लोग पीने के पानी के लिए भी संघर्ष करते हैं, तब उनकी समझ में आएगा कि भारत वास्तव में किस समस्या का सामना कर रहा है।"

रीट पेपर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत के छह माह में अभियोजन साक्ष्य पूरा नहीं करने पर उसे नए सिरे से जमानत अर्जी पेश करने को कहा था।

सुप्रीम कोर्ट से समयबद्ध निर्देश प्राप्त होने के बाद भी, निचली अदालत ने अभी तक आरोप तय नहीं किए हैं। ऐसे में मूल मामले के साथ ही इस ईडी केस में भी सुनवाई आरंभ नहीं हुई है। मूल मामले में याचिकाकर्ता जमानत पर रिहा है और ईडी केस में एक साल से जेल में बंद है।

जमानत याचिका में कहा गया कि मामले में 30 गवाहों के साथ ही हजारों दस्तावेज पेश हुए हैं, जिनका परीक्षण ईडी कोर्ट को करना है। गवाहों में अधिकतम सरकारी कर्मचारी हैं और उनके प्रभावित होने की आशंका नहीं है। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908